भारत का पहला स्वर्ण पदक विजेता जमुई की बेटी श्रेयसी सिंह

● प्रो० रामजीवन साहु

भगवान महावीर की जन्मस्थली जमुई भारत के इतिहास में धार्मिक क्षेत्र में जितना महत्वपूर्ण स्थान रखता है, उतना ही महत्वपूर्ण स्थान राजनीति में भी रखता है .यही कारण है कि स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद बिहार मंत्री मंडल में अवश्य ही कोई न कोई मंत्री जमुई का रहे चाहे किसी भी दल की सरकार हो. जमुई जिला में चार विधानसभा क्षेत्र है.प्रथम् सिकन्दरा-240 द्वितीय जमुई -241 त्रितीय झाझा-242 और चतुर्थ चकाई-243. वर्तमान में जमुई विधानसभा के विधायिका हैं सुश्री श्रेयसी सिंह. श्रेयसी सिंह भारत में गोल्डेन गर्ल के नाम से प्रसिद्ध हैँ. इसी लाडली बिटिया रानी श्रेयसी ने किसी अंतर्राष्ट्रीय खेल प्रतिस्पर्घा में पहली बार महिला-वर्ग में स्वर्ण पदक प्राप्त की है..इसने 2018 में 21वें कॉमनवेल्थ गेम्स में महिलाओं के डबल टैप शूटिंग इवेंट में स्वर्ण पदक प्राप्त की . इसी वर्ष ये अर्जुन पुरस्कार से भी सम्मानित हुई. .इसके पूर्व भी अनेकों प्रतिस्पर्धाओं में अनेकों प्रकार की पदक प्राप्त की हैं.

भारतीय संस्कृति के अनुसार श्रेयसी नाम अत्यंत ही पवित्र नाम है. इसका शाब्दिक अर्थ अच्छा, सुन्दर और शुभ होता है. इस नाम में चार अक्षर और दो मात्रायें हैं .प्रत्येक अक्षर और मात्रायें भी नाम के विशेषताओं का वर्णन करता है. श+र+ए+य+स+ई= श्रेयसी. श से शिष्ट, र से रक्षा, ए से एकात्म, य से यत्नपूर्वक, स से समर्पित और ई से ईमानदारी अर्थात् जो भारत माता की रक्षा शिष्ट ढंग से, ईमानदारी से, यत्नपूर्वक, एकात्म भाव से समर्पित हो उसे ही श्रेयसी कहते हैं. श्रेयसी सिंह जमुई जिला के गिद्धौर सदर प्रखंड के 'लाल-कोठी' में रहती हैं. इनका जन्म 28 अगस्त 1991 में हुआ है. इनके पिताश्री का नाम स्मृतिशेष दिग्विजय सिंह और माता और श्रीमती पुतुल देवी इनके माताश्री का नाम है.दिग्विजय सिंह बांका संसदीय क्षेत्र के सांसद भी रहे. 1990 से 2004 तक ये भारत सरकार के मंत्री रहे. 1999 से 2010 तक भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ के अध्यक्ष रहे साथ ही भारतीय ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष भी रहे. इनकी माताश्री पुतुल देवी भी पति के मरणोपरांत बांका संसदीय क्षेत्र के सांसद बनीं. श्रेयसी सिंह को प्रारंभिक शिक्षा और उच्चतम शिक्षा दिल्ली से ही मिली. उच्चतम शिक्षा एमबीए तक की है. इनको बाल्यकाल से ही खेल में रुचि है साथ ही घर का परिवेश भी उनके रुचि के अनुकूल मिला. आश्चर्यचकित करने वाला यह भी संयोग

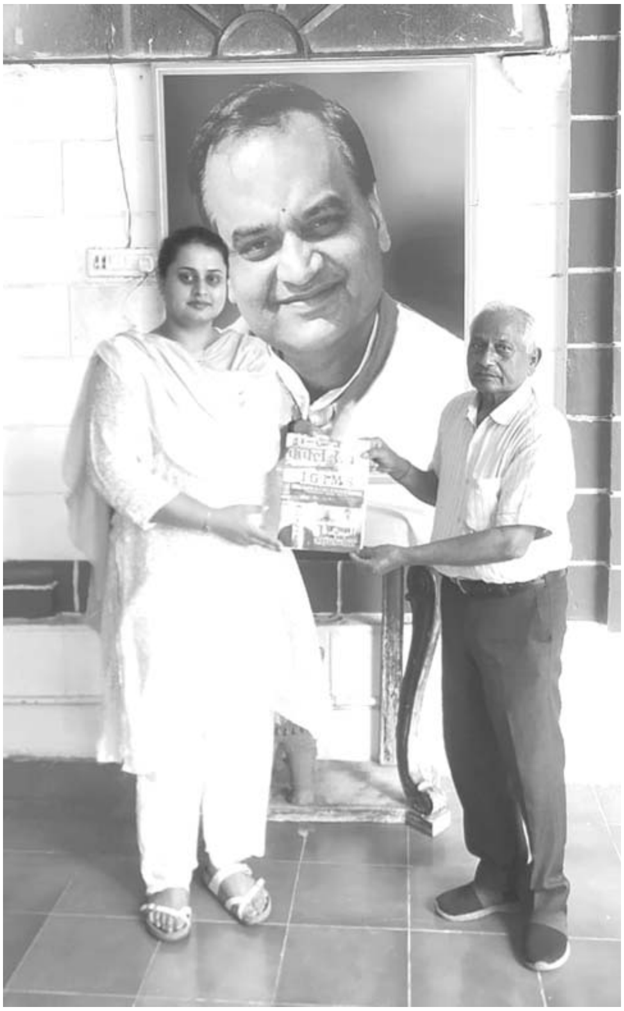

है कि विद्यालय के शिक्षक भी इनको खेल में रुचि बढ़ाने वाली दायित्व भी देने लगे. खेल में इन्हे कैप्टन बनाया जाने लगा. इससे खेल के प्रति इनकी अभीरुचि और तीव्र से तीव्रत्तम हो गयी. इन्होने खेल में निशानेबाजी को प्राथमिकता दी. धीरे-धीरे स्कूल स्तर, जिला स्तर, प्रांत स्तर, राष्ट्रीय स्तर और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खेलों में भाग लेकर विभिन्न प्रकार के पदकों से सम्मानित होने लगीं. 2004 में श्रेयसी सिंह के मन में एक बहुत बड़ा प्रेरणा का भाव तब जगा, जब राजवर्धन सिंह राठौर ग्रीष्मकालीन ओलंपिक, एथेन्स में डबल टैप स्पर्धा में रजत पदक प्राप्त किए. अब मन में राष्ट्रीय भावना उबाल पर आ गया. फलस्वरुप 2018 में 21वें कामनवेल्थ गेम्स में महिलाओं के डबल टैप शूटिंग इवेंट में स्वर्ण पदक प्राप्त कर बिजयी हुई. यह पदक भारत का पहला स्वर्ण पदक है, जो जमुई की बेटी श्रेयसी सिंह ने जीतीं. उस ऐतिहासिक जीत ने भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेताओं के मन में भी हलचल पैदा कर दी. 2020 के बिहार विधानसभा के चुनाव में जमुई विधानसभा के लिए टिकट भी इन्हें मिल गयी और भारी मतों से विजय भी हो गयी. आज तक जितने भी इस विधानसभा से विजयी हुए हैं, उन सबों से इस क्षेत्र में ये विकास की हैं, उन कार्यो का वर्णन वह कर रही हैं, जिनका निर्माण हो चुका है या कुछ का शिलान्यास हो चुका है या कुछ की स्वीकृति मिल चुकी हैं :-

☞ हरला मोड़ तक सड़क निर्माण:- 19-400 कि.मी.(निर्माणाधीन) लागत 23.450 करोड़.

☞ हरनारायणपुर पुल (निर्माणाधीन) लागत 30.करोड़.

☞ जमुई नगर विशेष केन्द्रीय सहायता से उच्चतम गुणवत्ता वाले रिंग रोड का निर्माण (निविदा प्रक्रिया में) लागत 34 करोड़.

☞ बोधमन तालाब का जीर्णोधार एवं सौंदर्यीकरण लागत 1.100 करोड़.

☞ जमुई बोधमन तालाब, कचहरी चौक और झाझा बस स्टेन्ड पर सामूहिक शौचालय का निर्माण लागत 60 लाख.

☞ सिकरिया पुल का निर्माण लागत 16.करोड़.

☞ गारो नवादा पुल का निर्माण लागत 3.करोड़.

☞ बाबा पतनेश्वर धाम का सौन्दर्यीकरण 8.34 करोड़.

☞ सोनपे में स्पोर्ट्स कोम्प्लेक्स के निर्माण की स्वीकृति लागत 30.करोड़.

☞ प्रधानचक वियर का निर्माण की स्वीकृति लागत 4.64.करोड़.

☞ सतायन आहर का जीर्णोधार की स्वीकृति मिल चुकी है.

2025 का बिहार विधानसभा चुनाव विकास के बल पर चुनाव लड़ूगीं. माता-पिता के आदर्श सिद्धांत ईमानदारी, नि:स्वार्थ भाव से राष्ट्र की सेवा करना और समाज में सामाजिक समरसता बनाने के लिए सतत प्रयत्नशील रहूंगी. भारत माता की जय. वन्दे मातरम!●

पाँच दिवसीय प्रशिक्षण में डाइट में व्याख्याताओं को प्रधानाध्यक्षों ने किया सम्मानित

● अनीता सिंह/मिथिलेश कुमार

12 सितम्बर को डायट भवन में स्वागत स्वागतम गान कार्यक्रम का शानदार आगाज हुआ स्वागत गान में विजेता कुमारी प्रमिला कुमारी विश्वकर्मा, सुनीता कुमारी, मीरा कुमारी ने स्वागत गान में ऐसी समा बाधा की लोग मंत्रमुग्ध हो गये । एक सम्मान समारोह आयोजित कर प्राचार्य एवं व्याख्याताओं को सम्मानित किया गया नवनियुक्त बी०पी०एस०सी० प्रधानाध्यापक एवं प्रधान शिक्षक के पाँच दिवसीय प्रशिक्षण के समापन के अंतिम दिन सम्मान समारोह आयोजित की गई। समारोह मे +2 ठेरा वारिसलीगंज के प्राचार्य अमित कुमार ने डायट के प्राचार्य फैयाज आलम को पुष्पगुच्छ एवं बुके देकर सम्मानित किया। वही पुजा कुमारी ने शॉल देकर प्राचार्य को सम्मानित किया। प्राचार्य ने कहा कि के०के० पाठक के समय एक बैच सम्मान समारोह किया था। इसके बाद

आपलोग ने शानदार आगाज के साथ सम्मान समारोह का सफल आयोजन कर हमलोग आप लोग की उज्जवल भविष्य की कामना करते है । उन्होने अपने कर्तव्य का निर्वहन मे अपना योगदान देने को कहा। बच्चों को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा देने की अपील की संबोधन में अमित कुमार ने कहा कि हर समाज के अंतिम शोषित व्यक्ति उपेक्षित को शिक्षा देने से समाज के मुख्यधारा में जोड़ने का काम करेगे एवं यह पॉच दिवसीय प्रशिक्षण का लाभ को अपने विद्यालय के बच्चों पर धरातल पर उतारने का काम करेंगे। तब ही हमारा लक्ष्य पुरा होगा।

व्याख्याताओं के द्वारा किये गये मार्ग दर्शन ज्ञानवर्धन से उत्साहित होकर प्रतिभागियों ने यह कार्यक्रम किया । कार्यक्रम की अध्यक्षता +2 भट्टा रोह के प्रधानाध्यापक विरेन्द्र कुमार मिलन ने किया। मंच संचालन + अंजुनार पकरीबरावाँ राजेश कुमार प्रभाकर ने किया। प्रशिक्षण प्रभारी मनोज कुमार को डॉ० प्रभात कुमार ने बुके तथा सुमन कुमारी ने सॉल देकर सम्मानित किया। व्याख्याता सुरेश कुमार राहुल कुमार सिन्हा, डॉ० शशिभुषण, तबरेज आलम, मनोज कुमार, नीतिश कुमार, डॉ० राजु रंजन, सुमित कुमार, क्रिसलय कुमार एवं प्रेमचन्द प्रसाद को बुके शॉल देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर युगल कामर, डॉ० विपीन भारती, विनोद कुमार चौधरी, संजीव कुमार चौधरी, पंकज कुमार शर्मा, संगीता कुमारी, अंकिता प्रिया, लीला कुमारी, प्रियंका कुमारी, अनील कुमार, नीरज कुमार, जनार्दन प्रसाद, कुमारी अंजली अनुराधा कुमारी, बॉबी कुमारी, गोपी राम, कामीनी कुमारी, अर्पणा सिंह, कुमारी संगीता, पिंकी कुमारी, पुनम राहुल, प्रियंका कुमारी, रिम्पी कुमारी समेत सैकड़ो प्रधानाध्यापक एवं प्रधान शिक्षक शिक्षिकाओं मौजुद थे।●

बी.के. साहू इंटर विद्यालय का नायाब सितारा

शिक्षक यशपाल गौतम

राजकीय सम्मान से सम्मानित शिक्षक यशपाल गौतम का विद्यालय में हुआ भव्य स्वागत

● **मिथिलेश कुमार**

ग्रामीण भारत की मिट्टी में छिपी अनगिनत कहानियां हैं, जहां खेतों की हरियाली, नदियों की कलकलाहट और गांव की सादगी जीवन की सच्ची तस्वीर बुनती है। बिहार के नवादा जिले का वारिसलीगंज ऐसा ही एक छोटा-सा कस्बा है, जहां सुबह की पहली किरण के साथ किसानों के कदम खेतों की ओर बढ़ते हैं और शाम ढलते ही रोशनी में सपनों की दुनिया सजती है। यहां की हवा में मेहनत की खुशबू है, लेकिन संसाधनों की कमी और संघर्ष की छाया भी। ऐसे परिवेश में शिक्षा न केवल एक माध्यम है, बल्कि एक क्रांति है। एक ऐसा दीपक जो अंधेरे को चीरकर भविष्य को रोशन करता है। इसी ग्रामीण व कस्बाई आंचल में बसा है श्री गणेश बी.के. साहू इंटर विद्यालय, जो वर्षों से हजारों उपलब्धियों को अपनी गोद में समेटे हुए है। यहां से निकले सैकड़ों छात्र आज राष्ट्रीय पटल पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं। लेकिन आज हम बात करेंगे एक ऐसे शख्स की, जिनकी कहानी इस मिट्टी की सुगंध से शुरू होकर शिक्षा की ऊंचाइयों तक पहुंची है-शिक्षक यशपाल गौतम।

वारिसलीगंज के उन संकरी गलियों में, जहां बारिश में कीचड़ भरी सड़कें और गर्मी में धूल भरी हवाएं आम हैं, यशपाल गौतम का बचपन बीता। जीवन की कठिनाइयां यहां हर बच्चे की किस्मत में लिखी होती हैं घरेलू जिम्मेदारियां और सीमित संसाधन। लेकिन शिक्षा ने उनके जीवन को एक नई दिशा दी। श्री गणेश बी.के. साहू इंटर विद्यालय में अपनी शैक्षणिक यात्रा शुरू करने वाले यशपाल ने कभी सोचा नहीं होगा कि एक दिन वे इसी विद्यालय की दीवारों के भीतर शिक्षक बनकर हजारों बच्चों के सपनों को पंख देंगे। पिछले 18 वर्षों से वे बतौर शिक्षक यहां अपनी जिम्मेदारियां निभा रहे हैं। उनके रचनात्मक और सृजनात्मक कार्यो ने न केवल छात्रों को किताबी ज्ञान दिया, बल्कि जीवन के हर क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा भी। कला, विज्ञान, खेल और सामाजिक जागरूकता। हर दिशा में उन्होंने छात्रों को प्रोत्साहित किया। और इसी समर्पण का फल मिला वर्ष 2025 में शिक्षक दिवस पर, जब उन्हें राजकीय शिक्षक सम्मान से नवाजा गया। यह सम्मान न केवल उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि पूरे विद्यालय और प्रखंड के लिए गौरव का क्षण है। आज यहां पढ़ रहे करीब 2700 छात्र-छात्राओं के चेहरे पर चमक देखकर लगता है कि यशपाल जैसे शिक्षक ही ग्रामीण भारत के भविष्य को आकार दे रहे हैं। यह कहानी और भी भावपूर्ण हो जाती है जब हम उनके परिवार की भूमिका को देखते हैं। शिक्षा के क्षेत्र में गौतम परिवार का योगदान लंबे समय से चला आ रहा है। पिछले वर्ष जिले से दो शिक्षकों का चयन राजकीय सम्मान के लिए हुआ था, जिसमें यशपाल के भाई श्रीकांत भी शामिल थे। ऐसे में यशपाल का सम्मान परिवार की परंपरा को और मजबूत करता है। ग्रामीण परिवेश में जहां शिक्षा तक पहुंच आसान नहीं होती, वहां एक परिवार का दो पीढ़ियों से शिक्षा को समर्पित होना प्रेरणा का स्रोत है। वारिसलीगंज के छात्रों और शिक्षा प्रेमियों के लिए वे एक नजीर हैं, एक ऐसा उदाहरण जो साबित करता है कि ग्रामीण जीवन की बाधाएं भी शिक्षा के सामने घुटने टेक देती हैं। शिक्षा की शक्ति को समझना हो तो यशपाल की यात्रा से बेहतर उदाहरण नहीं मिल सकता। शहरी कम ग्रामीण परिवेश में जन्मा बच्चा अक्सर संसाधनों की कमी से जूझता है-बिजली की अनियमितता, पुस्तकों की कमी और कभी-कभी तो स्कूल तक पहुंचने की मुश्किल राहें। लेकिन शिक्षा वह जादू है जो इन सबको पार कर मनुष्य के भविष्य को उज्ज्वल बनाती है। यह न केवल ज्ञान देती है,

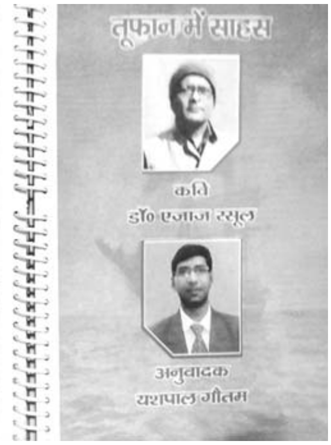

बल्कि आत्मविश्वास, रचनात्मकता और संघर्ष की क्षमता भी। यशपाल जैसे व्यक्ति इसका जीवंत प्रमाण हैं। एक छात्र के रूप में उन्होंने शिक्षा से सपने बुने, और शिक्षक बनकर उन सपनों को दूसरों में रोपा। शिक्षा मनुष्य को उसके अंदर छिपी प्रतिभा से मिलाती है, उसे राष्ट्रीय फलक पर ले जाती है। ग्रामीण भारत में जहां गरीबी और अज्ञानता की जंजीरें मजबूत हैं, वहां शिक्षा ही वह कुंजी है जो दरवाजे खोलती है,नौकरी, सम्मान और सामाजिक बदलाव के। यशपाल की उपलब्धि हमें याद दिलाती है कि शिक्षा न केवल व्यक्तिगत उन्नति का माध्यम है, बल्कि पूरे समुदाय को ऊपर उठाने की ताकत रखती है। आज जब हम यशपाल गौतम को सम्मानित होते देखते हैं, तो दिल भर आता है। यह सम्मान सिर्फ एक पुरस्कार नहीं, बल्कि ग्रामीण भारत की उस अनगिनत कहानियों का प्रतीक है जो शिक्षा की रोशनी से चमक रही हैं। वारिसलीगंज जैसे छोटे कस्बे से निकलकर राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने वाली यह यात्रा हर बच्चे को प्रेरित करती है कि मेहनत और समर्पण से कोई भी सपना साकार हो सकता है। शिक्षा की यह ज्योति कभी बुझने न पाए, और यशपाल और श्रीकांत जैसे शिक्षक हमेशा इसे जलाए रखें।

वारिसलीगंज प्रखंड मुख्यालय स्थित श्री गणेश बी के साहू इंटर विद्यालय में पदस्थापित शिक्षक यशपाल गौतम को शिक्षक दिवस के अवसर पर पटना में आयोजित राजकीय शिक्षक समारोह में शिक्षा मंत्री के द्वारा राजकीय सम्मान से सम्मानित किये जाने के बात उनके विधालय लौटने पर विद्यालय के शिक्षकों एवं छात्राओं के द्वारा समारोह पुर्वक भव्य स्वागत किया गया। विद्यालय में पहुंचते ही स्काउट और गाइड के द्वारा बैंड बाजा से स्वागत किया गया। तथा छात्राओं ने फूल बरसा कर अपने शिक्षक का स्वागत किया। समारोह में उपस्थित माध्यमिक शिक्षक संघ के सचिव परशुराम सिँह, शिव कुमार प्रसाद, विद्यालय के पूर्व प्राचार्य गोविन्द जी तिवारी, विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक श्री मति श्वेता सिन्हा एवं अन्य शिक्षकों के द्वारा यशपाल गौतम को बुके एवं माला पहनाकर स्वागत किया।

इस अवसर पर अतिथियों ने लहा की शिक्षा और समाज के लिए समर्पित यशपाल गौतम को राजकीय सम्मान मिलना विध ालय के लिये गौरव की बात है। उन्होंने कहा की यशपाल गौतम, जो वर्ष 2007 से श्री गणेश भतु कन्हाई साहू इंटर विद्यालय, वारिसलीगंज, नवादा में वाणिज्य शिक्षक के रूप में कार्यरत हैं, न केवल एक शिक्षक हैं, बल्कि एक मार्गदर्शक, एक सामाजिक कार्यकर्ता और एक दूरदर्शी व्यक्ति हैं। उनकी यात्रा इस विद्यालय के एक पूर्व छात्र (1992–1997) के रूप में शुरू हुई और आज वे उसी विद्यालय में बतौर शिक्षक कार्यरत हैं। शिक्षा के क्षेत्र में एक प्रेरणास्रोत बन चुके हैं। उनका समर्पण केवल कक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह वित्तीय साक्षरता, पर्यावरण संरक्षण, बाल श्रम उन्मूलन और छात्रों के समग्र विकास जैसे कई क्षेत्रों में फैला हुआ है।

❖ **वित्तीय साक्षरता के अग्रदूत :-** श्री गौतम की सबसे उल्लेखनीय उपलब्धियों में से एक छात्रों के बीच वित्तीय जागरूकता को बढ़ावा देना है। उन्होंने सेबी और आरबीआई द्वारा संचालित नेशनल फाइनेंशियल लिटरेसी एसेसमेंट टेस्ट (NFLAT) में विद्यालय को लगातार दो वर्षों (2014 और 2015) तक पूरे देश में 9वें और पूर्वी जोन में पहला स्थान दिलाकर एक मिसाल कायम की है। उनके प्रयासों से ही विद्यालय में एक ऑनलाइन परीक्षा केंद्र स्थापित किया गया, जिससे छात्रों को इन महत्वपूर्ण परीक्षाओं में भाग लेने में सुविधा हुई। उनके इस कार्य को रिजर्व

बैंक ऑफ इंडिया, कोलकाता और हैदराबाद में आयोजित समारोहों में सम्मानित किया गया, जहां उन्हें शील्ड प्रदान की गई। इसके अलावा, उन्होंने विभिन्न आयु वर्ग के लोगों, जैसे युवाओं, ग्रामीण महिलाओं और सेवानिवृत्त व्यक्तियों के लिए भी वित्तीय जागरूकता पर कार्यशालाएँ आयोजित की हैं। पर्यावरण और समाज के प्रति प्रतिबद्धता श्री गौतम पर्यावरण संरक्षण के भी प्रबल समर्थक हैं। उनके मार्गदर्शन में, छात्रों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं और वृक्षारोपण अभियानों के माध्यम से पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाई। उनके इस महत्वपूर्ण योगदान के लिए, उन्हें इंडियन सेंटर फॉर वर्ल्ड लाइफ एंड एनवायरमेंटल स्टडीज इन साउथ एशिया रीजन, जयपुर द्वारा लगातार तीन वर्षों (2012, 2013, 2014) तक इको पर्यावरण द्रोणाचार्य अवार्ड से सम्मानित किया गया। उन्होंने समाज में बाल श्रम को समाप्त करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बचपन बचाओ आंदोलन के तहत, उन्होंने विभिन्न संस्थाओं को अपनी निःशुल्क सेवाएँ दी हैं और हिसुआ प्रखंड को बाल श्रम मुक्त घोषित कराने में सक्रिय भूमिका निभाई। उन्होंने नोबेल शांति पुरस्कार विजेता श्री कैलाश सत्यार्थी की भारत यात्रा की सफलता में भी योगदान दिया।

❖ **करियर मार्गदर्शन और छात्र विकास :-** शिक्षा विभाग, बिहार द्वारा शुरू किए गए बिहार करियर गाइडेंस पोर्टल के राज्य स्तरीय प्रशिक्षक के रूप में, श्री गौतम ने नवादा जिले के विद्यालयों का दौरा किया और छात्रों को करियर मार्गदर्शन दिया। उनके प्रयासों से नवादा जिला पूरे राज्य में करियर गाइडेंस में प्रथम स्थान पर रहा, जिसके लिए उन्हें जिला प्रशासन द्वारा सम्मानित भी किया गया। उनके मार्गदर्शन में दर्जनों छात्र चार्टर्ड अकाउंटेंट (CA) और कंपनी सेक्रेटरी (CS) की परीक्षा में सफल हुए हैं। इसके अलावा, वर्ष 2015 की इंटरमीडिएट परीक्षा में विद्यालय की छात्रा शेफाली सोनी के टॉप टेन में स्थान पाने में भी उनका मार्गदर्शन महत्वपूर्ण रहा है। वे छात्रों को खेलकूद (जैसे बैडमिंटन, क्रिकेट, कैरम) का प्रशिक्षण भी देते हैं, जिससे उनके सर्वांगीण विकास में सहायता मिलती है।

❖ **एक बहुमुखी प्रतिभा :-** श्री गौतम की बहुमुखी प्रतिभा का एक और उदाहरण सेंटर फॉर कल्चरल रिसोर्सेज एंड ट्रेनिंग (CCRT), नई दिल्ली द्वारा शिक्षा में कठपुतली की भूमिका के लिए उनका चयन है। वे पपेट्री एजुकेशन में प्रशिक्षित हैं और इस कला का उपयोग छात्रों को पढ़ाने में करते हैं। श्री यशपाल गौतम का जीवन और कार्य यह दर्शाता है कि एक शिक्षक का प्रभाव केवल कक्षा की चार दीवारों तक सीमित नहीं होता। उनका समर्पण, उनके बहुआयामी प्रयास और समाज के प्रति उनकी प्रतिबद्धता उन्हें एक सच्चे 'इतिहास निर्माता' बनाती है, जैसा कि TBT THE HISTORY MAKERS द्वारा राज्य पुरस्कार से सम्मानित किया जाना दर्शाता है। वे वास्तव में शिक्षा और सामाजिक उत्थान के क्षेत्र में एक प्रेरणा हैं।

मौके पर डॉ शंभू शरण, पपु चौधरी शिक्षिका सीमा कुमारी, राकेश रौशन, अनामिका, सुनील कुमार सहित सभी शिक्षक एवं लिपिक सुधीर कुमार सहित सभी शिक्षक एवं शिक्षिकायें मौजूद थे।

❖ **संदेश :-**

☞ वित्तीय जागरुक बनें।
☞ पेड़ लगाएं पर्यावरण बचाएँ।
☞ बच्चों का बचपन बचाएं।
☞ मोबाइल छोड़ें, किताबों से नाता जोड़े।
☞ जल को व्यर्थ बर्वाद मत करें।

एक कसक जो विद्यालय में शिक्षण कार्य को प्रभावित करती है।विद्यालय में वर्ग 9 से 12 तक की पढ़ाई होती है एवं कुल नामांकित छात्र 2700 हैं। परन्तु इतने छात्रों के लिये मात्र 22 शिक्षक ही कार्यरत है जिसके कारण शिक्षण कार्य प्रभावित होती है। विद्यालय में एक लिपिक तथा दो परिचारी परिचारी हैं। वर्ग 9-10 में अंग्रेजी और संस्कृत विषय के एक भी शिक्षक नहीं हैं। वर्ग 11-12 में भौतिकी , रसायन और गणित के एक भी शिक्षक नहीं है। अगर रिक्त शिक्षकों की कमी एवं शिक्षकों का पदस्थापन छात्रों की जनसंख्या के अनुपातिक दृष्टिकोण से सही हो जाय तो यहाँ का शैक्षणिक वातावरण बेहतर बन सकता है।●

शिक्षक से राजकीय सम्मान तक

डॉ. विनीता प्रिया की शिक्षण यात्रा

● **मिथिलेश कुमार**

शिक्षा के क्षेत्र में कुछ व्यक्तित्व ऐसे होते हैं जो न केवल ज्ञान का प्रसार करते हैं, बल्कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन की मिसाल बन जाते हैं। डॉ. विनीता प्रिया ऐसी ही एक शिक्षिका हैं, जिनकी यात्रा ग्रामीण परिवेश से शुरू होकर राज्य स्तर के सम्मान तक पहुंची है। डॉ प्रिया की शिक्षण यात्रा नवससृजित प्राथमिक विद्यालय अम्बेडकर नगर कुंज (रोह, नवादा) से शुरू हुई. लगभग ढाई वर्ष की यात्रा में दलित बस्ती के बच्चे न केवल पढ़ाई की ओर उन्मुख हुए बल्कि उन्होंने साफ सफाई और व्यवहारिकता भी सीखी. वहां से विदाई के वक्त बच्चे और अभिभावक उन्हें नम आँखों से दूर तक छोड़ने आये थे. उनमें से कई बच्चे आज उच्च शिक्षा हासिल की और तकनीकी शिक्षा भी. उसके बाद मध्य विद्यालय रोह में लगभग 5 महीने अपनी सेवा दी. वहाँ भी बच्चे काफी प्रभावित थे. उसके बाद +2रामलाल उच्च विद्यालय तारगीर (रजौली, नवादा)और फिर उच्च विद्यालय ओहारी(रोह, नवादा).वर्तमान में बिहार के शेखपुरा जिले के उत्क्रमित उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रेउता (अरियरी, शेखपुरा) प्रधानाध्यापिका के रूप में कार्यरत डॉ. प्रिया को वर्ष 2025 में शिक्षक दिवस पर राजकीय शिक्षक सम्मान से नवाजा गया है। उनकी यह यात्रा न केवल व्यक्तिगत संघर्ष की कहानी है, बल्कि महिलाओं और छात्राओं के सशक्तिकरण की प्रेरणा भी है।

डॉ. विनीता प्रिया का जन्म और पालन-पोषण ग्रामीण इलाकों में हुआ। गांव की गलियों, खेतों और मेड़ों पर दौड़ते-खेलते उनका बचपन बीता। इस साधारण परिवेश में रहते हुए उन्होंने शिक्षा को अपना सबसे बड़ा हथियार बनाया। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) की पूर्व छात्रा होने के नाते, उन्होंने उच्च शिक्षा प्राप्त की और डॉक्टरेट की उपाधि हासिल की। यह यात्रा आसान नहीं थी, लेकिन उनकी दृढ़ इच्छाशक्ति ने उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। ग्रामीण पृष्ठभूमि से आने वाली डॉ. प्रिया आज महिलाओं के लिए एक जीवंत उदाहरण हैं कि शिक्षा कैसे जीवन को बदल सकती है। डॉ. प्रिया ने रजौली और रोह के विद्यालयों में शिक्षिका के रूप में ही नहीं बल्कि बच्चों के लिए एक मार्गदर्शक और दोस्त की भी भूमिका निभाई।यहां उन्होंने न केवल पाठ्यक्रम पढ़ाया,

बल्कि छात्राओं के मन में व्याप्त भ्रांतियों को दूर करने का कार्य किया। विशेष रूप से लड़कियों में लिंग भेदभाव, स्वच्छता और माहवारी जैसे मुद्दों पर उन्होंने रचनात्मक और नवाचारी तरीके अपनाए। उन्होंने विद्यालयों में सेनेटरी पैड की व्यवस्था सुनिश्चित की और विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से समुदाय का ध्यान इन मुद्दों की ओर आकर्षित किया। इन प्रयासों से छात्राएं न केवल आत्मविश्वासी बनीं, बल्कि समाज में इन विषयों पर खुली चर्चा का माहौल बना। वर्तमान में शेखपुरा जिले में प्रधानाध्यापिका बनने के बाद, उनकी भूमिका और व्यापक हो गई। वे एक उत्कृष्ट वक्ता और उद्घोषिका भी हैं, जो

विभिन्न मंचों पर अपनी आवाज बुलंद करती हैं। उनकी शिक्षण शैली में रचनात्मकता का पुट है, जो छात्रों को पारंपरिक शिक्षा से आगे ले जाता है। डॉ. प्रिया की मेहनत का फल वर्ष 2025 में मिला, जब उन्हें राजकीय शिक्षक सम्मान से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उनके समर्पण और नवाचारों का प्रमाण है। पूर्व में नवादा जिले में दी गई सेवाओं से लेकर वर्तमान पद तक, उनकी यात्रा में निरंतर प्रगति दिखाई देती है। उन्होंने न केवल शिक्षा दी, बल्कि समाज के पिछड़े वर्गों, विशेषकर लड़कियों को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

छात्रों को समाज में उनकी भूमिका और महिलाओं के लिए सम्मान की भावना को उन्होंने बखूबी भरने की कोशिश की. उनके कई छात्र बताते हैं कि मैम इतना समझाती हैं कि कोई गलती करने से पहले इंसान सौ बार सोचेगा.डॉ. विनीता प्रिया की कहानी बताती है कि ग्रामीण परिवेश की चुनौतियां भी सफलता की सीढ़ी बन सकती हैं। वे वास्तव में महिलाओं के लिए प्रेरणा

का स्रोत हैं। उनकी शिक्षण यात्रा हमें सिखाती है कि शिक्षा सिर्फ किताबों तक सीमित नहीं, बल्कि यह सामाजिक परिवर्तन का माध्यम है। आज के दौर में, जहां लिंग समानता और स्वास्थ्य जागरूकता जैसे मुद्दे महत्वपूर्ण हैं, डॉ. प्रिया जैसे शिक्षक हमें आगे बढ़ने की राह दिखाते हैं। डॉ. प्रिया की यह यात्रा जारी है, और आने वाले वर्षों में वे और अधिक छात्रों को प्रेरित करेंगी। उनकी कहानी हर उस व्यक्ति के लिए एक सबक है जो शिक्षा को अपना जीवन मिशन बनाना चाहता है। डॉ विनीता प्रिया के कई आलेख विभिन्न विषयों पर कई पत्र –पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए हैं। इनकी उपलब्धि पर इन्हें कई संगठनों के द्वारा सम्मानित भी किया गया है। डॉ. विनीता प्रिया वास्तव में ग्रामीण महिलाओं के लिये जीवंत दस्तावेज हैं जिन्होंने अपनी दृढ़ इच्छा शक्ति और आत्मबल के बदौलत यह यात्रा को पूर्ण किया है। इनकी उपलब्धियों में इनकी माँ की अहम भूमिका है जिन्होंने लड़की होने के बाबजूद इन्हें घरेलू जिम्मेदारियों से मुक्त रखा और हमेशा प्रेरित किया. इसके अलावा इनके पिता, भाई,, बहन का भी काफी योगदान है. विवाह के उपरांत पति रविंद्र कुमार जो औरंगाबाद जिले के रफीगंज में लैव टेक्निशियन के पद पर कार्यरत हैं ने हर कदम पर साथ दिया और हमेशा आगे बढ़ने और अच्छा करने के लिए प्रेरित किया। इन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय अपने परिवार एवं विद्यालय तथा छात्र –छात्राओं को दिया है जिसके बदौलत इन्होंने यह मुकाम हासिल किया है।●

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/8340360961

ई-मेल:- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

संघर्ष से कौन बनेगा करोड़पति के मंच तक का मिथिलेश की प्रेरणादायक यात्रा

● मिथिलेश कुमार/मनीष कमलिया

नवादा जिले के कौआकोल प्रखंड के एक छोटे से गांव नावाडीह के मिथिलेश यादव ने अपनी मेहनत और लगन से न केवल अपने गांव का नाम रोशन किया, बल्कि देश के सबसे लोकप्रिय क्विज शो कौन बनेगा करोड़पति (KBC) के 17वें सीजन में 25 लाख रुपये जीतकर लाखों लोगों के लिए प्रेरणा बन गए। मिथिलेश, जो भुनेश्वर यादव के पुत्र हैं, ने अपने जीवन के संघर्षों और अपने छोटे भाई के लिए एक बेहतर भविष्य के सपने को साकार करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया मिथिलेश का जीवन आसान नहीं रहा। एक छोटे से गांव में रहने वाले मिथिलेश ने अपने माता-पिता को खो दिया, जिसके बाद उनके कंधों पर अपने छोटे भाई की

देखभाल की जिम्मेदारी आ गई। वह एक ट्यूशन टीचर के रूप में काम करते हैं और प्रति माह केवल 8,000 से 9,000 रुपये कमाते हैं। इस सीमित आय के साथ, अपने और अपने भाई के सपनों को पूरा करना उनके लिए एक बड़ा चुनौती थी। मिथिलेश ने' KBC के मंच पर बताया कि उनका भाई एक अंग्रेजी मीडियम स्कूल में पढ़ना चाहता है और एक साइकिल खरीदने की इच्छा रखता है। लेकिन आर्थिक तंगी के कारण, ये छोटे-छोटे सपने भी उनके लिए दूर की कौड़ी लगते थे। एक भावुक पल में, मिथिलेश फूट-फूट कर रो पड़े, जब उन्होंने अपने भाई की साइकिल की इच्छा को पूरा न कर पाने की अपनी मजबूरी को साझा किया।

मिथिलेश ने KBC 17 में फास्टेस्ट फिंगर फर्स्ट राउंड जीतकर अमिताभ बच्चन के सामने हॉट सीट पर अपनी जगह पक्की की। शो के दौरान, उन्होंने अपनी बुद्धिमता और ज्ञान का शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 25 लाख रुपये के

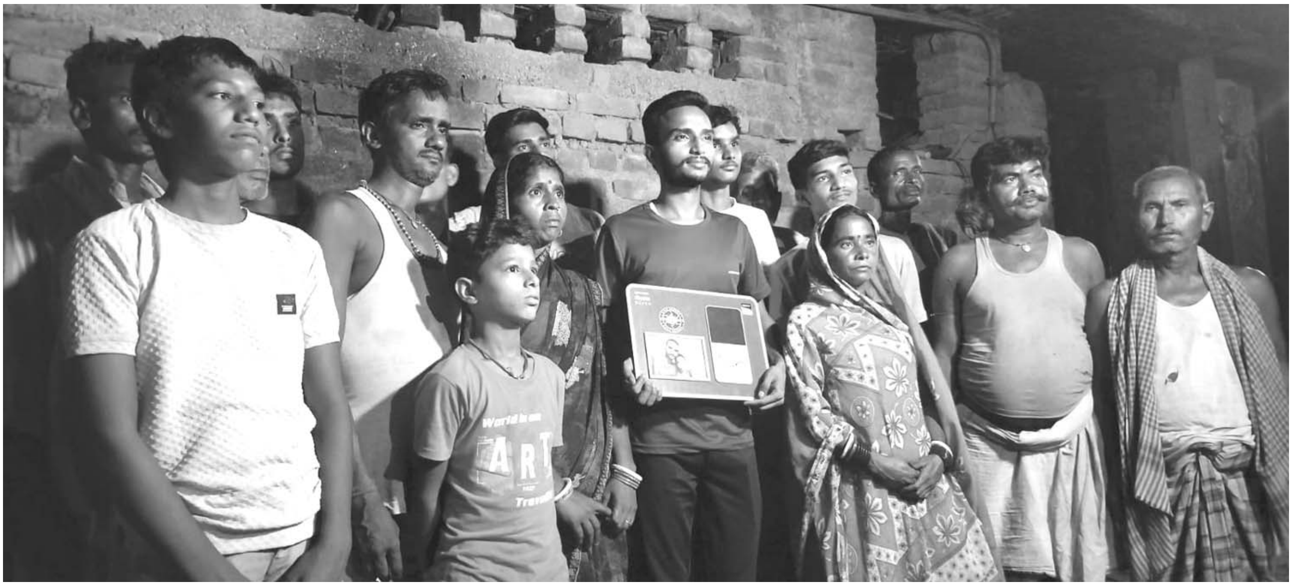

सवाल का सही जवाब दिया, जो था-किस देश ने अपने नागरिकों को ब्रॉडबैंड इंटरनेट का कानूनी अधिकार देने वाला पहला देश बनाया? विकल्प थे-फिनलैंड, कनाडा, न्यूजीलैंड, जर्मनी। मिथिलेश ने ऑडियंस पोल लाइफलाइन का उपयोग करते हुए सही जवाब फिनलैंड चुना, जो 2010 में यह अधिकार देने वाला पहला देश बना था। हालांकि 50 लाख रुपये के सवाल पर मिथिलेश को रुकना पड़ा। सवाल था-दिल्ली के लाल किले को डिजाइन करने वाले आर्किटेक्ट के नाम में कौन सा शहर शामिल है? विकल्प थे-इस्तांबुल, हेरात, लाहौर, मशहद। सही जवाब था-लाहौर। क्योंकि लाल किला उस्ताद अहमद लाहौरी ने डिजाइन किया था, जिनका उपनाम लाहौर शहर से लिया गया है। मिथिलेश ने 50-50 लाइफलाइन का उपयोग किया, लेकिन जोखिम न लेते हुए उन्होंने खेल छोड़ने का फैसला किया। जाने से पहले, अमिताभ बच्चन ने उनसे एक जवाब चुनने को कहा और संयोगवश मिथिलेश ने सही जवाब लाहौर चुना, जिससे सभी हैरान रह गए। मिथिलेश 25 लाख रुपये लेकर घर लौटे। KBC के मंच पर मिथिलेश ने अपने छोटे भाई अंकुश के साथ अपने गहरे रिश्ते को साझा किया। उन्होंने बताया कि उम्र के अंतर के बावजूद, उनका भाई हमेशा उनके साथ अपना जन्मदिन मनाने की जिद् करता है। मिथिलेश का एकमात्र सपना अपने भाई के लिए एक उज्जवल भविष्य सुनिश्चित करना है। उन्होंने भावुक होकर कहा, 'मेरा भाई कहता है, मेरा भी जन्मदिन मनाइए। मैं अंग्रेजी मीडियम स्कूल में पढ़ना चाहता हूं और मुझे साइकिल चाहिए।' पैसे न होने की वजह से मैं...।' यह कहते हुए उनकी आंखें भर आईं। मिथिलेश की यह कहानी दर्शकों के दिलों को छू गई और उनके संघर्ष और समर्पण ने सभी को प्रेरित किया।

25 लाख रुपये की जीत मिथिलेश के लिए एक जीवन बदलने वाला पल था। उन्होंने बताया कि इस जीत के बाद उन्हें ऐसा लगा जैसे वह रातोंरात गरीब से अमीर हो गए। इस राशि से वह अपने भाई के सपनों को पूरा करने की दिशा में कदम बढ़ा सकते हैं, जैसे कि उसे अंग्रेजी मीडियम स्कूल में पढ़ाने और साइकिल खरीदने का उसका सपना पूरा करने। मिथिलेश की इस उपलब्धि ने न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरे नवादा जिले का मान बढ़ाया। मिथिलेश यादव की कहानी साहस, समर्पण और मेहनत की एक मिसाल है। एक छोटे से गांव से निकलकर कौन बनेगा करोड़पति के मंच तक पहुंचना और 25 लाख रुपये जीतना उनके दृढ़ संकल्प का प्रमाण है। उनकी कहानी हमें सिखाती है कि कठिनाइयों के बावजूद, अगर इरादे मजबूत हों, तो कोई भी सपना असंभव नहीं है। मिथिलेश की यह यात्रा न केवल उनके भाई के लिए, बल्कि उन सभी लोगों के लिए एक प्रेरणा है जो अपने सपनों को पूरा करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। मिथिलेश की सफलता की कहानी नहीं है, बल्कि यह हर उस युवा के लिए रास्ता दिखाने वाली मिसाल है, जो छोटे गांवों से बड़े सपने लेकर निकलता है।ष्संघर्ष हो तो अपनी जगह से निकलो, रास्ते खुद बनते चले जाएंगे।●

नेपाल में हिंसा बेकाबू, किशनगंज सीमा पर बढ़ाई गई सुरक्षा

● धर्मेन्द्र सिंह

नेपाल के झापा जिले में हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। भारत-नेपाल सीमा से सटे किशनगंज जिले के गलगलिया थाना क्षेत्र के पास नेपाल के भद्रपुर, बिरतामोड और दमक शहरों में मंगलवार को उग्र हिंसा, तोड़फोड़ और आगजनी की घटनाएं सामने आईं। इसके मद्देनजर भारतीय सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। किशनगंज के पुलिस अधीक्षक सागर कुमार ने सीमा क्षेत्र का निरीक्षण कर सशस्त्र सीमा बल (ठ) के अधिकारियों के साथ बैठक की और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने सुरक्षा बलों को सतर्क रहने और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, झापा जिले के दमक उप-मंडल-9 के शांति मार्ग स्थित प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के घर पर दोपहर 1:20 बजे करीब 1000 से 1200 प्रदर्शनकारियों की भीड़ ने हमला कर तोड़फोड़ और आगजनी की। इसके अलावा, सुबह 11:30 बजे, करीब 500 प्रदर्शनकारियों ने कनकई नगर पालिका-1 के कार्यालय में हमला किया और भवन को आग के हवाले कर दिया। महापौर राजेंद्र कुमार पोखरेल के घर पर हमला कर खिड़कियों के शीशे तोड़ दिए गए और घरेलू सामान बाहर निकालकर जला दिया गया।

☞ **दोपहर 1:30 बजे, करीब 700 प्रदर्शनकारियों ने दमक व्यू टावर में तोड़फोड़ और आगजनी की :-** सीपीएन-यूएमएल के झापा जिला प्रभारी रोम ओली के निजी आवास पर भी हमला हुआ। दमक स्थित क्षेत्रीय पुलिस कार्यालय पर भी प्रदर्शनकारियों ने पथराव और हमला किया। दोपहर 3:30 बजे, 2000 से अधिक प्रदर्शनकारियों ने बिरतामोड स्थित जिला यातायात पुलिस कार्यालय पर भीषण पथराव और आगजनी शुरू कर दी। नेपाल पुलिस और सशस्त्र बलों ने प्रदर्शनकारियों को काबू में करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े और फायरिंग की। इसके अतिरिक्त, प्रदर्शनकारियों ने कंकाई रोड स्थित नेपाल दूरसंचार कार्यालय में भी तोड़फोड़ और आगजनी की, जहां आग तेजी से फैलती देखी गई। सीमा पार की स्थिति को देखते हुए भारत-नेपाल सीमा पर अलर्ट घोषित कर दिया गया है। विशेषकर गलगलिया, पानीटंकी और फारबिसगंज बॉर्डर पर सुरक्षा बलों की अतिरिक्त तैनाती की गई है। प्रशासन की नजर सीमा पार से किसी भी अवैध प्रवेश, तस्करी या हिंसक तत्वों की घुसपैठ पर बनी हुई है। नेपाल में उत्पन्न इस अस्थिरता ने सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा संबंधी चिंता को बढ़ा दिया है। प्रशासन ने आम नागरिकों से सजग और सतर्क रहने की अपील की है।

☞ **भारत-नेपाल सीमा : सुखानी में सुरक्षा कड़ी :-** नेपाल में हुए हिंसक विरोध प्रदर्शन के बाद भारत-नेपाल सीमा पर भारतीय SSB ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। बिहार के किशनगंज जिले में स्थित सुखानी सीमा चौकी पर सुरक्षा बल पूरी तरह से मुस्तैद हैं। पिलर संख्या 119/19 पर तैनात जवानों के मुताबिक, नेपाल से आने वाले नागरिकों को भारत में प्रवेश करने की अनुमति सिर्फ चिकित्सा कारणों के आधार पर जांच पड़ताल के बाद ही दिया जाएगा ऐसे मामलों में, व्यक्ति को अपनी बीमारी और इलाज से संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे। हालांकि, भारत से वापस नेपाल जाने वाले नेपाली नागरिकों को वापस जाने दिया जा रहा है जो किसी कारण से भारत आए थे। लोगों का कहना है कि सीमा पर स्थिति फिलहाल सामान्य है, लेकिन किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। यह कदम नेपाल में फैली अशांति और हिंसक गतिविधियों

के मद्देनजर उठाया गया है, ताकि सीमा पार से कोई भी संदिग्ध व्यक्ति भारत में प्रवेश न कर सके। सुरक्षा बल हर आने-जाने वाले पर कड़ी नजर रख रहे हैं।

☞ **सीमा सील: नेपाल के भद्रपुर में हिंसा के बाद किशनगंज में हाई अलर्ट, SSB-पुलिस की संयुक्त गश्ती :-** नेपाल के भद्रपुर नगरपालिका में हिंसक प्रदर्शनों और आगजनी की घटनाओं के बाद भारत-नेपाल सीमा को एहतियातन सील कर दिया गया है। सीमावर्ती गलगलिया थाना क्षेत्र से महज तीन किलोमीटर दूर स्थित भद्रपुर में फैली अशांति को देखते हुए किशनगंज जिला प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए हैं। एसपी सागर कुमार स्वयं हालात की निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने सीमावर्ती थानों के थानाध्यक्षों को सतर्क रहने और लगातार गश्त करने के निर्देश दिए हैं। भारत-नेपाल के साथ ही भारत-बांग्लादेश सीमाओं पर भी सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद कर दी गई है। सभी चेक पोस्टों पर आने-जाने वाले वाहनों की सघन जांच की जा रही है। होटल, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर विशेष जांच अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस और सशस्त्र सीमा बल (SSB) की संयुक्त टीमों द्वारा सीमावर्ती

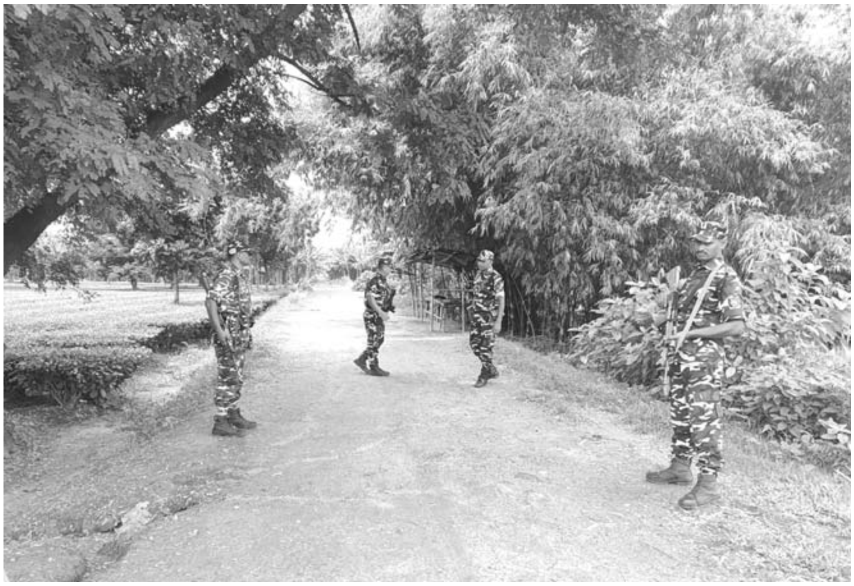

इलाकों में लगातार गश्ती की जा रही है। संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के लिए विशेष टीमें तैनात की गई हैं। स्थानीय प्रशासन ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और शांति बनाए रखने की अपील की है। पुलिस ने बताया कि किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी तैयारी की गई है। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है और जिला प्रशासन हालात पर कड़ी नजर रखे हुए है।●

पीएफआई से जुड़ा संदिग्ध गिरफ्तार

● **धर्मेन्द्र सिंह**

प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (PFI) से जुड़े एक संदिग्ध को पुलिस द्वारा हिरासत में लिए जाने के बाद राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) की पूछताछ 12 सितम्बर को दूसरे दिन भी जारी रही। यह पूछताछ पूरी तरह गोपनीय तरीके से हो रही है और कक्ष के आसपास किसी को भी भटकने की अनुमति नहीं दी जा रही है। सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, हिरासत में लिया गया संदिग्ध महबूब आलम नदवी (39 वर्ष), कटिहार जिले के हसनगंज प्रखंड अंतर्गत बंशीबाड़ी, रामपुर पंचायत का रहने वाला है। बताया गया कि वह अप्रैल माह से किशनगंज के हलीम चौक स्थित एक निजी स्कूल में शिक्षक के रूप में कार्यरत था। उसकी मासिक वेतन 9,000 रूपये थी। वह स्कूल में सामान्य व्यवहार करता था लेकिन ज्यादा बातचीत नहीं करता था। स्कूल प्रशासन द्वारा जब उससे दस्तावेज मांगे गए तो उसने बाद में देने की बात कही थी।

जानकारी के अनुसार, एक माह की छुट्टी के बाद वह स्कूल लौटा ही था कि इसी बीच उसे हलीम चौक से हिरासत में लिया गया। इसके बाद NIA की टीम ने उससे पूछताछ शुरू की जो शुक्रवार को भी जारी रही। इस कार्रवाई को पूरी तरह गोपनीय रखा गया है। दूसरे जांच एजेंसियां, जिनमें एटीएस (ATS) भी शामिल है, अपने स्तर पर जांच में जुटी हुई हैं। हालांकि, एटीएस की मौजूदगी को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इस घटना के बाद जिले के अन्य निजी स्कूलों के संचालक भी हैरान हैं। अचानक हुई इस कार्रवाई ने सभी को चौंका दिया है। कई स्कूल संचालकों का कहना है कि अब वे शिक्षक नियुक्ति की प्रक्रिया में सख्त नियम और दस्तावेज जांच की व्यवस्था करेंगे ताकि भविष्य में ऐसी किसी स्थिति से बचा जा सके। गौरतलब है कि PFI पर पहले से ही केंद्र सरकार द्वारा प्रतिबंध लगाया गया है और इससे जुड़े किसी भी प्रकार की गतिविधि पर सख्त कार्रवाई की जा रही है। किशनगंज में हुई इस कार्रवाई के बाद जिले की सुरक्षा एजेंसियां भी सतर्क हो गई हैं और संदिग्ध की गतिविधियों को लेकर गहन जांच जारी है।●

फर्जी नर्सिंग होम का गोरखधंधा

इलाज के नाम पर मौत का सौदा!

● धर्मेन्द्र सिंह

स्वास्थ्य सेवा के नाम पर जिले में जिंदगी से खुला खिलवाड़ जारी है। फर्जी क्लिनिकों, अवैध अल्ट्रासाउंड केंद्रों और बिना रजिस्ट्रेशन पैथोलॉजी लैब्स का साम्राज्य ऐसा फैल गया है कि आम आदमी इलाज के नाम पर मौत को गले लगाने को मजबूर है। 07 सितम्बर 2025 को पश्चिमपाली स्थित एक निजी क्लिनिक में प्रसव के दौरान एक महिला की मौत ने फिर से इन फर्जी नर्सिंग होम की सच्चाई को सामने ला दिया है।

☞ **जिनके पास रजिस्ट्रेशन नहीं, वे कर रहे गर्भवती महिलाओं का इलाज :-** जिले के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में कई ऐसे निजी क्लिनिक और नर्सिंग होम चल रहे हैं, जिनका स्वास्थ्य विभाग से कोई पंजीकरण तक नहीं है। इसके बावजूद, इन जगहों पर धड़ल्ले से गर्भवती महिलाओं का प्रसव किया जा रहा है। इलाज के नाम पर जानलेवा लापरवाही बरती जा रही है, जिसमें प्रशिक्षित डॉक्टर तो दूर, कंपाउंडर भी बगैर प्रशिक्षण के कार्य कर रहे हैं।

☞ **जांच हुई, गड़बड़ी भी मिली लेकिन कार्रवाई ठप :-** कुछ समय पूर्व, जिला प्रशासन द्वारा गठित एक टीम ने जिले भर में संचालित निजी स्वास्थ्य केंद्रों की जांच की थी। रिपोर्ट में एक दर्जन से अधिक नर्सिंग होम और जांच घरों में गंभीर अनियमितताएं पाई गई थीं। लेकिन यह रिपोर्ट अब तक ठंडे बस्ते में है। सवाल यह है कि जब गड़बड़ियाँ सामने आ गईं, तो कार्रवाई क्यों नहीं की गई?

☞ **सदर अस्पताल में दलालों का जाल :-** तीन दिन पहले ग्वालपोखर निवासी नूर आलम की पत्नी मेहरून निशा को प्रसव के लिए सदर अस्पताल लाया गया। अस्पताल में मौजूद दलालों ने अस्पताल की बदहाली की दुहाई देकर महिला को पश्चिमपाली स्थित गॉड ब्लेस नर्सिंग होम में रेफर करवा दिया। वहां इलाज में लापरवाही के कारण महिला की मौत हो गई। इसके बाद परिजनों ने क्लिनिक में तोड़फोड़ और हंगामा किया।

☞ **वीडियो वायरल, कार्रवाई नदारद :-** कुछ समय पहले खगड़ा गेट के पास एक फर्जी क्लिनिक का वीडियो वायरल हुआ था। वीडियो में कंपाउंडर गंभीर मरीजों का इलाज करते दिखा, लेकिन यह मामला डीएम के संज्ञान में दिए जाने के बाद भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। आज भी वही क्लिनिक मेडिकल दुकान के पास खुलेआम चल रहा है।

☞ **दलालों की कमाई, मरीजों की तबाही :-** सदर अस्पताल के अंदर और बाहर सक्रिय ये दलाल गरीब और अनपढ़ मरीजों को बहला-फुसलाकर नर्सिंग होम भेजते हैं, जहां उन्हें मोटा कमीशन मिलता है। इन दलालों को यह फर्क नहीं पड़ता कि मरीज की जान खतरे में है या नहीं।

☞ **जिला प्रशासन की प्रतिक्रिया :-** जब इस पूरे मामले को लेकर जिला प्रशासन की प्रतिक्रिया मांगी गई तो डीएम विशाल राज ने स्पष्ट किया कि "निजी नर्सिंग होम व जांच घरों में गड़बड़ी की शिकायत मिलने पर जांच कर कार्रवाई की जाती है। सरकारी मानक का पालन हर हाल में सभी नर्सिंग होम व अल्ट्रासाउंड व पैथोलॉजी संचालकों को करना होगा। मरीजों के इलाज में लापरवाही या किसी भी प्रकार की गड़बड़ी मिलने पर नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जायेगी।"

फिर भी सवाल कायम हैं. . . आखिर फर्जी क्लिनिकों की जांच रिपोर्ट पर कार्रवाई क्यों नहीं हुई? स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन की चुप्पी किसके इशारे पर है? कितनी और जानें जाएँगी, तब जाकर सख्त कार्रवाई होगी?गौर करे कि किशनगंज में स्वास्थ्य सेवा का निजीकरण लोगों की जिंदगी के लिए अभिशाप बनता जा रहा है। जब तक जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग मिलकर सख्ती से इन फर्जीवाड़ों पर लगाम नहीं लगाते, तब तक यह मौत का खेल यूं ही चलता रहेगा। स्वास्थ्य माफिया और दलालों की सांठगांठ ने जो तंत्र खड़ा कर दिया है, वह आम जनता की जान के लिए सीधा खतरा है।●

नवविवाहिता के साथ सामूहिक दुष्कर्म

● धर्मेन्द्र सिंह

किशनगंज जिले के गलगलिया थाना क्षेत्र में एक नवविवाहिता के साथ सामूहिक दुष्कर्म का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पीड़िता के साथ यह अमानवीय घटना 9 सितम्बर की शाम उस समय हुई जब वह अपने नाबालिग भतीजे के साथ आदिवासी मेला देखकर लौट रही थी। रास्ते में 7 बदमाशों ने उन्हें घेर लिया और महिला को जबरन चाय बागान में ले जाकर उसके साथ बारी-बारी से दुष्कर्म किया। विरोध करने पर आरोपियों ने नाबालिग भतीजे की भी पिटाई की और उसका मोबाइल छीन लिया। दुष्कर्म के बाद महिला बेहोश हो गई और बदमाश उसके गहने लेकर फरार हो गए। परिजनों को सूचना मिलते ही पीड़िता की तलाश शुरू की गई, और अगले दिन वह बेहोशी की हालत में मिली। 11 सितंबर को गलगलिया थाना में शिकायत दर्ज कराई गई, जिसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 36 घंटे के भीतर सभी सात आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधीक्षक सागर कुमार ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में राजेश टुड्डू, सुपल मुर्मु, संतोष टुड्डू, सकल टुडु, बुद्धलाल टुड्डू, बुद्धलाल हासदा उर्फ दारा सिंह हासदा (सभी हाथीडुब्बा गलगलिया निवासी) और सुशांत दास (शेखबस्ती, चोपड़ा निवासी) शामिल हैं। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है। एक आरोपी ने पुलिस को बताया कि महिला उन्हें सुंदर लगी और उस पर नियंत्रण खो बैठे। इसके बाद उन्होंने मिलकर इस जघन्य वारदात को अंजाम दिया। एसपी सागर कुमार ने बताया कि पीड़िता का मेडिकल परीक्षण करवा लिया गया है और सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। इस मामले में स्पीडी ट्रायल चलाकर जल्द से जल्द न्याय दिलाने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। पुलिस प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि दोषियों को कड़ी सजा दिलाने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। वहीं घटना से इलाके में आक्रोश का माहौल है और स्थानीय लोगों ने दोषियों को फांसी देने की मांग की है।●

खगड़ा रेड लाइट चौक पर पुलिस पर हमला

एक बार फिर निशाने पर कानून के रक्षक

● धर्मेंन्द्र सिंह

खगड़ा रेड लाइट चौक, वार्ड संख्या-33 जहां 07 सितम्बर 2025 की दोपहर चोरी के एक आरोपी की गिरफ्तारी को लेकर गई पुलिस टीम पर जो हमला हुआ, उसने न केवल पूरे जिले को हिला कर रख दिया, बल्कि एक बार फिर पुलिस बल की सुरक्षा और संचालन रणनीति पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। एक महिला पुलिस अधिकारी पर सार्वजनिक रूप से हमला, जवान को गाड़ी से खींचकर पीटना और टीम को घेरकर जानलेवा हमला करना, ये सब उस वक्त हुआ जब पुलिस 26 अगस्त को दर्ज चोरी के मामले में नामजद अभियुक्त कादिर को पकड़ने गई थी। पुलिस को सूचना मिली थी कि कादिर चोरी और शराब व ड्रग्स की तस्करी में शामिल है। 26 अगस्त को लाइन मोहल्ला निवासी विकास गुप्ता के घर से करीब 15 लाख रुपये के जेवरात और 60,000 रूपये नकद की चोरी हुई थी। जांच में कादिरका नाम सामने आया, और एक आरोपी की गिरफ्तारी के बाद कादिर का पता चला। जैसे ही पुलिस टीम खगड़ा मछमारा में छापेमारी को पहुंची, विरोध में स्थानीय लोगों, जिनमें महिलाओं और बच्चों की बड़ी संख्या थी, ने हमला बोल दिया। पुलिस वाहन से एक जवान को खींचकर पीटा गया, वहीं महिला ASI पुष्पांजलि भारती पर झाड़ू और डंडों से हमला किया गया। इस हमले में चार पुलिसकर्मी घायल हुए, जिनमे ASI पुष्पांजलि भारती, प्रशिक्षु ASI सुधीर कुमार, प्रशिक्षु ASI प्रदीप कुमार, प्रशिक्षु ASI नीतीश कुमार शामिल है। सभी घायल पुलिसकर्मी टाउन थाना में पदस्थापित हैं और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। SDPO-1 गौतम कुमार और सदर थानाध्यक्ष अभिषेक कुमार रंजन ने तत्परता से कार्रवाई की और भारी पुलिस बल मौके पर भेजा गया।

☞ **पुलिस पर हमलेः कोई नई बात नहीं?** :- किशनगंज में पुलिस पर हमले की यह कोई पहली घटना नहीं है। पूर्व थानाध्यक्ष अश्विनी कुमार की 2021 में हत्या, धर्मगंज में पुलिस पर शराब माफियाओं द्वारा हमला ख्र ये मामले प्रशासन की स्मृति में ताजा हैं।

☞ **10 अप्रैल 2021 :-** ढेकसारा चाय बगान में लूट की जांच कर रहे थानाध्यक्ष

अश्विनी कुमार की बंगाल के पांजीपाड़ा में पीट-पीट कर हत्या।

☞ **2024 धर्मगंज :-** शराब माफियाओं पर छापेमारी के दौरान हमला, तीन पुलिसकर्मी घायल, दो गिरफ्तार।

☞ **क्या बदलेगा अब कुछ? :-** हमले के बाद प्रशासन सख्त नजर आ रहा है। पूर्णिया प्रक्षेत्र के डीआईजी प्रमोद कुमार मंडल ने भी पूर्व में पुलिस पर हमलों के मामलों की समीक्षा की थी और त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए थे। हालांकि, बार-बार पुलिस टीम पर हमले की घटनाएं इस बात की ओर इशारा करती हैं कि जमीनी स्तर पर खुफिया और सामुदायिक संवाद कमजोर है। गौर करे कि पुलिस की कार्रवाई को चुनौती देना अब संगठित अपराधियों की रणनीति बन चुकी है। महिला पुलिसकर्मी पर हमला दर्शाता है कि अपराधियों को कानून का भय नहीं। ऐसे मामलों में कठोर कानूनी कार्रवाई और शीघ्र न्यायिक प्रक्रिया की आवश्यकता है। यह घटना केवल एक चोरी की जांच का मामला नहीं, यह कानून के खिलाफ बगावत की चेतावनी है। अगर अब भी त्वरित और सख्त कार्रवाई नहीं हुई, तो पुलिस बल की साख और आमजन की सुरक्षा दोनों खतरे में पड़ सकती है।●

एलआईसी कार्यालय में खुली मनमानी की पोल

शाखा प्रबंधक अभिषेक कुमार के कार्यशैली पर गंभीर सवाल

● **धर्मेन्द्र सिंह**

भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) की ठाकुरगंज स्थित सैटेलाइट शाखा इन दिनों गंभीर प्रशासनिक लापरवाही और अनियमितताओं को लेकर चर्चा में है। शाखा प्रबंधक अभिषेक कुमार पर लगाए गए आरोपों ने क्षेत्र में LIC जैसी संस्थान की विश्वसनीयता पर सवालिया निशान खड़े कर दिए हैं। बैंकिंग निगरानी समिति सदस्य एवं प्रखंड सांसद प्रतिनिधि अमित राज यादव ने शाखा प्रबंधक को कारणपृच्छा पत्र जारी कर कार्यालय में जारी मनमानी के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 15 जुलाई 2025 को कार्यालय के औचक निरीक्षण में कई आपत्तिजनक गतिविधियां सामने आई:- परिचारी (सफाईकर्मी) से क्लर्क का कार्य लिया जा रहा था। सुरक्षा गार्ड से प्रतिदिन बाजार से चाय-पानी मंगवाया जाता था। सफाईकर्मी को आईडी-पासवर्ड देकर डाटा एंट्री और ग्राहक सेवाओं का कार्य कराया जा रहा था। ग्राहकों से 300 से 500 रूपये तक की अवैध वसूली की जा रही थी। गौर करे कि ऑफिस में ब्ब्ज्ट कैमरे महीनों से बंद हैं। पूछे जाने पर शाखा प्रबंधक ने हँसी में बात टाल दी। यह तब है जब कार्यालय में कैश लेनदेन और ग्राहकों की निजी जानकारी जैसी संवेदनशील प्रक्रियाएं रोजाना होती हैं। ब्ब्ज्ट की गैरमौजूदगी सीधे तौर पर संभावित सुरक्षा खतरे की ओर इशारा करती है।

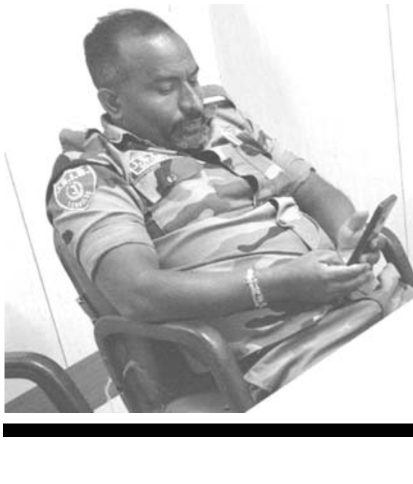

☞ **अभिषेक कुमार की कथित धमकी-'जो चाहूंगा, वही करूंगा' :-**28 अगस्त 2025 को जब अमित राज यादव पुनः निरीक्षण हेतु पहुंचे, तो शाखा प्रबंधक अभिषेक कुमार ने उन्हें देखकर सुरक्षा गार्ड पर भड़कते हुए टिप्पणी की, 'जुम्मा-जुम्मा आठ दिन नहीं हुआ और सुधार करने चले हैं।' उन्होंने यह भी कहा कि 'मैं जो चाहूंगा, वो करूंगा, मुझे कोई बाध्य नहीं कर सकता।' शाखा प्रबंधक का यह कथित बयान क्षेत्रीय कार्यालय में रिश्तेदारों की पोस्टिंग और उनके प्रभाव की ओर इशारा करता है, जो अब जांच का विषय बन चुका है। 29 जुलाई को वरिष्ठ मंडल प्रबंधक कार्यालय (भागलपुर) की ओर से पत्र जारी कर संज्ञान लेने और धन्यवाद ज्ञापन की औपचारिक भाषा में प्रतिक्रिया दी गई। लेकिन दो माह बीत जाने के बाद भी न शाखा प्रबंधक का तबादला, न सुरक्षा गार्ड और न ही सफाईकर्मी के विरुद्ध कोई ठोस कार्रवाई की गई।

Amit Raj Yadav
02/2025
16/07/2025

प्रश्न उठते हैं कि क्या LIC जैसी संस्था में नियमों का पालन अब वैकल्पिक हो गया है? क्या रिश्तेदारों की पोस्टिंग से सरकारी कार्यालयों में जवाबदेही खत्म हो जाती है? अगर किसी दिन दुर्घटना या डाटा लीक जैसी घटना हो गई, तो जिम्मेदार कौन होगा? ठाकुरगंज की एलआईसी शाखा में जारी अव्यवस्थाओं और मनमानी के खिलाफ उठी आवाजों को दबाया नहीं जाना चाहिए। बैंकिंग निगरानी समिति, जन प्रतिनिधियों और ग्रामीण जनता का यह अधिकार है कि पारदर्शिता और उत्तरदायित्व सुनिश्चित किया जाए। भारतीय जीवन बीमा निगम जैसी संस्था, जिसने 1956 से अब तक करोड़ों भारतीयों का विश्वास अर्जित किया है, क्या आज ऐसे शाखा प्रबंधकों के चलते अपनी साख गवांने को मजबूर होगी?●

बिना टेंडर के बनी चहारदिवारी
अब दिखावे के लिए निकला टेंडर

● धर्मेन्द्र सिंह

भवन निर्माण विभाग, किशनगंज एक बार फिर विवादों के घेरे में आ गया है। खगड़ा स्थित अधिकारी आवासीय कॉलोनी में वर्ष 2024 में निर्मित की गई चारदीवारी और अन्य निर्माण कार्यों को लेकर विभाग की कार्यशैली पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े हो गए हैं। हैरान करने वाली बात यह है कि एक साल पहले पूरा हो चुके कार्य के लिए विभाग ने अब, सितंबर 2025 में, टेंडर जारी किया है। जानकारी के अनुसार, टेंडर संख्या 22/2025-26 को 14 सितम्बर 2025 को प्रकाशित किया गया है,

केवल सच [redacted] किशनगंज [redacted]

भवन निर्माण विभाग की बड़ी अनियमितता उजागर

जबकि उक्त निर्माण कार्य वर्ष 2024 में ही पूरा कर लिया गया था। टेंडर जमा करने की अंतिम तिथि 27 सितम्बर 2025 निर्धारित की गई है, जिससे स्पष्ट है कि अब केवल दस्तावेजी खानापूर्ति कर भुगतान का रास्ता बनाया जा रहा है।

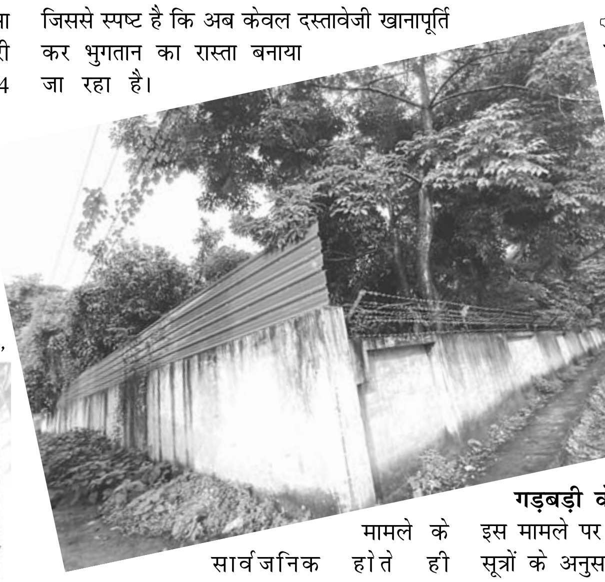

मामले के सार्वजनिक होते ही जिलाधिकारी विशाल राज ने तत्काल जांच के आदेश दे दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा है: "नियमानुसार टेंडर प्रक्रिया के बाद ही किसी भी निर्माण कार्य की स्वीकृति दी जा सकती है। यदि जांच में अनियमितता पाई गई तो टेंडर रद्द कर दोषी अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।"

☞ **भवन निर्माण विभाग की पुरानी आदत? :-** यह पहला मामला नहीं है। लगभग तीन महीने पूर्व भी इसी विभाग द्वारा जिला कोषागार परिसर और अन्य सरकारी भवनों में बिना वैध टेंडर प्रक्रिया के निर्माण कार्य कराए जाने का मामला सामने आया था। तब भी डीएम के हस्तक्षेप से टेंडर निरस्त कर दिए गए थे। अब एक बार फिर वही प्रक्रिया दोहराई जा रही है, जिससे विभाग की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल उठ खड़े हुए हैं।

☞ **मिलीभगत का आरोप और निर्माण जगत की नाराजगी :-** स्थानीय ठेकेदारों और निर्माण कार्य से जुड़े विशेषज्ञों ने आरोप लगाया है कि यह पूरा मामला पूर्व नियोजित मिलीभगत का हिस्सा है। आरोप है कि विभागीय अधिकारियों ने पहले ही मनचाहे ठेकेदारों से कार्य करा लिया और अब कागजों में टेंडर जारी कर भुगतान की औपचारिकता पूरी की जा रही है।

☞ **अधिकारियों की चुप्पी और फाइलों में गड़बड़ी के संकेत :-** विभागीय अधिकारी इस मामले पर बयान देने से बच रहे हैं, लेकिन सूत्रों के अनुसार प्रारंभिक जांच में फाइलों और भुगतान प्रक्रिया में गड़बड़ियों के संकेत मिल चुके हैं। ऐसी आशंका है कि जांच आगे बढ़ने पर और भी योजनाओं में नियमों की अनदेखी का मामला सामने आ सकता है।

☞ **जवाबदेही तय होगी या फिर मामला ठंडे बस्ते में? :-** अब सवाल यह है कि क्या यह जांच केवल औपचारिक बनकर रह जाएगी, या फिर दोषी अधिकारियों की वास्तविक जवाबदेही तय की जाएगी? भविष्य में ऐसी गड़बड़ियों की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए नीतिगत सुधार और निर्माण कार्यों में पारदर्शिता अत्यंत आवश्यक है।●

परिवहन विभाग पर अवैध वसूली का लगा आरोप

● धर्मेन्द्र सिंह

जिला परिवहन विभाग इन दिनों भ्रष्टाचार और अवैध वसूली के गंभीर आरोपों से घिरा हुआ है। वर्षों से प्रताड़ना झेल रहे ट्रैक्टर मालिकों और चालकों का सब्र आखिरकार टूट गया और उन्होंने 08 सितम्बर 2025 को डीटीओ कार्यालय के बाहर प्रदर्शन कर अपना आक्रोश जताया। पूर्व विधायक मुजाहिद आलम के नेतृत्व में ट्रैक्टर चालकों का एक प्रतिनिधिमंडल जिलाधिकारी और डीटीओ कार्यालय पहुंचा और वहां मौजूद परिवहन अधिकारियों के खिलाफ अवैध वसूली, चालान की मनमानी और शोषण के गंभीर आरोप लगाए। प्रदर्शन कर रहे ट्रैक्टर चालकों ने आरटीओ श्याम नंदन प्रसाद और उनके वाहन चालक उदय कुमार पर आरोप लगाते हुए कहा कि उनसे हर महीने 4000 रूपये की अवैध मांग की जाती है। यदि कोई चालक या मालिक यह राशि नहीं देता है, तो जानबूझकर वाहनों की नंबर प्लेट का फोटो लिया जाता है, और शाम तक नजराना न मिलने पर चालान थमा दिया जाता है। एक चालक ने बताया, "मेरे ट्रैक्टर में सिर्फ 160 बोरी सीमेंट था, लेकिन चालान 200 बोरी बताकर काटा गया। यह सरासर अन्याय है।" इसी तरह के कई उदाहरण सामने आए हैं, जहां नियमों की आड़ में ट्रैक्टर मालिकों को मानसिक और आर्थिक रूप से प्रताड़ित किया गया। इन आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए आरटीओ श्याम नंदन प्रसाद ने सभी दावों को झूठा और बेबुनियाद बताया। उन्होंने कहा, "परिवहन विभाग के नियमों के तहत ही कार्रवाई की जाती है। किसी भी चालक से अवैध वसूली की बात निराधार है।" वहीं, जिला परिवहन पदाधिकारी (D.T.O.) दीक्षित श्वेतम ने कहा कि, "चालकों द्वारा लगाए गए आरोपों की जांच की जाएगी। अगर आरोप सही पाए जाते हैं, तो नियमानुसार कार्रवाई होगी।" पूर्व विधायक मुजाहिद आलम ने कहा कि परिवहन विभाग के अधिकारी द्वारा ट्रैक्टर चालकों से बरसों से वसूली और मानसिक उत्पीड़न किया जा रहा है। उन्होंने प्रशासन को स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि इस बार निष्पक्ष जांच और सख्त कार्रवाई नहीं की गई, तो वे आंदोलन का रास्ता अपनाने को मजबूर होंगे।

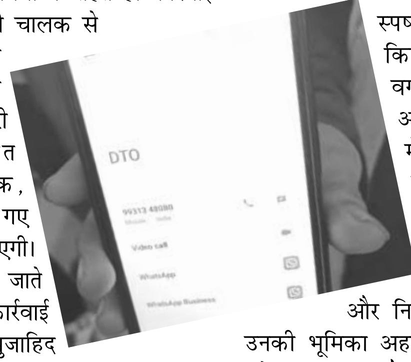

❖ **सवाल कई, जवाब अधूरे :-**

☞ क्या ट्रैक्टर चालकों की यह शिकायत पहली बार सामने आई है?

☞ क्या विभाग के भीतर ही ऐसा 'संगठित तंत्र' बन चुका है जो छोटे व्यवसायियों से वसूली करता है?

☞ क्या यह पूरा तंत्र ऊपर तक संरक्षित है, या यह कुछ व्यक्तियों तक सीमित है?

इन सवालों के जवाब केवल जांच से मिल सकते हैं। मगर जो बात स्पष्ट है, वह यह कि छोटे किसान, व्यापारी और श्रमिक वर्ग ऐसे शोषण के कारण भारी आर्थिक संकट और असहायता में जी रहा है। जिले में ट्रैक्टर चालक और छोटे वाहन मालिक न केवल ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, बल्कि सरकारी योजनाओं और निर्माण कार्यों की पूर्ति में भी उनकी भूमिका अहम है। ऐसे में यदि इसी वर्ग को भ्रष्टाचार और दबाव का शिकार बनाया जाएगा, तो इसका असर सीधे तौर पर स्थानीय विकास पर भी पड़ेगा। गौर करे कि किशनगंज में ट्रैक्टर चालकों की यह पहल केवल एक विभागीय शिकायत नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय की मांग है। अगर इस आवाज को दबा दिया गया, तो यह केवल प्रशासनिक विफलता नहीं होगी, बल्कि गरीब व मेहनतकश वर्ग की उम्मीदों पर भी कुठाराघात होगा। अब देखना यह है कि प्रशासन इस मुद्दे पर कितना संवेदनशील और निर्णायक रुख अपनाता है।●

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/8340360961

ई-मेल:- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

करणी सेना का हुआ भव्य कार्यक्रम

● धर्मेन्द्र सिंह

राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के तत्वावधान में 12 सितम्बर को शहर के पश्चिमपाली रोड स्थित होटल दफ्तरी पैलेस में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में करणी सेना के बिहार प्रदेश अध्यक्ष डॉ. विक्रम सिंह सहित प्रदेश व जिलों के अन्य वरिष्ठ पदाधिकारीगण शामिल हुए। प्रदेश अध्यक्ष के पहली बार किशनगंज आगमन पर रामपुर चेकपोस्ट के पास उनका भव्य स्वागत किया गया। स्वागत के बाद एक विशाल जुलूस के साथ सभी कार्यकर्ता कार्यक्रम स्थल पहुंचे, जहां दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष डॉ. विक्रम सिंह ने कहा कि संगठन का निरंतर विस्तार किया जा रहा है और इसी उद्देश्य से यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है। उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में राजपूत समाज उन्हीं उम्मीदवारों का समर्थन करेगा, जो समाज को सम्मान देंगे।

इस आयोजन में बिहार के विभिन्न जिलों से करणी सैनिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बिहार प्रदेश अध्यक्ष डॉ. विक्रम सिंह ने कहा कि करणी सेना न केवल राजपूत समाज के हितों की रक्षा कर रही है, बल्कि सामाजिक न्याय, युवाओं के अधिकार और सांस्कृतिक अस्मिता की लड़ाई भी मजबूती से लड़ रही है। इस कार्यक्रम में युवाओं से शिक्षा, रोजगार और राजनीतिक चेतना के प्रति जागरूक होने का आह्वान किया गया। वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान समय में जरूरत है कि युवा वर्ग संगठन से जुड़कर समाज में सकारात्मक बदलाव लाएं। कार्यक्रम में संगठन विस्तार और सदस्यता अभियान की समीक्षा की। जिसमे युवाओं में नेतृत्व क्षमता विकसित करने पर चर्चा, जातीय और सांस्कृतिक सम्मान की रक्षा को लेकर प्रस्ताव पारित, भविष्य की रणनीतियों पर मंथन वक्ताओं ने यह भी स्पष्ट किया कि करणी सेना किसी भी प्रकार की अराजकता या असंवैधानिक गतिविधियों में विश्वास नहीं रखती, बल्कि संविधानिक ढांचे के भीतर रहकर समाज को

संगठित करने में विश्वास रखती है। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष, युवा मोर्चा के पदाधिकारी, सहित कई प्रमुख पदाधिकारियों ने भाग लिया और अपने विचार रखे। वहीं, प्रदेश उपाध्यक्ष संजय सिंह ने कहा कि यह आयोजन संगठन विस्तार के साथ-साथ सम्मान समारोह के रूप में भी किया गया है, जिससे सभी कार्यकर्ताओं में उत्साह का संचार हुआ है। जिलाध्यक्ष रिंकु सिंह ने जानकारी दी कि कार्यक्रम में आसपास के अन्य जिलों के संगठन प्रभारी भी भाग लेने पहुंचे। सचिव राजकिशोर सिंह ने कहा कि संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत किया जाएगा। इस मौके पर जिला महामंत्री संजय सिंह, पूर्णिया जिलाध्यक्ष अमित सिंह, प्रदेश महासचिव आदित्य सिंह, प्रदेश युवाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा, जिला प्रवक्ता पवन सिंह, जिला उपाध्यक्ष वरुण सिंह, मीडिया प्रभारी धर्मेंद्र सिंह, कोषाध्यक्ष कुंदन सिंह सहित मुकेश सिंह, सुचित सिंह राणा, रंजन सिंह, पप्पू सिंह, हितेश सिंह, धनंजय सिंह, बादल सिंह, रविजीत सिंह, गणेश सिंह, सच्चिदानंद सिंह व अन्य दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे।●

ओवरलोड वाहनों के परिचालन पर परिवहन विभाग का वश नहीं?

● फरीद अहमद

जिले के प्रमुख मार्गों पर ओवरलोड वाहनों का बेखौफ परिचालन जारी है, जिससे सरकारी राजस्व को भारी नुकसान होने के साथ-साथ सड़कों की हालत भी बदतर हो रही है। खासकर ठाकुरगंज-बहादुरगंज रूट (NH 327E) पर ईंट लदे ओवरलोड वाहनों का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है, जिससे परिवहन विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं? जिला प्रशासन की कार्रवाई के बावजूद, ओवरलोड वाहनों का परिचालन थम नहीं रहा है। नेशनल हाईवे पर आए दिन दर्जनों ओवरलोड वाहन बेखौफ होकर दौड़ते नजर आते हैं, जिससे सरकार को लाखों-करोड़ों रुपये का नुकसान उठाना पड़ रहा है? सूत्रों के अनुसार, इस पूरे खेल में इंट्री माफिया की बड़ी भूमिका है, जो प्रभावशाली लोगों की मिलीभगत से वाहनों को पास कराने में सक्रिय रहते हैं। लोगों कहना है कि ये वाहन रात-दिन नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ाते हुए चलते हैं। इनमें क्षमता से कई गुना अधिक माल भरी होती हैं, जो न केवल सड़क सुरक्षा के लिए खतरा बनती हैं बल्कि सड़कों को भी तेजी से खराब कर रही हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि ओवरलोडिंग के कारण सरकार को मिलने वाले राजस्व का बड़ा हिस्सा नहीं मिल पाता है, और भारी वाहनों के लगातार चलने से सड़कें कमजोर हो रही हैं,

अहमद हुसैन

हबेबुर रहमान

जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ रहा है। सवाल यह उठता है कि क्या परिवहन विभाग का इन ओवरलोड वाहनों पर कोई वश नहीं है? या फिर विभाग सुस्त हो गई है? इस स्थिति को देखकर ऐसा लगता है कि परिवहन विभाग की उदासीनता के कारण ही ओवरलोडिंग का यह गोरखधंधा फल-फूल रहा है। प्रशासन को इस गंभीर समस्या पर तत्काल ध्यान देने और सख्त कार्रवाई करने की आवश्यकता है, ताकि सड़क सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके और सरकारी राजस्व का नुकसान रोका जा सके। यह मामला अब उच्च स्तरीय जांच से ही सुलझ सकता है, जिससे इस अवैध कारोबार के पीछे छिपे माफियाओं का पर्दाफाश हो सके। मामले को लेकर जदयू नेता अहमद हुसैन का कहना है कि आए दिन ओवरलोड वाहनों के परिचालन से सड़के खराब हो रही है, प्रशासन क्यों खामोश है जनता जवाब चाहती है ? उन्होंने जल्द से जल्द ओवरलोड वाहनों के परिचालन पर डीएम किशनगंज से कार्रवाई की मांग की है। आगे उन्होंने कहा कि कहीं ऐसा न हो कि मजबूर होकर जनता सड़क पर उतरने को मजबूर हो जाए और इसका जिम्मेदार प्रशासन हो? अहमद हुसैन का कहना है कि ये ओवरलोड वाहनों का खेल इंट्री माफियाओं के रहमो करम पर हो रहा है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में वे मंत्रियों के साथ भी चर्चा करेंगे। वहीं ओवरलोड वाहनों के परिचालन पर प्रतिक्रिया देते हुए जदयू नेता सह बीस सूत्री सदस्य हबीबुर रहमान ने कहा है कि ओवरलोड वाहनों के परिचालन से सरकारी राजस्व को भारी नुकसान हो रहा है और ये सब किसी न किसी के मिली भगत से ही रहा है।●

मोबाइल चोरी के आरोप में युवक गिरफ्तार

● फरीद अहमद

किशनगंज जिले के पौआखाली बाजार में मोबाइल चोरी की घटना को लेकर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक युवक को गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार, गिरफ्तार युवक की पहचान सद्दाम आलम (26 वर्ष), पिता अजलू रहमान, निवासी जरझुला वार्ड संख्या-9, थाना गर्वनडांगा के रूप में हुई है। आरोप है कि उसने पौआखाली बाजार से एक मोबाइल की चोरी की थी। पुलिस ने आरोपी के पास से चोरी का मोबाइल बरामद कर लिया है। गिरफ्तार युवक को आवश्यक कार्रवाई के बाद जेल भेज दिया गया। इस संबंध में पौआखाली थानाध्यक्ष अंकित सिंह ने जानकारी दी और कहा कि क्षेत्र में चोरी की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए पुलिस सख्ती से कार्रवाई कर रही है।●

आंगनबाड़ी केंद्रों में बड़े पैमाने पर गड़बड़ियां

● फरीद अहमद

किशनगंज जिले के ठाकुरगंज प्रखंड क्षेत्र में आंगनबाड़ी केंद्रों की अनियमितताओं को लेकर जदयू नेता अहमद हुसैन ने गंभीर आरोप लगाए हैं। कहा कि पूर्व में भी इस मामले की शिकायत सीडीपीओ से की गई थी, लेकिन कार्रवाई के बजाय केवल लीपापोती की गई। अहमद हुसैन ने कहा कि ठाकुरगंज प्रखंड अंतर्गत केंद्र संख्या 195 सहित कई आंगनबाड़ी केंद्रों में बड़े पैमाने पर गड़बड़ियां सामने आ रही हैं। तयशुदा मेन्यू के अनुसार बच्चों को आहार उपलब्ध नहीं कराया जाता है। गरीब बच्चों के मुंह से निवाला छीना जा रहा है और सरकारी अधिकारी चुप्पी साधे हुए हैं। उन्होंने सरकार और डीएम किशनगंज से निष्पक्ष जांच की मांग की। हाल ही में मालिनगांव पंचायत वार्ड संख्या 8 के आंगनबाड़ी

केंद्र संख्या 195 में जब केवल सच की टीम ने पड़ताल की तो कई खामियां सामने आई। बच्चों को करीब तीन वर्षों से लेकर आज तक ड्रेस और खिलौने उपलब्ध नहीं कराए गए। सेविका ने खुद स्वीकार किया कि पिछले तीन वर्षो से ड्रेस व खिलौना नहीं दिया गया है। शुक्रवार को मेन्यू के अनुसार बच्चों को सब्जी-चावल दिया जाना था, लेकिन उन्हें केवल खिचड़ी परोसी गई। एक व्यक्ति ने नाम न बतानेवकी शर्त पर कहा है कि केवल यही एक केंद्र नहीं, बल्कि क्षेत्र के अधिकांश आंगनबाड़ी केंद्रों की यही स्थिति है। इन आरोपों पर पक्ष जानने के लिए केवल सच की टीम सीडीपीओ कार्यालय पहुंची, लेकिन सीडीपीओ मौजूद नहीं थीं। सूत्रों के अनुसार, नई सीडीपीओ के पदभार संभालने भी ऑफिस में निवर्तमान सीडीपीओ का नेमप्लेट नहीं बदला गया है।अब देखना यह होगा कि विभाग इस मामले को गंभीरता से लेता है या यह मुद्दा भी केवल कागजी खानापूर्ति तक सीमित रह जाएगा? सीडीपीओ ठाकुरगंज से संपर्क करने का प्रयास किया जा रहा है उनका पक्ष मिलते लिख दिया जाएगा।●

जश्ने ईद मिलादुन्नबी का जुलूस, बड़ी संख्या में अकीदमंद शामिल

● फरीद अहमद

नगर पंचायत पौआखाली में जश्ने ईद मिलादुन्नबी के मौके पर भव्य जुलूस निकाला गया। इस जुलूस में भारी संख्या में अकीदतमंदों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के जन्मदिन पर अमन-चैन और भाईचारे का संदेश दिया। इस जूलूस में मालिनगांव, डुमरिया,तातपौआ सहित अन्य ग्राम पंचायतों से लोग शामिल हुए। जुलूस के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन सतर्क दिखा। मौके पर पौआखाली थानाध्यक्ष अंकित कुमार अपने दलबल के साथ मुस्तैदी से मौजूद रहे। पुलिस ने पूरे रास्ते पर निगरानी रखी ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना न हो। स्थानीय लोगों ने बताया कि हर साल की तरह इस बार भी ईद मिलादुन्नबी का जुलूस पूरी श्रद्धा और उत्साह के साथ निकाला गया। जुलूस के दौरान नारे-तकबीर के नारे से जूलूस गूंजते रहे और माहौल धार्मिक उत्साह से सराबोर रहा। फातिहा पढ़ने के साथ ही ईद मिलादुन्नबी का शांतिपूर्ण माहौल में समापन हुआ। इस दौरान मौके पर जूलूस कमेटी के अध्यक्ष,उपाध्यक्ष, सदस्य उपस्थित रहे। साथ ही साथ मौके पर सियासी लोगों में उप मुख्य पार्षद प्रतिनिधि अबूनसर आलम, विधायक सउद आलम, पूर्व मंत्री नौशाद आलम, जन सुराज नेता इकरामुल हक,

एआइएमआइएम नेता मुफ्ती अतहर जावेद सहित अन्य उपस्थित रहे।●

कुछ ही माह में सड़क ध्वस्त, उठ रहे सवाल

● फरीद अहमद

ठाकुरगंज प्रखंड अंतर्गत नियर पौआखाली दिल्ली रेस्टोरेंट से पांच गाछी शेरशावादी टोला तक 1.562 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण कार्य ध्वस्त होने लगा है। 161.54 लाख रुपये की लागत से बनी यह सड़क एन०डी०बी० द्वारा वित्त पोषित है, लेकिन काम शुरू और पूर्ण होने की तिथि बोर्ड पर अंकित नहीं की गई है। इससे लोगों में भ्रम है और इसे लेकर विभाग पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस परियोजना का कार्य संवेदक कुंदन कुमार द्वारा किया गया जबकि कार्यकारी एजेंसी ग्रामीण कार्य विभाग, प्रमंडल किशनगंज-2 है। आरोप है कि निर्माण

कार्य में भारी अनियमितता बरती गई, जिसका नतीजा है कि सड़क कुछ ही माह में उखड़ने लगी है। कई जगह सड़क धंस गई है और गड्ढों में पानी भरने से आवागमन में परेशानी बढ़ गई है। ठाकुरगंज विधायक सऊद आलम ने हाल ही में इस सड़क का शिलान्यास किया था। वे अक्सर सार्वजनिक मंचों पर कहते हैं कि निर्माण कार्यों में अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बावजूद इसके, सड़क के ध्वस्त होने की घटना अब जांच का विषय बन गई है। इस संबंध में जदयू नगर अध्यक्ष पौआखाली सह बीससूत्री सदस्य हबेबूर रहमान ने कहा, "कुछ माह पूर्व यह सड़क बनी थी और अब ध्वस्त होने लगी है। निर्माण कार्य में गड़बड़ी साफ नजर आ रही है। हम विभाग को आवेदन देंगे और उच्च स्तरीय जांच की मांग करेंगे।" जब इस मामले पर संबंधित जेई से पूछा गया तो उन्होंने

कहा कि इस तरह की शिकायतें और भी मिली हैं। संवेदक को सही कराने के लिए निर्देश दिया जाएगा। अब देखने वाली बात यह है कि विभाग इस पर क्या कार्रवाई करता है और संवेदक के खिलाफ क्या कदम उठाए जाते हैं।●

भारत-नेपाल सीमा सुखानी में सुरक्षा कड़ी

● फरीद अहमद

नेपाल में हुए हिंसक विरोध प्रदर्शन के बाद भारत-नेपाल सीमा पर भारतीय एसएसबी ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। बिहार के किशनगंज जिले में स्थित सुखानी सीमा चौकी पर सुरक्षा बल पूरी तरह से मुस्तैद हैं। पिलर संख्या 119/19 पर तैनात जवानों के मुताबिक, नेपाल से आने वाले नागरिकों को भारत में प्रवेश करने की अनुमति सिर्फ चिकित्सा कारणों के आधार पर जांच पड़ताल के बाद ही दिया जाएगा ऐसे मामलों में, व्यक्ति को अपनी बीमारी और इलाज से संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे। हालांकि, भारत से वापस नेपाल जाने वाले नेपाली नागरिकों को वापस जाने दिया जा रहा है जो किसी कारण से भारत आए थे। लोगों का कहना है कि सीमा पर स्थिति फिलहाल सामान्य है, लेकिन किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। यह कदम नेपाल में फैली अशांति और हिंसक गतिविधियों के मद्देनजर उठाया गया है, ताकि सीमा पार से कोई भी संदिग्ध व्यक्ति भारत में प्रवेश

न कर सके। सुरक्षा बल हर आने-जाने वाले पर [redacted] रहे हैं।●

विधायक बदलने के बाद भी नहीं बदली कादोगांव बाजार की सूरत

● फरीद अहमद

ठाकुरगंज प्रखंड अंतर्गत इंडो-नेपाल सीमा से सटे कादोगांव बाजार की तस्वीर पांच साल में नहीं बदल सकी है। मुख्य सड़क पर जलजमाव की समस्या से लोग आज भी परेशान हैं। चुनाव के समय विकास के वादे हुए थे, लेकिन स्थानीय लोगों का कहना है कि हालात पहले जैसे ही बने हुए हैं। लोगों का आरोप है कि नाला निर्माण तो हुआ, मगर उसमें पानी बहने की व्यवस्था नहीं है। स्थिति यह है कि एक नाला का गंदा पानी सीधे सड़क पर आ जाता है, जिससे बाजार में आने-जाने वालों को भारी परेशानी होती है। जलजमाव के कारण लोग खरीदारी से कतराने लगे हैं, जिसका असर दुकानदारों और व्यापारियों की रोजी-रोटी पर पड़ रहा है। स्थानीय लोगों में सद्दाम हुसैन और कलीम आलम ने बताया कि पानी भरने से राहगीरों को आए दिन दिक्कत होती है। बच्चों को स्कूल जाने में परेशानी होती है। हाल ही में पानी भरे गड्ढे में गिरकर एक बच्चा गंभीर हादसे से बाल-बाल बचा। वार्ड सदस्य प्रतिनिधि बिनदेस कुमार राय ने कहा कि जलजमाव की वजह से दुर्घटना का खतरा

हमेशा बना रहता है। उन्होंने बताया कि मौजूदा विधायक सिर्फ एक बार अस्पताल निरीक्षण के लिए आए थे, उसके बाद क्षेत्र का हाल जानने नहीं लौटे। लोगों का कहना है कि न

बिनदेस रोय

तो मौजूदा विधायक साउद आलम और न ही अन्य जनप्रतिनिधि इस समस्या पर ध्यान दे रहे हैं। ऐसे में कादोगांव बाजार के लोग अपने को उपेक्षित महसूस कर रहे हैं। इस संबंध में स्थानीय विधायक से संपर्क करने का प्रयास किया जा रहा है संपर्क होते ही उनका पक्ष भी रखा जाएगा। ●

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/8340360961

ई-मेल:- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

हर महिला तक पहुंचे महिला रोजगार योजना का लाभ : जिलाधिकारी

● रवि रंजन मिश्र

मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के सफल क्रियान्वयन को लेकर जिला पदाधिकारी, श्री धर्मेन्द्र कुमार की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में योजना के विभिन्न पहलुओं, प्रगति, चुनौतियों और पारदर्शिता पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त, श्री सुमित कुमार, प्रभारी पदाधिकारी जिला सामान्य शाखा, श्रीमती नगमा तबस्सुम, डीपीएम जीविका, श्री आर.के. निखिल समेत अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। साथ ही सभी अनुमंडल पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, जीविका के प्रखंड परियोजना प्रबंधक और क्षेत्रीय समन्वयक वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े। जिलाधिकारी, श्री धर्मेन्द्र कुमार ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और ग्रामीण व शहरी दोनों अर्थव्यवस्थाओं को सशक्त करने की दिशा में राज्य सरकार की अत्यंत महत्वपूर्ण पहल है। महिला सशक्तीकरण की दिशा में यह योजना एक नई उड़ान है, अतः इसका लाभ जिले की हर पात्र महिला तक पहुँचना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से अपेक्षा की कि वे अपने कर्तव्यों और दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा और सक्रियता से करें ताकि इस योजना के उद्देश्यों को समयबद्ध तरीके से हासिल किया जा सके। उन्होंने निर्देश दिया कि लाभुकों की पहचान निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से की जाए। इसके साथ ही योजना के तहत प्रशिक्षण, ऋण उपलब्धता और रोजगार सृजन की प्रक्रिया की नियमित मॉनिटरिंग अनिवार्य रूप से की जाए। उन्होंने सभी प्रखंडों को विशेष अभियान चलाकर अधिक से अधिक महिलाओं को योजना से जोड़ने का निर्देश दिया। बैठक के दौरान डीपीएम जीविका ने जानकारी दी कि योजना के क्रियान्वयन में अवैध उगाही की शिकायत मिलने पर तत्काल जांच कराई गई। जांच में दोषी पाए गए चार कर्मियों को तत्काल प्रभाव से बर्खास्त कर दिया गया है। इस पर जिलाधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है। इसमें किसी भी प्रकार की गड़बड़ी को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दोषियों को चिन्हित कर उन पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। अधिकारी सतर्क रहें और पूरी ईमानदारी से कार्य करें।

जिला पदाधिकारी, श्री धर्मेन्द्र कुमार ने जिलेवासियों से अपील करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना जिले की सभी पात्र महिलाओं के लिए है। किसी भी लाभुक को योजना का लाभ लेने हेतु बिचौलियों या अवैध वसूली करने वालों के चक्कर में नहीं पड़ना चाहिए। अफवाहों पर ध्यान न दें और किसी भी प्रकार की शंका की स्थिति में सीधे जीविका के प्रखंड या जिला कार्यालय से संपर्क करें। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अगर कोई भी व्यक्ति, चाहे वह सरकारी अधिकारी हो, कर्मचारी हो अथवा आम नागरिक हो, अवैध उगाही का प्रयास करता है तो उसकी सूचना तुरंत जिला प्रशासन को उपलब्ध कराएँ। प्रशासन तत्काल सख्त कार्रवाई करेगा। जिलाधिकारी ने कहा कि इस योजना का सफल क्रियान्वयन तभी संभव है जब अधिकारी जिम्मेदारी और पारदर्शिता के साथ कार्य करें तथा महिलाएँ अधिक से अधिक संख्या में इससे जुड़कर आत्मनिर्भर बनें। उन्होंने अनुमंडल पदाधिकारियों और प्रखंड विकास पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि वे इस योजना की प्रगति की नियमित समीक्षा और अनुश्रवण करें।●

मध्यस्थता अभियान की मुहिम हुई तेज

● रवि रंजन मिश्र

नालसा द्वारा संचालित नेशन फॉर मेडिएशन कैंपेन के तहत न्याय मंडल पश्चिमी चंपारण में लगभग 100 मामलों में पक्षकारों के बीच सुलह समझौता के आधार पर सफल मध्यस्थता अभी तक की गई। विभिन्न न्यायिक पदाधिकारीयों के द्वारा इन सफल मध्यस्थता वादों में सुलहनीय आपराधिक मामले, वैवाहिक विवाद तथा बटवारा वाद से संबंधित मामले शामिल है। इधर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश आनंद नंदन सिंह ने मध्यस्थता कैंपेन के तहत और अधिक से अधिक मामलों में पक्षकारों के बीच सुलह समझौता कराने के साथ-साथ आगामी 13 सितंबर को आयोजित नेशनल लोक अदालत की सफलता को ले न्यायिक पदाधिकारीयों के साथ एक बैठक की। जिला जज ने कहा कि नेशन फॉर मेडिसिन कैंपेन तथा नेशनल लोक अदालत की लाभ से कोई भी पक्षकार वंचित न रहे इसका हमें पूरा ख्याल रखना होगा। वहीं जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव अमरेंद्र कुमार राज ने विभिन्न थानों के नोडल अधिकारियों के साथ बैठक कर उन्हें न्यायालय द्वारा

निर्गत नोटिस का सत प्रतिशत तमिल पक्षकारों को करने के लिए निर्देश दिया।●

धान अधिप्राप्ति में घोर लापरवाही

तीन पैक्स अध्यक्ष एवं प्रबंधक के विरूद्ध एफआईआर दर्ज करने का आदेश

● रवि रंजन मिश्र

बिहार सरकार के द्वारा किसानों की आर्थिक समृद्धि के लिए मौसम के अनुसार अनाजों की अधिप्राप्ति की जाती है। इसी क्रम में 14 सितंबर 2025 तक धान अधिप्राप्ति की अंतिम विस्तारित तिथि निर्धारित थी। जिला पदाधिकारी, श्री धर्मेन्द्र कुमार के द्वारा समीक्षा करने के दौरान पाया गया कि अभी भी कई पैक्स के द्वारा धान अधिप्राप्ति करने के उपरांत सीएमआर की आपूर्ति नहीं की गयी है। इसे अत्यंत ही गंभीरता से लेते हुए जिला पदाधिकारी द्वारा गौनाहा प्रखंड अंतर्गत महुई पैक्स, मधुबनी प्रखंड अंतर्गत कठार पैक्स तथा रामनगर प्रखंड अंतर्गत परसौनी पैक्स का भौतिक सत्यापन कराया गया। महुई पैक्स के सत्यापन उपरांत यह पाया गया कि गोदाम में उपलब्ध धान की मात्रा 216.5 एमटी होना चाहिए, किन्तु धान की मात्रा शून्य पायी गयी। इसी तरह कठार पैक्स गोदाम में धान की मात्रा 130.7 एमटी होना चाहिए, किन्तु भौतिक सत्यापन में धान की मात्रा शून्य पायी गयी। परसौनी पैक्स गोदाम में धान की मात्रा 135.7 एमटी होना चाहिए किन्तु भौतिक सत्यापन में धान की मात्रा

शून्य पायी गयी।

जांचोपरांत उक्त पैक्सों के विरूद्ध अनियमितता संबंधित प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। प्रतिवेदनों पर संज्ञान लेते हुए जिला पदाधिकारी द्वारा आज 24 घंटे के अन्दर इन डिफॉल्टर पैक्स के अध्यक्षों एवं प्रबंधक (1) महुई पैक्स के अध्यक्ष अरविन्द साह एवं प्रबंधक राजवंशी प्रसाद (2) कठार पैक्स के अध्यक्ष हरिशंकर तिवारी एवं प्रबंधक सुनील तिवारी तथा (3) परसौनी पैक्स के अध्यक्ष बालेश्वर खतईत एवं प्रबंधक सोनु कुमार के विरूद्ध थाने में प्राथमिकी दर्ज कराने का आदेश दिया गया है। इसके साथ ही सभी संबंधित प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी को कार्य में शिथिलता बरतने एवं अनुश्रवण नहीं करने को लेकर शोकॉज करने का निर्देश जिला सहकारिता पदाधिकारी को दिया गया है। जिला पदाधिकारी, श्री धर्मेन्द्र कुमार ने कहा कि धान अधिप्राप्ति में किसी भी प्रकार की अनियमितता या लापरवाही को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। भौतिक सत्यापन में जिन पैक्स गोदामों में धान शून्य पाया गया है, उनके अध्यक्ष एवं प्रबंधकों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराने का आदेश दिया गया है। साथ ही संबंधित प्रखंड सहकारिता पदाधिकारियों को भी कार्य में शिथिलता और अनुश्रवण नहीं करने के कारण शोकॉज किया गया है। किसानों के हितों की रक्षा तथा अधिप्राप्ति व्यवस्था में पारदर्शिता बनाए रखना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। जो भी अधिकारी अथवा पदाधिकारी नियमों का उल्लंघन करेंगे, उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।●

मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक संपन्न

● रवि रंजन मिश्र

पश्चिम चम्पारण में विशेष गहन पुनरीक्षण 2025 की प्रगति को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारीख़ सह जिलाधिकारी श्री धर्मेन्द्र कुमार की अध्यक्षता में मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में बताया गया कि 1 अगस्त 2025 को प्रकाशित प्रारूप निर्वाचक नामावली में जिले के कुल 25 लाख 69 हजार 614 मतदाता शामिल हैं, जिनमें लगभग 13 लाख 70 हजार पुरुष, 12 लाख महिला और 92 तृतीय लिंग के मतदाता हैं। विशेष गहन पुनरीक्षण के पूर्व निर्वाचक नामावली में दर्ज लगभग 1 लाख 91 हजार प्रारूप निर्वाचक नामावली में शामिल नहीं हो पाए हैं, जिनकी जानकारी विधानसभा स्तर पर सार्वजनिक की गई है। ऐसे मतदाताओं की सूची जिले के

वेबसाइट पर भी उपलब्ध हैं। जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि दावे और आपत्तियों की अंतिम तिथि आज है। इसके बाद कोई भी नया दावा स्वीकार नहीं किया जाएगा। विशेष गहन पुनरीक्षण के क्रम में अबतक जिले में लगभग 30 हजार नए नाम जोड़ने (फॉर्म-6), 27 हजार नाम विलोपन (फॉर्म-7) और 11 हजार संशोधन (फॉर्म-8) के आवेदन प्राप्त हुए हैं। मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों को प्रपत्र 9/10/11/11क/11ख में प्राप्त दावे और आपत्तियों की सूची निरंतर उपलब्ध कराई गई हैं। जिलाधिकारी ने सभी राजनैतिक दलों से अपील की कि वे सभी मतदान केंद्रों के लिए बूथ स्तर एजेंट नियुक्त करें तथा अपने बूथ स्तर एजेंटों के माध्यम से निगरानी सुनिश्चित करें और आम मतदाताओं को नामावली जाँचने तथा आवश्यक सुधार कराने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने आश्वस्त किया कि पुनरीक्षण की पूरी प्रक्रिया निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से पूरी की जाएगी।●

अमर शहीदों को श्रद्धांजलि, जिलाधिकारी ने किया नमन

● रवि रंजन मिश्र

24 अगस्त, 1942 को भारत माता को गुलामी की बेड़ियों से आजाद कराने के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले बेतिया के आठ अमर शहीदों की याद में शहीद स्मारक परिसर में एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस भावपूर्ण कार्यक्रम में शहीदों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया गया और उनके सर्वोच्च बलिदान को याद कर उन्हें नमन किया गया। इस मौके पर जिलाधिकारी श्री धर्मेंद्र कुमार ने वीर सपूतों के त्याग और बलिदान से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इन शहीदों ने हमें यह सिखाया है कि हमें अपने देश के लिए जीना और मरना चाहिए। उन्होंने घोषणा की कि अगले वर्ष इस कार्यक्रम को और भी भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा, जिसमें अधिक से अधिक लोगों और स्कूली बच्चों को शामिल किया जाएगा, ताकि हमारी नई पीढ़ी इन अमर बलिदानियों के बारे में जान सके और उनसे प्रेरणा ले सके। इसके लिए शहीदों के आश्रितों, समिति के सदस्यों के साथ बैठ कर एक रूपरेखा तैयार की जाएगी।

जिलाधिकारी ने सभी नागरिकों से दिल में राष्ट्रभक्ति की भावना जगाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा

कि प्रत्येक नागरिक को अपने जिले, राज्य और देश के विकास में अपना बहुमूल्य योगदान देना चाहिए। उन्होंने यह भी जोर दिया कि हमें अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी ईमानदारी और निष्ठा से करना चाहिए और निहित स्वार्थ से ऊपर उठकर समाज और देश के लिए सोचना चाहिए। श्रद्धांजलि सभा से पहले, सशस्त्र बल के जवानों ने शहीदों के सम्मान में एक शानदार सलामी परेड का आयोजन किया। इसके बाद जिलाधिकारी श्री धर्मेंद्र कुमार सहित अपर समाहर्ता श्री राजीव रंजन सिन्हा, अपर समाहर्ता, विभागीय जाँच, श्री कुमार रविंद्र, अपर समाहर्ता-सह-जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी श्री अनिल कुमार सिन्हा, निदेशक, डीआरडीए, श्री अरुण प्रकाश, एसडीओ, बेतिया सदर, श्री विकास कुमार, विशेष कार्य पदाधिकारी, जिला गोपनीय शाखा, श्री सुजीत कुमार, डीआईओ, श्री अभिषेक मिश्र, डीपीआरओ श्री राकेश कुमार समेत कई अन्य अधिकारियों और गणमान्य व्यक्तियों ने शहीदों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर शहीदों के परिवारों को भी सम्मानित किया गया। जिलाधिकारी ने शहीदों के आश्रितों को सांत्वना दी और उन्हें उपहार देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि सरकार और समाज शहीदों के परिजनों के साथ हमेशा खड़ा है और उनके प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करता है। ●

मनरेगा योजना में धोखाधड़ी एवं अवैध उगाही

● रवि रंजन मिश्र

जिझौलिया प्रखंड के ग्राम पंचायत राज बहुअरवा पंचायत में अवैध वसूली से संबंधित एक वारयल वीडियो में सम्बंधित पंचायत के पंचायत रोजगार सेवक श्री सरोज कुमार एवं वार्ड नम्बर- 07 के वार्ड सदस्य श्री किशोर महतो के द्वारा मनरेगा योजना में अवैध राशि को लेकर पैसे का लेनदेन किया जा रहा है। योजना अतर्गत पोखरा खुदाई , शमसान घाट निर्माण एवं आवास योजना में सर्वे को लेकर मामला प्रकाश में आया था, जिसका जांच जिला स्तरीय जांच दल द्वारा कराया गया। प्राप्त साक्ष्यों एवं ग्रामीणों द्वारा दिए गए बयान से पाया गया कि पंचायत के वार्ड नं०-7 के वार्ड सदस्य द्वारा निजी लाभ के लिए योजनाओं के लिए राशि का दुरुपयोग किया गया है एवं अवैध लेन-देन किया गया। इस मामले में दोषी पाये गये मझौलिया प्रखंड के सम्बन्धित पंचायत के पंचायत रोजगार सेवक श्री सरोज कुमार एवं वार्ड सदस्य श्री किशोर महतो के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। ●

सशक्त हुई महिलाएं : जीविका बैंक से मिलेगा वित्तीय संबल

● रवि रंजन मिश्र

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बिहार राज्य जीविका निधि साख सहकारी संघ लिमिटेड का शुभारंभ किया। इस अवसर पर बिहार के माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार एवं उपमुख्यमंत्री भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़े रहे। अपने संबोधन में माननीय प्रधानमंत्री ने जीविका दीदियों को उनके अपने सहकारी बैंक की शुरुआत पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ दीं। वहीं मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने जानकारी दी कि आज जीविका निधि के बैंक खाते में 105 करोड़ रुपये की राशि राज्य सरकार द्वारा हस्तांतरित की जा रही है, जबकि केंद्र सरकार की ओर से 110 करोड़ रुपये की सहायता प्रदान की जाएगी। पश्चिम चंपारण जिले की जीविका दीदियों के लिए यह बेहद खुशी का अवसर रहा। जिले के प्रखंड मुख्यालयों, जीविका के 57 संकुल संघों और संबद्ध ग्राम संगठनों से हजारों दीदियाँ सीधा प्रसारण देखती रहीं और इस ऐतिहासिक पल की साक्षी बनीं। जिला प्रेक्षागृह में आयोजित कार्यक्रम में जिलाधिकारी श्री धर्मेंद्र कुमार, उपविकास आयुक्त श्री सुमित कुमार, नौतन विधानसभा के माननीय विधायक श्री नारायण साह समेत बड़ी संख्या में जीविका दीदियाँ उपस्थित थीं। माहौल उत्सव जैसा रहा और दीदियाँ प्रधानमंत्री के संबोधन से गदगद दिखीं।

ज्ञातव्य हो कि यह सहकारी बैंक जीविका दीदियों को त्वरित और सस्ते ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से गठित किया गया है। पूरी बैंकिंग प्रक्रिया डिजिटल लेन-देन आधारित होगी। विशेष बात यह है कि जीविका महिला संघ इस सहकारी बैंक की शेयरधारक होंगी, जिससे उनकी वित्तीय भागीदारी और आत्मनिर्भरता को और मजबूती प्रदान करेगी।●

नेशनल लोक अदालत की सफलता हेतु जिला जज ने की बैठक

● रवि रंजन मिश्र

आगामी दिनांक 13 सितंबर 2025 को आयोजित होने वाले नेशनल लोक अदालत की सफलता हेतु प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार पश्चिम चंपारण बेतिया द्वारा जिले के विभिन्न बैंकों के क्षेत्रीय मैनेजर, मुख्य प्रबंधक, एवं शाखा प्रबंधक के साथ बैठक की। प्रधान जिला जज ने सभी लोगों से कहा कि आप सभी इस नेशनल लोक अदालत में अधिक से अधिक पक्षकारों को नोटिस निर्गत करें ताकि अधिक से अधिक वादों का निष्पादन किया जा सके। वहीं विभिन्न बैंक के पदाधिकारी से पक्षकारों के साथ प्री सिटिंग करने पर विशेष बल देने की बात कही। जिला सूचना एवं जनसंपर्क पदाधिकारी को निर्देशित किया गया कि आप इस नेशनल लोक अदालत के प्रचार प्रसार हेतु अधिक तत्पर रहे। वही प्राधिकार के सचिव अमरेंद्र कुमार राज ने बताया कि इस नेशनल लोक अदालत की सफलता हेतु विभिन्न विभागों के साथ सामंजस्य स्थापित कर अधिक से अधिक वादों को इस नेशनल लोक अदालत में सुलह के आधार पर समाप्त करने हेतु बैठक की जा रही है। बैठक में जिला सूचना एवं जनसंपर्क पदाधिकारी, सभी बैंकों के क्षेत्रीय प्रबंधक एवं शाखा प्रबंधक उपस्थित रहे।●

हॉकी के प्रति जोश जगाने बेतिया पहुंची

एशिया कप 2025 की ट्रॉफी

सांस्कृतिक कार्यक्रमों से सजी शाम

● रवि रंजन मिश्र

पूरे जिले के लिए गर्व का क्षण तब आया जब "हीरो एशिया कप 2025 पुरुष हॉकी चौम्पियनशिप ट्रॉफी गौरव यात्रा" 19 अगस्त की देर संध्या बेतिया के महाराजा स्टेडियम पहुंची। यह आयोजन हॉकी प्रेमियों और युवाओं में उत्साह का संचार करने वाला साबित हुआ।

ज्ञातव्य हो कि बिहार के माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने 17 अगस्त 2025 को राजगीर हॉकी स्टेडियम परिसर में इस प्रतिष्ठित ट्रॉफी और आधिकारिक मास्कॉट "शुभंकर चंद" का भव्य अनावरण किया था। इसी अवसर पर "ट्रॉफी गौरव यात्रा" का शुभारंभ भी किया गया, जिसके तहत यह ट्रॉफी बिहार के सभी 38 जिलों और प्रमुख शहरों में ले जाई जा रही है, ताकि राज्य भर में खेल भावना और हॉकी के प्रति आकर्षण बढ़े। राजगीर पहली बार इस अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट की मेजबानी कर रहा है। 29 अगस्त से 7 सितंबर 2025 तक आयोजित होने वाली इस प्रतियोगिता में एशिया की शीर्ष 8 टीमें भारत, चीन, जापान, मलेशिया, दक्षिण कोरिया, बांग्लादेश, चीनी ताइपे और कजाकिस्तान अपनी प्रतिभा और खेल कौशल का प्रदर्शन करेंगी।

☞ **बेतिया में भव्य स्वागत** :- महाराज स्टेडियम, बेतिया में जिला पदाधिकारी श्री धर्मेंद्र कुमार ने बिहार राज्य खेल प्राधिकरण की ओर से आई टीम से ट्रॉफी को प्राप्त किया। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त श्री सुमित कुमार, डीआरडीए निदेशक श्री पुरुषोत्तम कुमार त्रिवेदी, ओएसडी श्री सुजीत कुमार, जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी श्री राकेश कुमार और जिला खेल पदाधिकारी श्री विजय कुमार पंडित उपस्थित रहे। ट्रॉफी आगमन के उपलक्ष्य में एक भव्य स्वागत समारोह और सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिले के खिलाड़ियों, खेल प्रेमियों और आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

☞ **सांस्कृतिक प्रस्तुतियां'** :- कार्यक्रम में राज्य संपोषित कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय और राज इंटर कॉलेज की छात्र-छात्राओं ने बिहार की पारंपरिक लोक नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया। इन प्रस्तुतियों का निर्देशन राज इंटर कॉलेज की संगीत शिक्षिका श्रीमती खुशबू मिश्रा, राज्य संपोषित कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय की शिक्षिकाएं श्रीमती निशा और श्रीमती पूनम ने किया। मंच संचालन की जिम्मेदारी सुश्री मैरी एडलिन ने बखूबी निभाई।

☞ **खेल भावना का संदेश'** :- इस गौरव यात्रा के माध्यम से न केवल खिलाड़ियों में जोश और उमंग का संचार हुआ, बल्कि जिले में हॉकी खेल के पुनर्जीवन और नई ऊर्जा की नींव भी रखी गई। खेल प्रेमियों का मानना है कि इस आयोजन से जिले के युवा खेल की ओर आकर्षित होंगे और राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए प्रेरित होंगे।●

9 से 11 अक्टूबर तक राज्य स्तरीय अंतर प्रमंडल फुटबॉल प्रतियोगिता

● रवि रंजन मिश्र

जिलाधिकारी-सह-अध्यक्ष, आयोजन समिति पश्चिम चंपारण, बेतिया के निदेश के आलोक में उप विकास आयुक्त, पश्चिम चंपारण बेतिया, श्री सुमित कुमार की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय अंतर प्रमंडल फुटबॉल अंडर 14/17/19 (बालिका) खेल प्रतियोगिता 2025/26 के आयोजन हेतु आयोजन समिति की बैठक संपन्न हुई। उक्त बैठक में उप विकास आयुक्त, पुलिस उपाधीक्षक, जिला शिक्षा पदाधिकारी, सिविल सर्जन, कार्यपालक अभियंता पी एचईडी, कार्यपालक अभियंता भवन प्रमंडल, जिला सूचना एवं जनसंपर्क पदाधिकारी, जिला फुटबॉल संघ के सचिव, प्राचार्य, एमजेके कॉलेज बेतिया, प्राचार्य आलोक भारती शिक्षण संस्थान, प्राचार्य राज इण्टर कॉलेज, प्रचार्य विपिन उच्च विद्यालय, रवि रंजन यादव शारीरिक शिक्षक के आर हाई स्कूल, मेरी एडलिन शिक्षिका उच्च विद्यालय डुमरिया इस्टेट, माहताब आलम प्रशिक्षक एकलव्य प्रशिक्षण केंद्र हरनाटांड़, जुली कुमारी प्रशिक्षक एकलव्य प्रशिक्षण केंद्र नरकटियागंज एवं जिला खेल पदाधिकारी पश्चिम चंपारण बेतिया उपस्थित थे।

बैठक में 9 से 11 अक्टूबर तक राज्य स्तरीय अंतर प्रमंडल फुटबॉल अंडर 14/17/19 (बालिका) खेल प्रतियोगिता के आयोजन का निर्णय लिया गया। इसके साथ ही आयोजन समिति के विभिन्न नोडल पदाधिकारियों व प्रतियोगिता हेतु महाराजा स्टेडियम और एमजेके कॉलेज के मैदान का चयन किया गया। आयोजन स्थल का चयन एवं कोर्ट निर्माण व खेल के तकनीकी ऑफिशयल्स के चयन का नोडल जिला खेल पदाधिकारी, उद्घाटन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का नोडल अधिकारी डीपीओ (योजना और लेखा) शिक्षा विभाग, सुरक्षा व विधि व्यवस्था के नोडल अनुमंडल पदाधिकारी बेतिया, चिकित्सा व्यवस्था समिति व आयु-सह-चिकित्सीय जांच समिति के नोडल सिविल सर्जन, साफ सफाई एवं पेयजल समिति के नोडल पदाधिकारी नगर आयुक्त नगर

निगम बेतिया, आवासन/भोजन समिति के नोडल जिला शिक्षा पदाधिकारी, प्रेस मीडिया समिति के नोडल जिला सूचना एवं जनसंपर्क पदाधिकारी को बनाया गया है। उप विकास आयुक्त ने बैठक में उपस्थित आयोजन समिति के सभी नोडल पदाधिकारियों को प्रतियोगिता से संबंधित सभी तैयारिया ससमय पूर्ण करने के निर्देश दिए।

जिला खेल पदाधिकारी श्री विजय कुमार पंडित ने बताया कि राज्य स्तरीय जूडो अंडर 14/17/19 बालक व बालिका ओपन ट्रायल चयन प्रतियोगिता 11 अक्टूबर 2025 को खेलभवन-सह- व्यायामशाला भवन में करने का निर्णय लिया गया। जिसमें लगभग 200 खिलाड़ियों के भाग लेने की संभावना है। चयन प्रक्रिया विभाग द्वारा प्रतिनियुक्ति 4 तकनीकी पदाधिकारियों की देखरेख में संपन्न की जाएगी। राज्य स्तरीय अंतर प्रमंडल फुटबॉल अंडर 14/17/19 (बालिका) खेल प्रतियोगिता में 9 प्रमंडल व एक एकलव्य केंद्र की टीमें भाग लेंगी। इसमें कुल 380 प्रतिभागी व टीम प्रभारी के आने की संभावना है। प्रतियोगिता के संचालन हेतु लगभग 40 तकनीकी ऑफिशियल्स भी शामिल होंगे। प्रतियोगिता में शामिल प्रतिभागियों के आवासन व भोजन की व्यवस्था राज इंटर कॉलेज बेतिया में की जाएगी।

उक्त बैठक 15 से 17 सितंबर तक जिला स्तरीय विद्यालय खेल प्रतियोगिता 2025 के आयोजन काभी निर्णय लिया गया। इस प्रतियोगिता में आयु वर्ग अंडर 14/17/19 के बालक/बालिका खेल विद्या-फुटबॉल, कबड्डी, वॉलीबॉल, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, क्रिकेट, शतरंज, योग, कुश्ती, भारोत्तोलन, हैंडबॉल, वुशू, कराटे, बास्केटबॉल, खो-खो, सेपकटकरा, साइकिलिंग, टेबल टेनिस, तलवारबाजी जैसे खेलों शामिल होंगे। इन खेलों में मध्य, उच्च, उच्चतर माध्यमिक, परियोजना बालिका, राजकीय अंबेडकर आवासीय, कस्तूरबा विद्यालय, निजी विद्यालय (सीबीएसई आईसीएसई बोर्ड से मान्यता प्राप्त) के छात्र-छात्रा भाग लेंगे।●

राजस्व कर्मचारी मोब्बसिर हसन निलंबित

● रवि रंजन मिश्र

पश्चिम चम्पारण जिला अंतर्गत बैरिया अंचल के राजस्व कर्मचारी मोब्बसिर हसन को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। उन पर अवैध राशि लेते हुए एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसके बाद जिला प्रशासन द्वारा यह कार्रवाई की गई है। जिलाधिकारी श्री धर्मेंद्र कुमार ने इस मामले को गंभीरता से लिया है। वायरल वीडियो में राजस्व कर्मचारी मोब्बसिर हसन एक व्यक्ति से अवैध राशि लेते दिख रहे हैं। वीडियो सामने आने के बाद जिला प्रशासन ने प्रथम दृष्टया आरोप सही पाए जाने पर निलंबन का आदेश जारी कर दिया है। मोब्बसिर हसन के निलंबन के साथ ही इस मामले की आगे की जांच भी की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद आगे की विभागीय और कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने सभी सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों को सख्त चेतावनी दी है। उन्होंने साफ कहा है कि भ्रष्टाचार और अवैध उगाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अगर कोई भी सरकारी कर्मी इस तरह की गतिविधियों में लिप्त पाया जाता है, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने जनता से अपील की है कि अगर उन्हें किसी भी सरकारी विभाग में भ्रष्टाचार की शिकायत मिलती है, तो वे तुरंत इसकी जानकारी जिला प्रशासन को दें। जांचोपरांत दोषियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा, सख्त कार्रवाई की जाएगी।●

नारी सुरक्षा का संकल्प अभियान

● रवि रंजन मिश्र

जिला पदाधिकारी, श्री धर्मेन्द्र कुमार की अध्यक्षता में आज समाहरणालय सभागार में नारी सुरक्षा का संकल्प अभियान की सफलता सुनिश्चित करने हेतु जिलास्तरीय टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर अभियान से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई और कार्ययोजना तैयार की गई। बैठक के साथ ही एक कार्यशाला का भी आयोजन हुआ, जिसमें महिला सुरक्षा, सशक्तीकरण और जागरूकता को लेकर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए जिला पदाधिकारी ने कहा कि नारी सुरक्षा समाज और प्रशासन दोनों की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने निर्देशित किया कि इस अभियान के उद्देश्यों को धरातल पर उतारने के लिए गंभीरता और जिम्मेदारी से कार्य करें। उन्होंने कहा कि महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना केवल प्रशासनिक दायित्व ही नहीं बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व भी है। उन्होंने कहा कि उक्त अभियान की सफलता हेतु एक वृहद वर्कशॉप का आयोजन कर संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को अच्छे तरीके से प्रशिक्षित करने की आवश्यकता है।

इस अवसर पर वरीय पुलिस अधीक्षक, डॉ. शौर्य सुमन ने कहा कि महिला सुरक्षा के लिए पुलिस प्रशासन हर स्तर पर तत्पर है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि किसी भी प्रकार की शिकायत पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने हेल्पलाइन नंबरों के प्रचार-प्रसार पर बल देते हुए कहा कि हर महिला को यह जानकारी होनी चाहिए कि संकट की स्थिति में किससे संपर्क किया जाए। उन्होंने महिला एसएचओ को विभिन्न धाराओं की जानकारी देते हुए निर्देश दिया कि विद्यालय स्तर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में संबंधित महिला थाना की एसएचओ एवं महिला हेल्प डेस्क के पुलिस पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे। उन्होंने कहा कि महिला अधिकार को लेकर महिला एसएचओ जनजागरूकता फैलाये। अपर समाहर्ता-सह-जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी, श्री अनिल कुमार सिन्हा ने कहा कि जिला स्तर पर गठित टास्क फोर्स नियमित समीक्षा बैठकों के माध्यम से इस अभियान की प्रगति पर नजर रखेगा और आवश्यकतानुसार सुधारात्मक कदम भी उठाएगा। प्रभारी सहायक निदेशक, जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग, श्रीमती नगमा तबस्सुम ने अभियान से संबंधित विभिन्न योजनाओं और गतिविधियों की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि महिलाओं और बालिकाओं के बीच आत्मरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य संबंधी सहित साइबर क्राइम आदि से सुरक्षा से संबंधित जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने महिलाओं की सुरक्षा से जुड़े कानूनों व अधिकारों की जानकारी, अपराध रिपोर्टिंग के प्रति जागरूकता एवं प्रोत्साहन, समाज में सामूहिक जिम्मेदारी का निर्माण, सुलभ शिकायत निवारण एवं सहायता व्यवस्था पर विस्तार से प्रकाश डाला।●

राजस्व अधिकारी बनकर ठगी की कोशिश

● रवि रंजन मिश्र

राजस्व अधिकारी बनकर मोबाइल पर आवेदक से धोखाधड़ी करने का मामला जिला प्रशासन के संज्ञान में आया है। जिला पदाधिकारी, श्री धर्मेन्द्र कुमार ने इस पूरे प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

ज्ञातव्य हो कि ठकराहां के राजस्व अधिकारी बनकर एक शख्स ने मोबाइल फोन के माध्यम से आवेदक से ठगी करने का प्रयास किया, जिसका ऑडियो वायरल हो गया। मामले की जानकारी मिलते ही अंचलाधिकारी ठकराहां नें स्थानीय थाने में सनहा दर्ज करा दिया है और पुलिस इस मामले की गहन जांच में जुट गई है। जिलाधिकारी धर्मेन्द्र कुमार ने स्पष्ट किया कि ऐसे मामलों को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने जिलेवासियों से अपील की है कि अज्ञात या संदिग्ध फोन कॉल पर भरोसा न करें और

किसी भी प्रकार की मांग या प्रलोभन में न फंसें। यदि कोई व्यक्ति अधिकारी या कर्मचारी बनकर ठगी का प्रयास करता है तो इसकी सूचना तत्काल स्थानीय प्रशासन, जिला प्रशासन या निगरानी विभाग को दें। उन्होंने नागरिकों को जागरूक करते हुए कहा कि धोखाधड़ी करने वाले गिरोह सक्रिय रहते हैं और सरकारी पदाधिकारी बनकर आम लोगों को अपने जाल में फंसाने की कोशिश करते हैं। इसलिए सावधानी ही सबसे बड़ा बचाव है। संदिग्ध कॉल से सावधान एवं सतर्क रहें। किसी भी तरह की ठगी का तुरंत रिपोर्ट करें।●

लड़के-लड़कियों का विवाह एक बड़ी समस्या बन गई है : संत जीयर स्वामी

● गुड्डू कुमार सिंह

परमानपुर चातुर्मास्य व्रत स्थल पर भारत के महान मनीषी संत श्री लक्ष्मी प्रपन्न्न जीयर स्वामी जी महाराज ने कहा कि आज समाज में लड़के लड़कियों की शादी एक बड़ी समस्या बन गई है। पिता, भाई, परिवार के लोग शादी के लिए कई वर्षों से योग्य लड़का ढूंढ रहे हैं। फिर भी कहीं पर शादी सेट नहीं हो रहा है। लेकिन हमें इस पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। आज शादी में इतनी ज्यादा समस्या क्यों हो रही है। 1 साल, 2 साल, 5 साल उससे भी अधिक वर्षों से अनेकों जगह जाने के बाद भी रिश्ता नहीं बन पा रहा है। उसमें सबसे बड़ी बाधा आज का रीति रिवाज हो गया है। जिस प्रकार से आज विवाह से पहले ही लड़कियों को अमर्यादित तरीके से देखा जा रहा है। यह भी एक बड़ी समस्या बन गई है। कहीं पर भी विवाह की थोड़ी बहुत बात आगे बढ़ती है, उसके बाद घर की जो महिलाएं, माताएं होती हैं। वह लड़की देखने की तैयारी करती हैं। साथ में कई और भी अपने जानने वाली महिलाओं को भी लेकर जाती हैं। अब विवाह से पहले ही लड़की को चलाकर, घूमाकर, बैठाकर इस प्रकार से निरीक्षण करती है, जैसे बाजार से किसी सामान या वस्तु को खरीदते समय निरीक्षण किया जाता है। हमारी माताओं को सोचना चाहिए कि जिस समय आपका विवाह हुआ था। उस समय क्या आपको इस प्रकार से यदि देखा गया होगा तो आपको कैसा महसूस हुआ होगा। वैसे आज से कुछ वर्ष पहले शादी विवाह विश्वास का एक बंधन हुआ करता था। जिसमें पिता अपनी स्वेछा से शादी विवाह का फैसला करते थे। उस समय लड़कियों को देखने का प्रचलन नहीं था। जब से इसमें महिलाओं का हस्तक्षेप बढ़ गया है। उसके बाद से ही विवाह एक बड़ी चुनौती बन गई है। पिता कहीं जाकर शादी ठीक भी करते हैं। तब भी घर की महिलाएं अनेक प्रकार की कटुता निकालने लगती है। जिससे बना बनाया विवाह भी कट जाता है। विवाह काटने का काम यदि कोई करता है, तो उसमें सबसे ज्यादा बड़ा हाथ माता का ही है। माताएं अनेक प्रकार की नुक्स निकालती है। आंख छोटा है, नाक टेढ़ा है, ललाट छोटा है, चेहरा सुंदर नहीं है, चेहरा पर लाइट नहीं है, लड़की का लंबाई कम है। इतना ज्यादा कमी निकालती है, जिसके कारण विवाह अनेकों जगहों पर होते-होते रह जाता है। लेकिन उन माता को समझना चाहिए विवाह विश्वास, मर्यादा का विषय होता है। विवाह केवल सुंदरता का विषय नहीं है। विवाह वैदिक परंपरा के अनुसार गृहस्थ जीवन जीने का एक माध्यम है। जिसमें पति और पत्नी के बीच विश्वास रूपी डोर ही पूरे जीवन को आगे बढ़ाती है। इसीलिए विवाह करते समय लड़का या लड़की में थोड़ा बहुत अंतर भी हो, तब भी भगवान का कृपा मान कर विवाह करना चाहिए। क्योंकि जो चीज आप ढूंढ रहे हैं। जैसा लड़का आप ढूंढ रहे हैं। जैसी लड़की आप ढूंढ रहे हैं। वैसा खोजते खोजते पूरा जीवन बीत जाएगा, आप नहीं ढूंढ पाएंगे। क्योंकि हर चीज में कोई न कोई कमी है। यहां तक की भगवान को भी अनेक समय पर दोष और कमियों का सामना करना पड़ा था। हम तो साधारण मानव हैं, तो क्या हम मानव में कमी नहीं है। हर जीव, व्यक्ति, लड़का, लड़की में कुछ न कुछ अच्छाई भी है, कुछ ना कुछ कमियां भी हैं। लेकिन उन कमियों को भी भगवान की कृपा से पूरा किया जा सकता है। कई बार तो विवाह से पहले माता-पिता बहुत प्रयास करके अच्छा लड़का या लड़की ढूंढते हैं। लेकिन विवाह के बाद कई प्रकार की समस्याएं खड़ी हो जाती है। जबकि एक सामान्य माता-पिता अपने लड़के और लड़कियों को साधारण परिवार में भी शादी कर देते हैं। तब भी शादी के बाद उनके जीवन में धन, सुख, शांति, समृद्धि दिनों दिन बढ़ने लगता है। इसीलिए आपके खोजने से ही सब कुछ नहीं मिल सकता है। उन परम ब्रह्म भगवान श्री कृष्ण की कृपा होगी तो जीवन में सब कुछ मिल सकता है। जीवन में कोई भी व्यक्ति यह नहीं चाहता है कि हमारे जीवन में दुख आए। लेकिन जीवन में दुख भी आता है। तब तक रहता है, जब तक दुख का मर्जी होता है। जीवन में सुख भी अपने आप आ जाता है। जिस प्रकार से दुख को आने से नहीं रोका जा सकता है। उसी प्रकार से आप कितना भी अच्छा घर, परिवार, नौकरी वाला, धन वाला लड़का ढूंढ लीजिए या बहुत सुंदर ज्ञानी लड़की ढूंढ लीजिए। जब तक भगवान का कृपा नहीं होगा तब तक आपके ढूंढने पर भी वह पूर्ण रूप से कारगर नहीं होगा। उसमें अनंत प्रकार की बाधाएं आपके भविष्य में देखने को मिलेगी। इसीलिए वैवाहिक संबंध का निर्धारण परमात्मा की आज्ञा मानकर विश्वास की डोर में बंधकर निश्चित करना चाहिए।

- ☞ **बेरोजगारी से भी बड़ी समस्या विवाह हो गई है- संत जीयर स्वामी**
- ☞ **हर चीज में जाति है, जाति से अलग कुछ भी नहीं- संत जीयर स्वामी**
- ☞ **जाति और जातीयता हर घर में है- संत जीयर स्वामी**

भगवान श्री कृष्णा गीता में अर्जुन से कहते हैं। अर्जुन कर्म करो फल की इच्छा मत करो। अच्छा कर्म अच्छा परिणाम देता है। इसीलिए विवाह करने के लिए आप प्रयत्न कीजिए। पिता को स्वतंत्र रूप से लड़के और लड़की का विवाह करने का अधिकार होना चाहिए। तभी विवाह में हो रही देरी का निवारण हो सकता है। क्योंकि जब तक विवाह में महिलाओं का हस्तक्षेप होता

रहेगा। तब तक विवाह लड़के और लड़कियों का समय से नहीं हो पाएगा। लड़कियों का विवाह करने का उचित उम्र 21 से 25 वर्ष तक बताया गया है। क्योंकि आज उच्च शिक्षा प्राप्त करने में थोड़ा अधिक समय लग जा रहा है। लेकिन लड़कियों का शादी 25 वर्ष तक जरूर कर देना चाहिए। यदि आप ऐसा नहीं करते हैं तो इसका परिणाम समाज संस्कृति पर नकारात्मक रूप से दिखाई पड़ता है। जिसके कारण समाज में भटकाव उत्पन्न होता है। इसीलिए माता और पिता की अपने बच्चे और बच्चियों के प्रति पूर्ण रूप से जवाबदेह होने की जरूरत है। एक चीज और माता को विशेष रूप से कहना चाहते हैं। आप शादी विवाह में दूसरे के लड़की को भी अपनी लड़की की तरह आदर और सम्मान करें। क्योंकि समाज में हर व्यक्ति के लड़की और लड़के का शादी करना है। आज आपके लड़के का शादी करना है। आप दूसरे के यहां जाकर के लड़की को देखते हैं। एक दिन आपके लड़की को भी देखने के लिए दूसरे लोग आएंगे। जिस प्रकार से दूसरे के लड़की को आप देखते समय प्रताड़ित करते हैं। उसी प्रकार से आपकी लड़की के साथ भी विवाह में हो सकता है। इसीलिए हर माता-पिता के लड़के और लड़की का आदर सम्मान अपनों के जैसा होना चाहिए। आगे स्वामी जी बोले कि श्रीमद् भागवत कथा अंतर्गत कपिल देव भगवान से उनकी माता देवहूति पूछ रही हैं। पुत्र व्यक्ति को अपना कल्याण करने के लिए क्या करना चाहिए। वही भगवान कपिल देव जी अपनी माता को नवधा भक्ति बता रहे हैं। जिसमें मानवों के कल्याण के लिए नौ प्रकार की भक्ति बताई गई है। मानव जीवन में व्यक्ति को अपने जीवन में सुख, शांति, समृद्धि, धन, कृति ऐश्वर्य, स्वस्थ जीवन के लिए जितने प्रकार की भक्ति को करना चाहिए। जिसकी व्याख्या स्वामी जी ने प्रवचन करते हुए विस्तार से बताया। नवधा भक्ति इस प्रकार हैं - श्रवणम्, कीर्तनम्, स्मरणम्, पादसेवनम्, अर्चनम्, वंदनम्, दास्यम्, साख्यम्, आत्मनिवेदनम्।

परमानपुर चातुर्मास्य व्रत स्थल पर भारत के महान मनीषी संत श्री लक्ष्मी प्रपन्न जीयर स्वामी जी महाराज ने कहा कि दुनिया में जाति हर चीज में है। जाति और जातीयता से कोई अलग नहीं है। हर घर में भी जाति और जातीयता है। इसीलिए जो भी लोग जाति के आधार पर समाज में भेदभाव और बांटने का प्रयास करते हैं, वह सरासर गलत है। उन्हें जाति का मतलब समझने की जरूरत है। हम आपको कई उदाहरण देकर के आज स्पष्ट तरीके से जाति का मतलब समझाते हैं। अमीर या गरीब कोई भी व्यक्ति जब आभूषण खरीदने के लिए जाता है। चाहे उसे एक ग्राम ही सोना खरीदना हो। वह कहता है कि सौ पर्सेंट ओरिजिनल वाला सोना चाहिए। जो शुद्ध सोना हो वहीं वह खरीदना चाहता है। यहां पर भी तो जाति है। दुकान पर आप सोना शुद्ध खरीदना चाहते हैं, तो नकली और असली शुद्ध और मिलावटी यहां पर भी तो जाति हो गया। दूसरा आप अपने घर में दरवाजा, चौखट लगाने के लिए लकड़ी खरीदने जाते हैं। वहां जाते हैं, तो सखुआ, शीशम अच्छे से अच्छे लकड़ी खरीदने का प्रयास करते हैं, तो वहां भी आप लकड़ी की जो बेहतर क्वालिटी है, उसको खोजते हैं। लकड़ी में भी तो जाति हो गया। वहां पर भी महुआ का लकड़ी, आम का लकड़ी, शीशम का लकड़ी, सखुआ का लकड़ी कई प्रकार की लकड़ी होता है। अब जिनको जाति से समस्या है, वह कभी लकड़ी खरीदने के लिए जाते हैं तो क्या दुकान पर कहते हैं कि कोई भी लकड़ी दे दीजिए। कोई व्यक्ति अपने घर में रेड़ का चौखट या दरवाजा लगाता है। छोड़िए सामान की बात छोड़ते हैं। हम घर की ही बात करते हैं। घर में माता है, पिता है, पत्नी, बेटी, बहन, दादी, दादा होते हैं। अब इनको भी अलग-अलग नाम से परिभाषित करने की क्या आवश्यकता है। इनका भी एक जाति बना करके और एक ही नाम से सभी लोगों का संबोधन किया जाता। इस प्रकार से आप स्वविवेक से समझ सकते हैं कि हर जीव, वस्तु, व्यवस्था के लिए मर्यादा सृष्टि को व्यवस्थित करने के लिए जरूरी है। क्योंकि घर में जिस प्रकार से माता के साथ अलग संबंध होता है। पत्नी के साथ अलग संबंध होता है। बहन, बेटी, बुआ के साथ अलग संबंध होता है। उसी प्रकार से संसार में जितनी भी जाति है, वह भी समाज, संस्कृति, सभ्यता, मानवता को सही तरीके से व्यवस्थित करने के लिए होता है न कि समाज में भेदभाव, द्वेष, लड़ाई, झगड़ा, विवाद उत्पन्न करने के लिए है। लेकिन कुछ लोग अपने आप को जाति का रक्षक बता करके समाज में बांटने का काम करते है। उन्हें इन सभी बातों पर विचार करने की जरूरत है।

पानी का भी एक उदाहरण लिया जा सकता है। संसार में रहने वाले सभी लोग पानी पीते हैं। हम लोग देखते हैं कि जो पानी एक ही जगह पर रुक जाता है उसमें गंदगी भर जाता है। उस पानी को लोग नहीं पीते हैं। हर व्यक्ति चाहता है कि शुद्ध, अच्छा, स्वच्छ जल ग्रहण करें तो जल में भी एक अच्छा जल और एक गंदा जल होता है। यहां भी तो अलग-अलग दो जातियां हो जाती है। इस प्रकार से चाहे कोई भी व्यवस्था हो, वस्तु हो, जीव हो, प्राणी हो उसमें जाति है। उसको जाति से अलग नहीं किया जा सकता है। यदि आप जाति से मुक्त होने का प्रयास करेंगे तो आपका गुण, तत्व, व्यवस्था, वस्तु, स्थिति बिगड़ जाएगी। जिससे प्रकृति में अव्यवस्था का वातावरण बन जाएगा। इस दुनिया को चलाने वाले ईश्वर हैं। ईश्वर के अधीन प्रकृति है। प्रकृति में भी जाति है। जिस प्रकृति के माध्यम से जीवन में हवा, जल, अग्नि, पृथ्वी, आकाश, तत्व का अनुभव होता है। जिसके माध्यम से प्राणियों के जीवन का सांस संचालित होता है। वह प्रकृति भी जाति में बंटी हुई है। प्रकृति को व्यवस्थित रखने के लिए कई प्रकार के पौधारोपण किया जाता है। पेड़ और पौधा को सभी लोग मानते हैं। अब इसी प्रकृति में, पेड़ों में भी कई प्रकार के पेड़ होते हैं। जिसका गुण, आचरण, शक्ति, सामर्थ्या, तेज अलग होता है। पीपल के पेड़ को मानव जीवन के लिए सर्वश्रेष्ठ पेड़ बताया गया है। जिसके माध्यम से 24 घंटे ऑक्सीजन की प्राप्ति होती है। पीपल एक ऐसा पेड़ है जो रात में भी ऑक्सीजन देता है। जबकि दुनिया में और जितने भी पेड़ है, वह रात में कार्बन डाइऑक्साइड छोड़ते हैं। अब इनमें भी तो जातीयता है। अब कोई व्यक्ति कहे कि इसमें भी भेदभाव है। क्योंकि पीपल 24 घंटा निरंतर ऑक्सीजन देता है। वहीं दूसरे पेड़ केवल 12 घंटा ही ऑक्सीजन देते हैं। अब इस धरती पर हम जीव या प्राणी इसको बदलना चाहे तो क्या इसको हम बदल सकते हैं यह संभव है। बिल्कुल इसको नहीं बदला जा सकता है। इसी प्रकार से संत, महात्मा, ज्ञानी जब कहते हैं कि हर व्यक्ति को अपने जाति, आचरण, व्यवस्था के आधार पर वैवाहिक मर्यादा स्वीकार करना चाहिए। हर पुरुष और स्त्री को अपने जाति, गोत्र, कुल, मर्यादा के अनुसार ही वैवाहिक संबंध को बनाना चाहिए। यदि आप ऐसा नहीं करते हैं तो प्रकृति का जो संतुलन है, मानवीय जीवन का जो संतुलन है। उसमें अस्थिरता उत्पन्न होती है। जो धीरे-धीरे एक बड़ी निराशा, दुख का कारण बनती है। देश में जाति पर बहस चलती है कि जाति को खत्म कर देना चाहिए। थोड़े समय के लिए मान लिया जाए की जाति को खत्म कर देना ही चाहिए। लेकिन जो घर में माता-पिता के दो पुत्र होते हैं या तीन या चार पुत्र होते हैं। उसमें जो जातीयता है। उसको कैसे खत्म किया जा सकता है। परिवार में किसी पुत्र को अधिक सम्मान मिलता है। किसी पुत्र को थोड़ा कम सम्मान मिलता है। किसी एक और पुत्र को बिल्कुल सम्मान ही नहीं मिलता है। उसको घर से निकाल दिया जाता है। ऐसा उदाहरण आपको समाज में आपके आसपास ही दिखाई पड़ते हैं। यह भी तो एक प्रकार की जातीयता है। क्या इसको खत्म किया जा सकता है। इसीलिए समानता का जो अधिकार है, वह व्यक्ति के व्यक्तित्व के आधार पर तय होता है। चाहे किसी भी जाति से कोई भी व्यक्ति हो,

उसका कर्म, गुण, ज्ञान, प्रकाश, तेज, मार्गदर्शन समाज के लिए हितकारी लाभकारी हो तो उसे समाज में सर्वश्रेष्ठ माना जाता है। श्रेष्ठ और उत्तम बनने का एकमात्र माध्यम व्यक्तित्व है। इसीलिए चाहे दुनिया में कोई भी व्यक्ति हो, उसे अपने व्यक्तित्व को ही बेहतर बनाना चाहिए। उसके व्यक्तित्व ही उसका मुख्य पहचान होता है।

परमानपुर चातुर्मास्य व्रत स्थल पर भारत के महान मनीषी संत श्री लक्ष्मी प्रपन्न जीयर स्वामी जी महाराज ने ब्रह्मा जी के सृष्टि में उनके नौ पुत्रों के विवाह पर विस्तार से प्रकाश डाले। सृष्टि के शुरुआत में भगवान श्रीमन नारायण के नाभि से कमल, कमल से ब्रह्मा जी प्रकट हुए। ब्रह्मा जी से 10 ऋषि पुत्र हुए। उनमें से एक नारद जी जन्म के बाद से ही साधना तपस्या में घूमते रहते थे। वहीं ब्रह्मा जी के नौ पुत्रों का विवाह करना था। एक दिन ब्रह्मा जी ने कर्दम ऋषि से कहा महाराज आपकी नौ कन्याएं हैं, यदि आपकी नौ कन्याओं का विवाह मेरे नौ पुत्रों के साथ हो जाता तो बहुत अच्छा होता। वही कर्दम ऋषि भी अपनी कन्याओं का विवाह करने के लिए प्रयत्न कर रहे थे। ब्रह्मा जी के द्वारा प्रस्ताव से मन ही मन बहुत खुश हुए। क्योंकि विवाह में लेनदेन की चर्चा होती है। उस समय विवाह में थोड़ा सा कड़वाहट हो जाती है। जिससे बना बनाया काम भी बिगड़ जाता है। लेकिन ब्रह्मा जी ने अपने पुत्रों के विवाह के लिए स्वयं प्रस्ताव रख दिया था। कर्दम ऋषि और देवहूति से नौ कन्याएं हुई थी तथा कर्दम ऋषि के एक पुत्र हुए थे। जिनका नाम कपिल मुनि भगवान था। जो कि भगवान विष्णु के अवतार माने जाते हैं। जब कर्दम ऋषि विवाह नहीं कर रहे थे, साधना, तपस्या में रहना चाहते थे। वही भगवान श्रीमन नारायण ने एक बार प्रकट होकर कर्दम ऋषि से कहा कि आप साधना तपस्या से क्या प्राप्त करना चाहते हैं। कर्दम ऋषि ने कहा साधना तपस्या का मुख्य उद्देश्य आपको प्राप्त करना है। वहीं भगवान श्रीमन नारायण ने कर्दम ऋषि से कहा कि आप विवाह कर लीजिए। हम आपके यहां पुत्र के रूप में जन्म लेंगे। वहीं कर्दम ऋषि मनु और शतरूपा की तीन पुत्री में से एक पुत्री देवहूती से विवाह किए। वही कर्दम ऋषि और देवहूती से नौ कन्याए भी हुई। कर्दम ऋषि के नौ कन्याओं का नाम इस प्रकार है कला, अनसूईया, श्रद्धा, हविर्भू, गति, क्रिया, ख्याति, अरुंधति और शांति। अब ब्रह्मा जी के नौ पुत्र हुए जिनका नाम मरीचि, अत्रि, अंगिरा, पुलस्त्य्य, पुलह, ऋतु, भृगु, वशिष्ठ, अथर्वा इत्यादि हुए। अब कर्दम ऋषि की 9 पुत्री एवं ब्रह्मा जी के नौ पुत्रों का विवाह हुआ। जिममें मरीचि ऋषि का विवाह कला के साथ हुआ। अत्रि ऋषि का विवाह अनुसूईया के साथ हुआ। अंगिरा ऋषि का विवाह श्रद्धा के साथ हुआ। पुलस्त्य ऋषि का विवाह हविर्भू के साथ हुआ। पुलह ऋषि का विवाह गति के साथ हुआ। रितु ऋषि का विवाह क्रिया के साथ हुआ। भृगु ऋषि का विवाह ख्याति के साथ हुआ। वशिष्ठ ऋषि का विवाह अरुंधति के साथ हुआ। इस प्रकार से ब्रह्मा जी के नौ ऋषि पुत्र और कर्दम ऋषि के 9 कन्याओं के साथ विवाह संपन्न हुआ। जिसके वैवाहिक मर्यादा से संसार में जितने भी वंश विस्तार हुए, वह इन ऋषि पुत्रों के द्वारा ही हुआ। कश्यप ऋषि की पत्नी दिति से वायु का जन्म हुआ था। वायु राक्षसों के भाई कहे जाते हैं। लेकिन इनका देवताओं के श्रेणी में स्थान आता है। क्योंकि यह जगत के कल्याण के लिए कार्य करते हैं। वायु का 49 नाम बताया गया है। कश्यप ऋषि और दिति से दो राक्षस पुत्र हुए थे, हिरण्यकशिपु और हिरण्याक्ष। जिसको भगवान ने अवतार लेकर के मार दिया था। उसके बाद दिति ने कश्यप ऋषि से कहा कि हमें एक पुत्र की और कामना है। कश्यप ऋषि ने कहा कि तुम्हारे दो पुत्र मारे जा चुके हैं और तीसरा पुत्र भी राक्षस वृति का होगा। इसीलिए तुम अच्छे पुत्र को जन्म देना चाहती हो तो पहले तपस्या साधना करो। वहीं दिति पयो व्रत करने लगी। लेकिन पयो व्रत में एक दिन कुछ बाध उत्पन्न हुआ। जिसके कारण दिति के गर्भ में पल रहे बच्चे को मारने के लिए सूक्ष्म रूप में देवराज इंद्र प्रवेश कर गए। इंद्र ने दिति के गर्भ के बच्चे को 7 भागों में काट दिए। सात भाग में काटने के बाद हर एक-एक भाग को और सात-सात भाग में काट दिए। इस प्रकार से गर्भ के बालक को 49 भागों में काट दिए। वहीं बालक जो दिति और कश्यप ऋषि से जन्म लिए, जिनका नाम 49 पवन देव हुआ। जो कि आज वायु देव के नाम से जाने जाते हैं। दिति के तपस्या और साधना में हुए गलती के कारण वायु देव देवताओं के सहायक हुए। इसीलिए वायु 49 भी कहे जाते है। क्योंकि वायु देव को 49 भागों में काटा गया था। जिनसे उनका नाम 49 वायु के रूप में हुआ। इसी प्रकार से अग्नि देव का भी नाम 49 बताया गया है। मनु और शतरूपा की तीसरी बेटी प्रसुति का विवाह दक्ष प्रजापति के साथ हुआ। दक्ष प्रजापति और प्रसूति से 16 कन्याएं हुई। जिमसे 13 कन्याओं का विवाह ब्रह्मा जी के पुत्र धर्म के साथ हुआ। एक कन्या का विवाह अग्नि देव से हुआ। एक का पीतर देव से हुआ और एक सती का विवाह भगवान शंकर जी से हुआ। अग्नि देव के तीन पुत्र हुए। इन तीनों से 15-15 पुत्र हुए। इस प्रकार से 15+15+15 जोड़कर के 45 पुत्र हुए तथा अग्नि देव के जो तीन पुत्र पहले हुए थे, उनको जोड़कर के 48 हुए तथा स्वयं अग्नि देव जो एक प्रथम में हुए उनको मिलकर के 49 हुए।

परमानपुर चातुर्मास्य व्रत स्थल पर भारत के महान मनीषी संत श्री लक्ष्मी प्रपन्न्न जीयर स्वामी जी महाराज ने कहा कि राजा दक्ष को प्रजापतियों का प्रजापति नियुक्त किया गया। उसके बाद उनके लिए प्रयागराज में एक अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। उस समारोह में बड़े-बड़े संत महात्मा देवता शामिल होने के लिए आए थे। उस सभा में भगवान विष्णु, ब्रह्मा जी भी पहुंचे थे। राजा दक्ष की 14वीं सबसे छोटी पुत्री का विवाह शंकर जी के साथ हुआ था। जब राजा दक्ष प्रजापतियों के प्रजापति बने तब उनके विचार, आचरण, अहंकार से डूब गए। देखिए जब किसी व्यक्ति को पद मिल जाता है। तब उसका व्यवहार, आचरण, बोलचाल बदल जाता है। प्रयागराज में आयोजित सभा में जब प्रजापति राजा दक्ष के दामाद शिवजी पहुंचते हैं, तब शिवजी भगवान विष्णु को प्रणाम करते हैं। उस सभा में हजारों हजार की संख्या में लोग उपस्थित थे। शंकर जी अपने ससुर प्रजापति दक्ष को मन ही मन प्रणाम कर लेते हैं। बताया गया है कि जब किसी बड़े आयोजन में हजारों हजार की संख्या में लोग उपस्थित हो, उस समय सभा में सबसे जो वरिष्ठ व्यक्ति होता है, उसको यदि नमस्कार कर लिया जाता है तो पूरे सभा में मौजूद सभी लोगों को एक-एक करके नमस्कार करने की आवश्यकता नहीं है। क्योंकि यदि एक-एक व्यक्ति को नमस्कार किया जाए तो सभा में अव्यवस्था फैल सकती है। इसी बात को सोचते हुए शंकर जी अपने ससुर को मन ही मन प्रणाम कर लिए। अब इस बात को लेकर के प्रजापति दक्ष जो अभिनंदन समारोह के मुख्य अगुआ थे, जिनको अभी-अभी प्रजापतियों का प्रजापति बनाया गया था, वह अहंकार से क्रोधित हो गए। भरी सभा में शंकर जी को अपशब्द कहने लगे। गाली गलौज के साथ अपमानित करने लगे। शंकर जी सभा में चुपचाप बैठे हुए थे। शंकर जी के साथ गए उनके गण शंकर जी से कह रहे थे कि महाराज आज्ञा दीजिए हम लोगों से बर्दाश्त नहीं हो रहा है। इस प्रकार से राजा दक्ष आपको बेइज्जत कर रहे हैं। हम लोग इनको छोड़ेंगे नहीं। शंकर जी कह रहे थे कि नहीं-नहीं आप लोग शांत बैठिए। वह हमारे ससुर हैं, बड़े हैं, आदरणीय हैं, बोलने दीजिए उनको। लेकिन प्रजापति राजा दक्ष फिर भी चुप नहीं हो रहे थे। अंत में शंकर जी के गण क्रोधित हो गए। प्रजापति दक्ष को भला बुरा कहना शुरू किए। उधर से राजा दक्ष के पुरोहित भृगु ऋषि भी शंकर

- **ब्रह्मा जी के नौ पुत्रों का विवाह कर्दम ऋषि के 9 पुत्रियों के साथ हुआ था - संत जीयर स्वामी**
- **अहंकारी व्यक्ति को पद मिलने पर उसका अहंकार और बढ़ जाता है - संत जीयर स्वामी**
- **पत्नी को पति के बातों की अवहेलना नहीं करनी चाहिए- संत जीयर स्वामी**

जी के गणों को श्राप देने लगे। दोनों तरफ से खूब एक दूसरे को सुनाया गया। जिसके बाद शंकर जी उस सभा से वापस लौट कर आ गए। वापस आने के बाद शंकर जी इस बात को अपनी पत्नी सती जी को भी नहीं बताए। इधर प्रजापति दक्ष शंकर जी को अपमानित करने के लिए बड़े यज्ञ का आयोजन शुरू कर दिए। इस यज्ञ का आयोजन उत्तराखंड के हरिद्वार से ऊपर देवभूमि में आयोजित किया जा रहा था। जिस जगह का नाम कनखल है। वहां पर यज्ञ के आयोजन में बड़े-बड़े ऋषि, महर्षि, तपस्वी सभी लोग आ रहे थे, जा रहे थे। आकाश मार्ग से कई विमान आ रहे थे। कई विवान जा रहे थे। इस घटना को देखकर के सती जी मन में सोच रही थी कि इतने विमान कहां जा रहे हैं। तब तक आसपास में रहने वाली महिलाएं सती जी से कहती हैं, कि आपके पिताजी बड़े यज्ञ का आयोजन कर रहे हैं। आपको जानकारी नहीं है। सती जी कहती हैं, नहीं मुझे जानकारी नहीं है। शिवजी से आकर के सती जी पूछती हैं कि महाराज मेरे पिताजी क्या यज्ञ कर रहे हैं। आपको निमंत्रण मिला है। शंकर जी ने कहा नहीं देवी जी मुझे निमंत्रण नहीं मिला है।

सती जी कहती है नहीं नहीं आपको निमंत्रण जरूर मिला होगा। हो सकता है निमंत्रण कहीं खो गया हो, आपको प्राप्त नहीं हो पाया हो, मेरे पिता यज्ञ कर रहे हैं और आपको निमंत्रण नहीं मिलेगा। ऐसा नहीं हो सकता है। देखिए बताया गया है कि ससुर और दामाद के बीच में आज से नहीं बल्कि पहले से ही कुछ न कुछ खटपट रहता है। आपस में बनता नहीं है। अब सती जी को विश्वास नहीं हो रहा था। शंकर जी उनको कई प्रकार से समझा रहे थे। सती ने कहा कि हम लोगों को पिताजी के यहां चलना चाहिए। शंकर जी ने कहा नहीं देवी हम नहीं जा सकते हैं और आपको भी हम जाने की आज्ञा नहीं देंगे। सती जी ने कहा क्या बात है, क्या आप मेरे पिता से कुछ विवाद किए हैं। शंकर जी ने कहा हां आपके पिता के साथ मेरा विवाद चल रहा है। वही शंकर जी पूरे घटनाक्रम की जानकारी सती को बताते हैं। फिर भी सती अपने पिता के यज्ञ में जाने के लिए तैयार हो जाती हैं। सती कहती है कि पिता है थोड़ा बहुत नाराज हो जाते हैं। चलिए हम लोग चलेंगे तो वह मान जाएंगे। मैं अपने पिता को मना लूंगी। बार-बार शंकर जी समझा रहे थे लेकिन सती नहीं मान रही थी। सती जी कहती हैं कुछ ऐसे स्थान होते हैं, जहां पर बिना बुलाए भी जाया जा सकता है। जैसे पिता के घर, भाई के घर, गुरु के यहां, पुरोहित के यहां, राजा के यहां, डॉक्टर, वैद्य, सामाजिक कार्यक्रम में बिना निमंत्रण के भी जाया जा सकता है। शंकर जी ने कहा देवी आप ठीक कह रही हैं। लेकिन कभी-कभी पिता के यहां, भाई के यहां जाने से काम और बिगड़ सकता है। इसीलिए कभी-कभी मर्यादा का भी पालन करना चाहिए। शंकर जी कहते हैं सती आपके पिता के द्वारा मुझे अपमानित किया गया हैं। लेकिन उस अपमान की जानकारी मैं किसी को नहीं बताया हूं। शास्त्रों में बताया गया है कि कुछ रहस्य को किसी के साथ भी नहीं बताना चाहिए। जैसे उम्र, संपत्ति, अपना दुख, वैवाहिक मर्यादा, अपने घर के अंदर की बातों की जानकारी इत्यादि किसी को नहीं बताना चाहिए। इसीलिए अपमानित होने के बाद भी हमने उसकी जानकारी आपको नहीं दिया। ●

स्वास्थ्यकर्मियों के अभाव में मरीजों का नहीं हो रहा समुचित इलाज

● **गुड्डू कुमार सिंह**

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सहार में डॉक्टरों के 12 पद सृजित हैं। लेकिन, पांच डॉक्टर ही कार्यरत हैं। इनमें से तीन एमबीबीएस और दो आयुष डॉक्टर हैं। पांच के भरोसे सैकड़ों मरीजों का इलाज किया जा रहा है। सहार क्षेत्र में सड़क दुर्घटनाओं के मामले अधिक हैं। प्रतिमाह 25 से 30 इंज्यूरी केस सामने आते हैं। लेकिन सर्जन डॉक्टर और अन्य विशेषज्ञों के अभाव में प्राथमिक उपचार के बाद मरीजों को आरा अथवा पड़ोसी जिला अरवल रेफर करना पड़ता है। प्रसव के मामले में में स्थिति स्थिति भी भ गंभीर है। प्रतिमाह 100 से 120 प्रसव केवल एएनएम और जीएनएम के भरोसे कराए जाते हैं। महिला डॉक्टर की अनुपस्थिति में में प्रसूताओं को जोखिम उठाना पड़ रहा है। केंद्र में तैनात अधिकांश डॉक्टर प्रतिनियुक्ति पर आय, शाहपुर और अन्य जगहों पर हैं। लेडी डॉक्टर श्वेता राजेश बिना सूचना के लंबे समय से गायब हैं। केंद्र फिलहाल डॉक्टर विजय कुमार दास और अंजनी मेहरा जो प्रतिनियुक्ति पर हैं। इसके अलावा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी हरिश्चंद्र चौधरी के अलावा दो आयुष डॉक्टर भोला कुमार और मुकेश कुमार कार्यरत है। एक दंत चिकित्सक हैं। लेकिन इस समय वह भी ट्रेनिंग के के लिए चली गई हैं। गई हैं। जबकि कागज पर तीन एमबीबीएस, एक एनस्थिसिया, एक डेंटल, एक नेत्र चिकित्सक और आयुष डॉक्टर सहार में पदस्थापित हैं। इनका वेतन भी सहार से ही बनता है।

☞ **कागज पर तीन एमबीबीएस, एक एनस्थिसिया, एक डेंटल, एक नेत्र चिकित्सक और आयुष डॉक्टर सहार में पदस्थापित हैं, सहार सीएचसी जीएनएम, एएन एम और क्लर्क के 27 पद रिक्त :-** सहार के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 16 जीएनएम पद सृजित हैं। इनमें केवल 5 कार्यरत है। कुल 30 एएनएम में 17 कार्यरत है। क्लर्क के चार पदों में मात्र एक कार्यरत है। तीन पद रिक्त हैं। स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी हरिश्चंद्र चौधरी ने बताया कि डॉक्टरों की प्रतिनियुक्ति अन्य जगह कर दी गई है और एक चिकित्सक बिना सूचना के अनुपस्थित रहती हैं। इसको लेकर वरीय अधिकारियों को सूचना दे दी गई है। सड़क दुर्घटनाओं और गंभीर बीमारियों के मामलों में का सूचनास्थ्यकर केवल प्राथमिक उपचार ही दे पाता है। प्रखंड प्रमुख प्रियरंजन कुमार ने कहा कि डॉक्टरों की कमी के कारण मरीजों कोइलाज के लिए आरा या अन्य जगह ले जाना पडता है। दंत रोगियों के लिए सामग्री उपलब्ध होने ने के बावजूद अब तक इलाज शुरू नहीं हो सका। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी ने कहा कि ऋतु के संदर्भ में विभाग को सूचित किया गया है।

☞ **तीन एमबीबीएस और दो आयुष डॉक्टर :-** सहार स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टरों की भारी कमी है। 12 पद होने के बावजूद यहां केवल तीन एमबीबीएस डॉक्टर और दो आयुष ' डॉक्टर कार्यरत हैं। जबकि सात पद रिक्त है शेष नहीं आते हैं या अन्य जगहों पर प्रतिनियुक्त हैं। ऐसे में पूरे प्रखंड के मरीजों का इलाज प्रभावित है। जिसमें पांच वैलनेस सेंटर, एक अतिरिक्त प्राथमिक, आठ स्वास्थ्य उपकेंद्र और एक सीएचसी शामिल है। स्वास्थ्य केंद्र में प्रतिमाह औसतन 100 से 120 प्रसव कराए जाते हैं। महिला डॉक्टर की अनुपस्थिति में सभी प्रसव एएनएम और जीएनएम के भरोसे कराए जा रहे हैं। पदस्थापित महिला डॉक्टर श्वेता राजेश लंबे समय से बिना सूचना के गायब हैं, जिससे प्रसव की व्यवस्था पूरी तरह नसों के कंधे पर आ गई है। ●

कुकर्म के चक्कर में एएसआई पहुंच गया जेल

● गुड्डू कुमार सिंह

बिहार के भोजपुर जिले के आयर थाना क्षेत्र से एक बेहद ही शर्मनाक और गंभीर मामला सामने आया है. जिसने न केवल स्थानीय समुदाय को स्तब्ध कर दिया बल्कि पुलिस प्रशासन की कार्यशैली पर भी सवाल खड़े कर दिए है। आयर थाना में तैनात सहायक उप–निरीक्षक (एएसआई) प्रभु नाथ सिंह पर एक 10 वर्षीय बालक के साथ यौन शोषण का संगीन आरोप लगा है। पीड़ित बच्चे का नाम गोपनीयता बनाए रखने के लिए बदला गया है और उसे सूरज (काल्पनिक नाम) के रूप में संबोधित किया जा रहा है। इस घटना ने पूरे क्षेत्र में आक्रोश अविश्वास का माहौल पैदा कर दिया है। आयर थाना सुधीर कुमार ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते जानकारी दी कि पीड़ित बालक के परिजनों की लिखित शिकायत के आधार पर तत्काल प्रभाव से प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज कर ली गई है। शिकायत मिलते पुलिस ने बिना किसी देरी के आरोपी एएसआई प्रभु सिंह को हिरासत में ले लिया। थाना प्रभारी ने बताया इस मामले की गंभीरता को देखते हुए पीड़ित बालक मेडिकल परीक्षण कराया जा रहा है, और मेडिकल के आधार पर मामले की पूरी स्थिति स्पष्ट होगी। प्रभारी सुधीर कुमार ने आगे कहा, 'हमने पीड़ित परिजनों की शिकायत के आधार पर तुरंत कार्रवाई की आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसे जल्द न्यायिक हिरासत में भेजा जाएगा। हम इस मामले में पारदर्शिता के साथ जांच कर रहे हैं, और दोषी को भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा'। इस घटना ने आयर क्षेत्र के ग्रामीणों और स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश कर दिया है। लोग इस बात से स्तब्ध हैं कि पुलिसकर्मी पर कानून और व्यवस्था की रक्षा करने जिम्मेदारी थी, वहीं इस तरह के घृणित अपराध में पाया गया। स्थानीय निवासियों का कहना है कि इस और की घटनाएं न केवल समाज के लिए कलंक हैं, बल्कि प्रभारी पुलिस प्रशासन के प्रति आम जनता का भरोसा भी तोड़ती हुए हैं। एक स्थानीय निवासी रामप्रसाद सिंह ने गुस्से में कहा, पुलिस का काम है हमारी और हमारे बच्चों की सुरक्षा करना, लेकिन जब वहीं पुलिसकर्मी इस तरह के अपराध ही में शामिल हो जाए, तो हम किस पर भरोसा करें? हम मांग नाथ करते हैं कि आरोपी को कड़ी से कड़ी सजा दी जाए ताकि कि भविष्य में कोई दूसरा ऐसा करने की हिम्मत न का करे। पुलिस सूत्रों के अनुसार, इस मामले में भारतीय दंड रिपोर्ट संहिता (आईपीसी) की संबंधित धाराओं और पॉक्सो एक्ट थाना (Protection of Children from Sexual के Offences Act) के तहत मामला दर्ज किया गया है। है। पीड़ित बालक का मेडिकल परीक्षण स्थानीय अस्पताल में ही किया जा रहा है, और मेडिकल रिपोर्ट के आने के बाद पूरी जांच को और गति दी जाएगी। पुलिस ने यह भी आश्वासन किसी दिया है कि इस मामले में किसी भी तरह की लापरवाही थाना नहीं बरती जाएगी। यह घटना भोजपुर जिले में पुलिस पैदा प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठा रही है। लोगों जिस का कहना है कि पुलिसकर्मियों की भर्ती और उनकी की कार्यशैली की निगरानी में और सख्ती की जरूरत है। इस लिप्त घटना ने पुलिस प्रशासन के चयन और प्रशिक्षण प्रक्रिया तरह पर भी सवाल खड़े किए हैं। सामाजिक कार्यकर्ता अनीता देवी ने कहा, 'यह बेहद दुखद है कि एक पुलिसकर्मी, जो समाज की रक्षा के लिए नियुक्त किया गया है, वह स्वयं इस तरह के जघन्य अपराध में शामिल हो। पुलिस प्रशासन को अपने कर्मचारियों की पृष्ठभूमि और व्यवहार की गहन जांच करनी चाहिए।' बाल संरक्षण और मानवाधिकारों पर काम करने वाले विशेषज्ञों का कहना है कि इस तरह की घटनाएं बच्चों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव डालती हैं। सामाजिक कार्यकर्ता और बाल अधिकार कार्यकर्ता रमेश कुमार ने बताया, ऐसे मामलों में पीड़ित बच्चे को तुरंत मनोवैज्ञानिक सहायता और काउंसलिंग प्रदान की जानी चाहिए। साथ ही, इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए पुलिस प्रशासन को अपने कर्मचारियों के लिए नियमित प्रशिक्षण और नैतिक शिक्षा पर जोर देना होगा। पुलिस ने बताया कि आरोपी एएसआई प्रभु नाथ सिंह को जल्द ही कोर्ट में पेश किया जाएगा, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेजा जाएगा। इस मामले में पुलिस ने स्थानीय लोगों से भी अपील की है कि वे किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें और जांच में सहयोग करें। साथ ही, पुलिस ने यह भी आश्वासन दिया है कि इस मामले की जांच पूरी निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ की जाएगी।

☞ **कुकर्म के चक्कर में पहुंच गए जेल :–** घटना के संदर्भ में जानकारी देते हुए जगदीशपुर के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राजेश कुमार शर्मा ने बताया कि बताया कि प्राथमिकी के बाद न्यायिक प्रक्रिया के बाद आगे की कार्रवाई की जा रही है। पीड़ित बच्चे ने पूछताछ में पूरा घटनाक्रम बताया है। उसने बताया कि ASI ने कमरे में ले जाकर गंदा काम किया है। इस मामले मे प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। बच्चे को मेडिकल जांच के लिए अस्पताल भेजा गया। आरोपी ASI को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी ASI को ट्रांसफर जमुई हो चुका था। अब उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया। ●

आद्तन भ्रष्टाचारी हैं डीआरपी रवि प्रकाश श्रीवास्तव

● बिन्ध्याचल सिंह

‘नान्हे के बिगडी ई का सुधरी’ उद्धत भोजपुरी कहावत चरितार्थ होते पायेगे जब आप पीएम एफएमई योजना अन्तर्गत रवि प्रकाश श्रीवास्तव के मार्ग दर्शन के द्वारा स्थापित युनिट की धरातल की जॉच करेगें। 09 जुलाई 2025 को डी आर पी ने केवल सच प्रतिनिधि को जानकारी दी कि रवि प्रकाश श्रीवास्तव वितिय वर्ष-2025-2026 में वितिय वर्ष-2024-2025 की गलतियॉ नही दुहरा रहे है। जिसके आलोक में खबर प्रकाशित की गई थी। जबकि हक्कीकत कुछ और ही है। जुलाई के जानकारी के आलोक में सितम्बर-2025 के प्रथम सप्ताह में जब धरातल तक पहुॅचा गया तो जिस यूनिट का जिला साधन सेवी ने जानकारी प्रतिनिधि को दी थी वो यूनिट नही है। जिला उद्योग केन्द्र बक्सर के पत्रांक-202 दिनांक 24/01/2025 एवं 377 दिनांक 17/03/2025 के साथ एल डी एम

रवि प्रकाश श्रीवास्तव

बक्सर, रीजिनल मैनेजर मंडल कार्यालय पंजाब नेशनल बैक पुरवी रमना रोड रीगल परिसर में स्थित कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार बक्सर जिला में सेवा दे रहे जिला उद्योग केन्द्र में संचालित पीएमएफएमई योजना में भ्रष्ट जिला संसाधन सेवी रवि प्रकाश श्रीवास्तव के द्वारा की जा रही भ्रष्टाचार में निम्न पदाधिकारीयो का भूमिका संदिग्ध है। जैसा कि एल डी एम बक्सर, रीजिनल मैनेजर आरा, पंजाब नेशनल बैंक शाखा-कडसर से जानकारी प्राप्त हुई है। जिला उद्योग केन्द्र बक्सर के पत्रांक-377 एवं पत्रांक-202 के जानकारी में उन डी आर पी का नाम नही उपलब्ध कराई गई जिसमे 33 यूनिट केवल कागज पर है बावजुद इसके जिला उद्योग केन्द्र बक्सर ने भ्रष्ट डी आर पी रवि प्रकाश श्रीवास्तव का नाम व यूनिट की जानकारी क्यो नही उपलब्ध कराई गई। सूचना का अधिकार अधिनियम-2005 की धज्जियॉ उडाने वाले महाप्रबंधक के पास वो कौन सी मजबुरी है? अब तक की जानकारी के अनुसार डी आर पी रवि प्रकाश श्रीवास्तव वितीय वर्ष-2024-2025 में प्रत्येक यूनिट से लगभग 140000/-रू0 कमीशन के रूप ले चुके है जो जॉच का विषय है। प्रिय पाठकगण जून-2025 के अंक में डी आर पी रवि प्रकाश श्रीवास्तव के द्वारा ली जाने वाली कमीशन की जानकारी उपलब्ध कराई जा चुकी है जो आवेदक से प्राप्त जानकारी के आलोक में दी गई थी। अगर जुन की अंक को आधार माना जाय तो महाप्रबंधक जिला उद्योग केन्द्र के द्वारा कमीशन ली जा रही है। इस बात को प्रमाणित करता है। एलडीएम बक्सर, रीजिनल मैनेजर, पंजाब नेशनल बैक मंडल कार्यालय आरा, पंजाब नैशनल बैक कडसर, महाप्रबंधक जिला उद्योग केन्द्र बक्सर से बात-चीत से मालुम हुआ कि सभी पदाधिकारीयो के इशारा से ही जिला साधन सेवी रवि प्रकाश

PH:06182-242424
FAX:06182-242421
Email: coaralaw@pnb.co.in

CO/ARA/RTI/2024-25/269 21.12.2024

बिन्ध्याचल सिह
ग्राम- जादीपुर, पोस्ट- मदुआव
जिला- भोजपुर
पिन 802183
8935909034

विषय: सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत आपके आर.टी.आई. आवेदन के संबंध में

आपके आर टी आई आवेदन (रसीद संख्या 64F 989673) के सन्दर्भ में आपको सूचित किया जाता है कि-

PMFME एवं PMEGP योजना के अंतर्गत शाखा करसर से कुल ऋण आवेदक जिनको वित्तीय वर्ष 2024-25 में ऋण उपलब्ध कराया गया है की सूची इस प्रकार है-

Branch	No PMFME applications sanctioned between 01.04.2024 to 16.10.2024	No PMEGP application sanctioned between 01.04.2024 to 16.10.2024
Karsar	3	0

भवदीय,

लोक सूचना पदाधिकारी

अगर आप उपरोक्त सूचना से संतुष्ट नही है तो 30 दिन के अंदर प्रथम अपीलीय प्राधिकारी, मंडल प्रमुख, पंजाब नैशनल बैंक, होटल रीगल, रमना मैदान के पूर्व, आरा (बिहार) 802301 के समक्ष अपील कर सकते है।

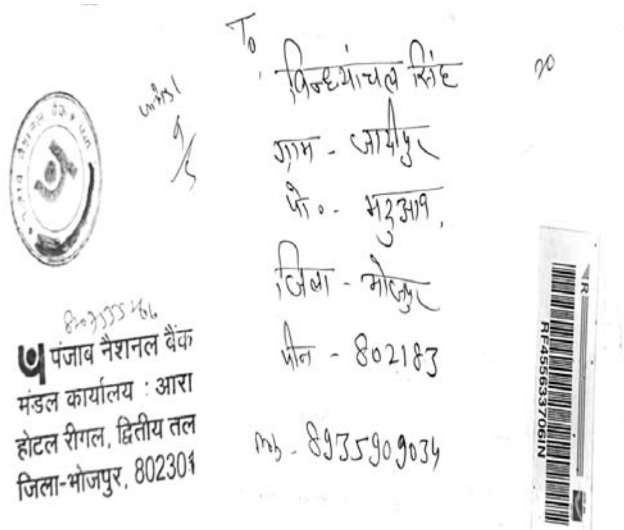

श्रीवास्तव के द्वारा पीएमएफएमई योजना में लुट की जा रही है। हालांकि सभी पदाधिकारीयो को केवल दस प्रतिशत कमीशन में सभी की हिस्सेदारी होती है जबकि अकेले रवि प्रकाश श्रीवास्तव का 25 प्रतिशत कमीशन बनता है,जो जॉच का विषय है।

जून-2025 के अंक में दी गई कमीशन की जानकारी इस प्रकार थी :-

सेवा शुल्क जिन्हे दिया जाता है		**कमीशन प्रतिशत में**
महाप्रबंधक, डी आई सी बक्सर	-	05
शाखा प्रबंधक बैक	-	10
जी एस टी	-	18
डी आर पी	-	02

उपरोक्त कमीशन विभित्र सूत्रो व आवेदक के आलोक में था। प्रिय पाठकगण जानकारी के लिये बताते चले कि खबर लिखे जाने तक डी आर पी रवि प्रकाश श्रीवास्तव का चार यूनिट की राशि वितिय बर्ष-2025-2026 में बैक से निकाली जा चुकी है, जो यूको बैक सोनवर्षा, बक्सर से सम्बन्धित है, जबकि 17 फाइल प्रक्रियाधीन है। परन्तु यक्ष प्रश्न यह है कि पूर्णतः भ्रष्ट डी आर पी की छतरी विभाग क्यो बना हुआ है। वो कौन सी मजबुरी है। जिसकी केवल वितिय वर्ष 2024-2025 में भ्रष्ट डी आर पी रवि प्रकाश श्रीवास्तव ने 28000000/- की यूनिट केवल कागज पर ही संचालित हो रही है। इतना ही नही श्रीवास्तव के द्वारा मशीन की खरीददारी का विचार केवल विराज इन्टरप्राइजेज मॉल गोदाम रोड, बलिया से कहा करते है जहाँ कोटेशन भेजो परन्तु मशीन नही नगद राशि पाओ। जो जॉच का विषय है। वितिय वर्ष 2025-26 में जिला उद्योग केन्द्र बक्सर में सेवा दे रहे लगभग सभी डी आर पी तन मन से राज्य स्तर पर बक्सर जिला को पीएमएफएमई योजना में प्रथम स्थान पाने के लिये अथक प्रयासरत है। जिला उद्योग केन्द्र बक्सर में आये इच्छुक नवयुवको ने आपसी बातचीत में बोल रहे थे, कि पीएमएफएमई योजना बेरोजगारी दूर कर स्वावलंम्बी बनने में सहायक सिद्ध हो रही है। मतलब साफ अनुभव हो रहा था कि जिला साध नसेवियो की मेहनत रंग ला रही है। जिला में कुछ ऐसे डी आर पी अथक प्रयास में है कि सचिन कुमार पाण्डेय और राजु जी, जो चर्चित नाम है इन दोनो डी आर पी को अपनी अथक प्रयास और कर्तब्यनिष्ठता के बल पर, या यूँ कहे कि अपनी मार्ग दर्शन के आलोक में यूनिट लगवाकर प्रथम स्थान प्राप्त करने के लिये रात-दिन मेहनत कर रहे है। जिला उद्योग केन्द्र बक्सर में सेवा दे रहे डी आर पी की मेहनत पर चिन्तन किया जाय तो ''आम का आम-गुठली का दाम'' वाली मुहावरा चरितार्थ होते नजर आएगी। अर्थात् मुहावरा स्पष्ट करता है कि डीआरपी की सोच है कि केन्द्र सरकार द्वारा दी जाने वाली मेहताना भी, जिला के डी आर पी में प्रथम स्थान भी और बक्सर राज्य स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त कर सके।

अब तक की जानकारी के अनुसार सफल डीआरपी की वरीयता सूची एवं आई.डी. नं. तथा भ्रष्ट डीआरपी की सूची

सचिन कुमार पाण्डेय,आई डी-194/39	- रवि प्रकाश श्रीवास्तव ''एक अकेला सब पे भारी''
राजू प्रसाद-194/47	
तीसरा-सोनी कुमारी-194/27	- कर्तब्यनिष्ठता व अथक प्रयासरत महिला डीआरपी
चन्दन कुमार यादव-194/40	- वितिय वर्ष 2025-2026 का उगता हुआ सूर्य
अभय कुमार दूबे-194/60	
शैलेन्द्र कुमार उपाध्याय-194/65	
दीपू कुमार श्रीवास्तव-194/06	
कृष्ण देव सिंह-194/52	

उपरोक्त डी आर पी की वरीयता सूची उपर-नीचे हो सकती है परन्तु जिला साधन सेवी रवि प्रकाश की घोटाले की राशि बढ सकती है परन्तु घट नही सकती। जिसका केवल सच बक्सर पुष्टि करता है। 29 अगस्त-2025 को जिला जनसम्पर्क कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिला साधन सेवी और विभाग की सफल एवं अथक प्रयास से उप विकास आयुक्त बक्सर संतुष्ट है। जो वितिय वर्ष-2025-2026 के लक्ष्य के अनुसार कार्य हो रहा है। बैठक में उपायुक्त बैकिंग श्री रंग बहादुर, प्रबंधक भारतीय रिजर्व बैंक श्री आशीष रंजन,महाप्रबंधक जिला उद्योग केन्द्र सुश्री ज्योत्सना वर्मा के साथ अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।●

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/8340360961

ई-मेलः- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

रिनवास के शताब्दी वर्ष समारोह में सम्मिलित हुए मुख्यमंत्री सोरेन

● **गुड्डी साव**

रिनपास में आधारभूत संरचना तथा शैक्षणिक व्यवस्था को मजबूत करने के साथ मानसिक मरीजों को बेहतर और आधुनिक इलाज की सभी सुविधाएं उपलब्ध होगी। ये बाते मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन रिनपास के 100 वर्ष पूरा होने के अवसर पर 4 अगस्त को आयोजित शताब्दी वर्ष समारोह के उद्घाटन सत्र में कही। उन्होने कहा कि मनोरोगियों के इलाज हेतु अत्याधुनिक तकनीकों का ज्यादा इस्तेमाल करने पर दिया जोर। उन्होंने कहा कि मानसिक समस्याओं से ग्रसित मरीजों तक सहजता और सरलता के साथ हमारी व्यवस्थाएं पहुंचे, इस पर विशेष ध्यान रखने की है जरूरत। रांची इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूरो साइकेट्री एंड एलाइड साइंस (रिनपास) में जल्द कई बदलाव देखने को मिलेंगे। रिनपास में आधारभूत संरचना तथा शैक्षणिक व्यवस्था को मजबूत किया जाएगा। यहां जो भी कमियां होगी, उसकी विस्तृत समीक्षा कर उसे दूर किया जाएगा। यहां मानसिक मरीजों को बेहतर सुविधाएं मिले, उनका अत्याधुनिक तरीके से इलाज की समुचित व्यवस्था हो, इस दिशा में राज्य सरकार सभी आवश्यक कदम उठाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज के समय रिनपास जैसे संस्थानों की भूमिका तेजी से बढ़ रही है। जिस तरह लोग मानसिक अवसाद की गिरफ्त में आ रहे हैं। वैसे में उन्हें बेहतर काउंसलिंग और इलाज की सुविधा उपलब्ध कराना बेहद जरूरी है। हालांकि , कोई भी व्यक्ति यह नहीं चाहता कि उसे रिनपास जैसे संस्थान में आने की नौबत आए, लेकिन मानसिक परेशानी, मजबूरी और परिस्थिति कई लोगों को यहां तक आने को मजबूर करती है। ऐसे में यहां आने वाले मनोरोगी पूरी तरह स्वस्थ होकर जाएं, इसके लिए यहां इलाज की बेहतर से बेहतर व्यवस्था की जाएगी। उन्होने इस बात पर विशेष जोर दिया कि मानसिक समस्याओं से जूझ रहे लोगों के इलाज में अत्याधुनिक तकनीकों के ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल करने की दिशा में हमें आगे बढ़ना होगा। रिनपास में मरीजों की मानसिक समस्याओं के समाधान के लिए जो भी डिजिटल चिकित्सा तकनीक की जरूरत होगी, उसे उपलब्ध कराया जाएगा। मुख्यमंत्री ने इस बात पर चिंता जताई कि कई परिजन अपने मरीज को यहां छोड़ कर चले जाते हैं और फिर उन्हें कभी लेने भी नहीं आते हैं। वहीं, कई बार घरों में ही मनोरोगी को अलग-अलग तरीके से 'कैद' कर रखा जाता है, जो हमारे परिवार और समाज के लिए अच्छा नहीं है। ऐसी परिस्थिति में मानसिक मरीजों की मन:स्थिति कैसी होती होगी, उसकी कल्पना भी हम नहीं कर सकते हैं। ऐसे में मानसिक समस्या से ग्रसित मरीजों तक सहजता और सरलता के साथ हमारी व्यवस्थाएं पहुंचे, इसके लिए गंभीरता से पहल करने की जरूरत है। उन्होने कहा कि 1925 में जब मनोचिकित्सा के क्षेत्र में इस संस्थान की स्थापना हुई थी, उस वक्त इसकी क्या जरूरत रही होगी, यह हम तो नहीं बता सकते हैं, लेकिन आज जिस तरह ऐसे संस्थान की अहमियत बढ़ चुकी है, वह बताने के लिए काफी है कि जिन्होंने भी आज से सौ वर्ष पहले रिनपास की नींव रखी होगी, वे कितने दूरदर्शी रहे होंगे। यह संस्थान पिछले 100 वर्षों से लोगों की सेवा में समर्पित है। यह सेवा भाव अनवरत जारी रहे, इसे और भी बेहतर बनाएंगे। बता दें कि रिनपास की स्मारिका तथा चार पुस्तकों का विमोचन भी किया गया। रिनपास के अवकाश प्राप्त निदेशक डॉ पीके चक्रवर्ती, डॉ एनएन अग्रवाल, डॉ अशोक कुमार प्रसाद, डॉ अशोक कुमार नाग एवं डॉ केके सिंह, रिटायर्ड मेडिकल सुपरीटेंडेंट डॉ प्रवीण कुमार, सेवानिवृत फैकल्टी मेंबर डॉ एएन वर्मा तथा डॉ केसी सेंगर अहम सेवा तथा योगदान के लिए सम्मानित किए गए। इस अवसर पर केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ, स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी, विधायक श्री राजेश कच्छप, विधायक श्री सुरेश कुमार बैठा, झारखंड राज्य समन्वय समिति के सदस्य श्री राजेश ठाकुर, पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री सुबोधकांत सहाय, स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री अजय कुमार सिंह, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड न्यूरो साइंसेज (NIMHANS), बेंगलुरु की निदेशक डॉ प्रतिमा मूर्ति, चीफ पोस्ट मास्टर जेनरल, झारखंड परिमंडल श्री विधान चंद्र रॉय, रिनपास के निदेशक डॉ अमूल रंजन सिंह समेत कई गणमान्य मौजूद थे।●

आत्म-निर्भर भारत अभियान की कार्यशाला का आयोजन

● **गुड्डी साव**

भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री,मुख्यालय प्रभारी एवं सांसद अरुण सिंह 18 सितंबर को अपने एक दिवसीय सांगठनिक प्रवास पर झारखंड आए। उन्होंने युवा मोर्चा द्वारा जीडी गोयनका स्कूल नामकुम में युवा मोर्चा द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर का उद्घाटन किया, परिसर में वृक्ष लगाए, प्रदेश कार्यालय में आयोजित आत्म निर्भर भारत अभियान की कार्यशाला को संबोधित किया, रातु रोड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर लगाई गई चित्र प्रदर्शिनी का अवलोकन किया। प्रदेश कार्यालय में आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान पर प्रदेश भाजपा द्वारा प्रदेश अध्यक्ष एवम नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी की अध्यक्षता में कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें बतौर मुख्य अतिथि अरुण सिंह शामिल हुए। कार्यशाला में प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष डॉ रविंद्र कुमार राय,प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष विकास प्रीतम, महामंत्री एवम सांसद आदित्य साहू, डॉ प्रदीप वर्मा,अभियान की प्रदेश टीम,जिला टीम,प्रदेश पदाधिकारी, सहित जिला अध्यक्ष एवम जिला प्रभारी गण शामिल हुए। संचालन प्रदेश महामंत्री एवम अभियान के प्रदेश संयोजक मनोज कुमार सिंह ने और धन्यवाद ज्ञापन गंगोत्री कुजूर ने किया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय महामंत्री एवम सांसद श्री अरुण सिंह ने कहा कि भाजपा समाज के साथ मिलकर स्वदेशी अपनाओ आत्म निर्भर भारत बनाओ का अभियान आगामी 25 सितंबर से 25 दिसंबर तक चलाएगी। उन्होंने कहा कि आत्म निर्भर भारत का रास्ता स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने से ही मजबूत होता है। स्वदेशी का अर्थ वह उत्पाद जिसमें भारतीय लोगों का पसीना बहा हो। जिसमें भारत की मिट्टी का सुगंध हो। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वोकल फॉर लोकल का आहवान आत्मनिर्भर भारत की कुंजी है। जिससे लोगों को रोजगार भी मिलेंगे भारत आर्थिक दृष्टि से मजबूत होगा। उन्होंने केंद्र सरकार की जीएसटी सुधार की सराहना करते हुए कहा कि दरों में कटौती गांव,गरीब किसान को राहत देने वाला है। देश के हर घर को राहत देने वाला है। उन्होंने कहा कि आत्म निर्भर भारत अभियान भारत को तीसरी और दूसरी अर्थव्यवस्था बनाने के मार्ग को तेज गति से प्रशस्त करेगा। प्रदेश अध्यक्ष एवम नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि आत्म-निर्भर भारत अभियान देश के प्रत्येक नागरिक का राष्ट्रीय दायित्व है। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प को पूरा करने केलिए आत्म निर्भर भारत के अम्बेसडर बने। घर घर जाएं और अभियान को सफल बनाएं।

कार्यकारी अध्यक्ष डॉ रविंद्र कुमार राय ने कहा कि देश आज आर्थिक आजादी की लड़ाई भाजपा के नेतृत्व में लड़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसके ध्वजवाहक हैं। अटल जी के नेतृत्व में भारत ने सामरिक रूप से आजादी पाई थी नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व भारत आर्थिक आजादी प्राप्त करेगा। प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती 25 सितंबर से लेकर श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की जयंती 25 दिसंबर तक चलने वाले आत्म निर्भर भारत संकल्प अभियान को सफल बनाएं। उन्होंने इस अभियान के तहत होने वाले घर घर संपर्क अभियान, हस्ताक्षर अभियान, व्यापारी, प्रोफेशनल्स सम्मेलन, स्वदेशी सेमिनार, स्वदेशी मेला,संगोष्ठी, स्कूल कॉलेज में आयोजित किए जाने वाले संकल्प कार्यक्रम की विस्तृत चर्चा की। उन्होंने कहा कि अभियान में पार्टी के विभिन्न मोर्चा युवा, महिला, एसटी, एससी आदि द्वारा कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस अभियान में पार्टी के सांसद, विधायक, जनप्रतिनिधि में शामिल होंगे। 1 से 25 दिसंबर तक प्रदेश भर में संकल्प यात्रा भी निकाली जाएगी। अभियान के दौरान विभिन्न

स्तरों पर चित्रकला,रंगोली जैसी प्रतियोगिताएं, प्रभात फेरी , दीवार लेखन आदि कार्यक्रम भी होंगे। उन्होंने पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से अभियान को जन जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। प्रदेश उपाध्यक्ष विकास प्रीतम सिन्हा ने कार्यशाला में जीएसटी के सुधारों पर प्रकाश डाला। कार्यशाला में प्रदेश उपाध्यक्ष, राकेश प्रसाद, नीलकंठ सिंह मुंडा, आरती कुजूर, भानु प्रताप शाही, बड़कुंवर गगराई, गणेश मिश्र, मुन्ना मिश्र, सरोज सिंह, मुनेश्वर साहू, दुर्गा मरांडी, मनोज महतो, हेमंत दास, शिवपूजन पाठक, योगेंद्र प्रताप सिंह, राहुल अवस्थी, विधायक राज सिन्हा, पूर्व विधायक बिरांची नारायण, राकेश भास्कर, रजनीश पांडेय सहित अभियान से जुड़े जिलों की टीम शामिल थे।●

सीएमपीडीआई को रेयर अर्थ एलीमेंट्स ब्लॉक के लिए गवेषण लाइसेंस हुआ प्राप्त

● गुड्डी साव

17 सितम्बर को सीएमपीडीआई को राजस्थान में नवताला-देवीगढ़ रेयर अर्थ एलीमेंट्स (आरईई) गवेषण ब्लॉक के लिए आधिकारिक गवेषण लाइसेंस प्रमाण-पत्र प्राप्त हुआ। हैदराबाद में राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन के अंतर्गत उत्कृष्टता केन्द्र पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में केन्द्रीय कोयला एवं खान मंत्री श्री जी0 किशन रेड्डी ने सीएमपीडीआई को गवेषण लाइसेंस प्रमाण-पत्र प्रदान किया। यह प्रमाण-पत्र कोल इंडिया के अध्यक्ष श्री पी0एम0 प्रसाद, सीएमपीडीआई के महाप्रबंधक (गवेषण) श्री राजीव कुमार सिंह एवं वरीय प्रबंधक (भूविज्ञान) डॉ0 आर0पी0 सिंह ने ग्रहण किया। इस लाइसेंस का अधिग्रहण एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जो भारत के औद्योगिक विकास और तकनीकी उन्नति के लिए महत्वपूर्ण खनिज संसाधनों के रणनीतिक गवेषण और विकास में एक प्रमुख परामर्शदाता

एजेंसी के रूप में सीएमपीडीआई की स्थिति (स्थान) को और सुदृढ़ करता है। इस आरईई ब्लॉक का गवेषण उच्च-तकनीकी अनुप्रयोगों, स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों और रक्षा क्षेत्रों के लिए आवश्यक खनिजों के स्वदेशी स्रोतों को सुरक्षित करने की राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप है। यह उल्लेख करना प्रासंगिक होगा कि कोयला और लिग्नाइट से आगे बढ़कर अपने विविधीकरण प्रयासों के तहत, सीएमपीडीआई ने बाक्साइट गवेषण से संबंधित तीन परियोजनाओं और आधार धातुओं जैसे ताम्बा, शीशा और जस्ता गवेषण से संबंधित एक परियोजना को सफलतापूर्वक पूरा किया है और मैग्नेटाइट ब्लॉक में गवेषण प्रगति पर है। यह विस्तार भारत की सुरक्षा और औद्योगिक विकास के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण और रणनीतिक खनिजों की एक विस्तृत श्रृंखला के गवेषण के लिए सीएमपीडीआई की बढ़ती विशेषज्ञता और प्रतिबद्धता को दर्शाता है।●

स्वच्छता शपथ दिलाकर विशेष अभियान 5.0 की शुरूआत

● गुड्डी साव

सीएमपीडीआई के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री मनोज कुमार ने 15 सितंबर को मुख्यालय-रांची एवं क्षेत्रीय संस्थान-3 रांची के कर्मियों को स्वच्छता शपथ दिलाकर विशेष अभियान 5.0 की शुरूआत की। इस अवसर पर महाप्रबंधक (समन्वय) श्री राजीव कुमार सिन्हा, मुख्यालय-रांची एवं क्षेत्रीय संस्थान-3, रांची के महाप्रबंधक व विभागाध्यक्षगण, वरीय अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे। यह अभियान दो चरणों में आयोजित किया जाएगा। प्रारंभिक चरण 15 सितम्बर से 30 सितम्बर, 2025 और कार्यान्वयन चरण 02 अक्टूबर से 31 अक्टूबर, 2025 चलेगा। इस अभियान में आधुनिक सफाई पद्धतियों, कार्यालय स्थलों के इष्टतम उपयोग, ई-कचरे के वैज्ञानिक प्रबंधन, समावेशिता, नागरिक-केंद्रित दृष्टिकोण और सभी कार्यालयों में कार्यस्थल की स्थिति में सुधार पर केंद्रित होगा। इन पहलों के माध्यम से सीएमपीडीआई एक स्वच्छ, अधिक कुशल और

समावेशी कार्य वातावरण के निर्माण के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है, जो महात्मा गांधी जी के एक स्थायी और प्रगतिशील भविष्य के दृष्टिकोण में योगदान देता है।●

सीसीएल की आम्रपाली और बिरसा परियोजनाओं को 5-स्टार अचीवर्स अवॉर्ड से नवाजा गया

● गुड्डी साव

सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) की प्रतिष्ठित आम्रपाली ओपनकास्ट परियोजना (ओसीपी) और बिरसा ओपनकास्ट परियोजना को 6 सितंबर को मुंबई में आयोजित एक भव्य समारोह में "5-स्टार अचीवर्स अवॉर्ड" प्रदान किया गया। यह सम्मान ओपनकास्ट माइंस श्रेणी में उनकी उत्कृष्ट कार्यप्रणाली, सुरक्षा मानकों, पर्यावरण संरक्षण और सतत खनन प्रथाओं में किए गए उत्कृष्ट योगदान की आधिकारिक पहचान है।

सीसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री निलेंदु कुमार सिंह ने निदेशक (तकनीकी/संचालन) श्री चंद्र शेखर तिवारी और संबंधित क्षेत्रों के महाप्रबंधकों के साथ मिलकर यह प्रतिष्ठित पुरस्कार ग्रहण किया। यह सम्मान उन्हें भारत सरकार के माननीय कोयला एवं खान मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी, माननीय राज्य मंत्री (कोयला एवं खान) श्री सतीश चंद्र दुबे, कोयला सचिव श्री विक्रम देव दत्त, अतिरिक्त सचिव (कोयला) श्रीमती रुपिंदर बरार एवं अन्य विशिष्ट अतिथियों के कर-कमलों से प्रदान किया गया।

आपको बता दें कि सीसीएल न केवल राष्ट्र की ऊर्जा सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को भी पूरी निष्ठा से निभा रही है। आम्रपाली और बिरसा परियोजनाओं की यह सफलता सीसीएल के कर्मठ अधिकारियों और कर्मचारियों की मेहनत और समर्पण का परिणाम है। कंपनी उत्पादन और दक्षता के साथ-साथ सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और समावेशी विकास को और भी सशक्त करने के लिए प्रतिबद्ध है।

सीसीएल निरंतर नए मापदंड स्थापित करते हुए देश को ऊर्जा प्रदान करने की दिशा में अग्रसर है। यह उपलब्धि निश्चित रूप से 'एक जिम्मेदार खनन कंपनी' के रूप में सीसीएल की पहचान को और मजबूत करती है।●

जल्द जारी होंगे 15वें वित्त आयोग के अनुदान

● गुड्डी साव

ग्रामीण विकास मंत्री, दीपिका पांडे सिंह से 4 सितंबर को नई दिल्ली में भारत सरकार के पंचायती राज मंत्रालय के सचिव की मुलाकात हुई। बैठक में मुख्य रूप से 15वें वित्त आयोग के अनुदान को शीघ्र स्वीकृत करने पर बल दिया गया। मंत्री दीपिका पांडे ने स्पष्ट किया कि झारखंड सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता ग्राम पंचायतों को सशक्त कर ग्रामीण विकास को नई दिशा देना है। उन्होंने अपेक्षा व्यक्त की कि 15वें वित्त आयोग की अगली किस्त शीघ्र जारी की जाए, ताकि योजनाओं का लाभ सीधे गाँव-गाँव तक पहुँच सके। उन्होंने कहा कि अनुदान जारी होने से ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों को गति मिलेगी और आधारभूत संरचनाएँ मजबूत होंगी। इस पर पंचायती राज मंत्रालय के सचिव ने सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया।

बैठक के दौरान आरजीएसए के अंतर्गत अतिरिक्त फंड सहायता, पंचायत एडवांसमेंट इंडेक्स 2.0 प्रशिक्षण, सैटेलाइट आधारित दूरस्थ शिक्षा सुविधा, ग्राम पंचायतों का सोलराइजेशन तथा यूनिफाइड पंचायत डिजिटलाइजेशन से संबंधित प्रस्ताव भी रखे गए। इस अवसर पर उनके साथ विभागीय सचिव मनोज कुमार (आईएएस), निदेशक (पंचायती राज, झारखंड) श्रीमती राजेश्वरी बी. तथा भारत सरकार के पंचायती राज मंत्रालय के क्पतमब. जवत (Capacity Building) विपुल उज्जवल सहित अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे।●

गोलमेज सम्मेलन में शामिल हुए मंत्री योगेंद्र

● गुड्डी साव

सितम्बर माह की पहली तारीख को मंत्री, पेयजल एवं स्वच्छता तथा उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग, योगेंद्र प्रसाद भारत मंडपम, नई दिल्ली में पेयजल और स्वच्छता विभाग, जल शक्ति मंत्रालय द्वारा स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण (एसबीएम-जी) प्रगति एवं एसबीएम के अगले चरण पर मंथन के संबंध में आयोजित गोलमेज सम्मेलन में शामिल हुए। इस अवसर पर मंत्री ने राज्य में स्वच्छ भारत मिशन के क्रियान्वयन के दौरान सामने आ रही चुनौतियों एवं जमीनी परेशानियों की विस्तार से जानकारी साझा की। साथ ही उन्होंने व्यवहारिक सुझाव प्रस्तुत करते हुए आग्रह किया कि इन सिफारिशों को शीघ्र लागू किया जाए, जिससे मिशन की गति और अधिक तेज एवं प्रभावी हो सके। बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल और राज्य मंत्री श्री वी सोमन्ना जी द्वारा की गई। सम्मेलन में स्वच्छ भारत मिशन (जी) के अंतर्गत उपलब्धियों और प्रगति की समीक्षा की गई। इसका मुख्य फोकस खुले में शौच मुक्त (ओडीएफ) प्लस मॉडल की स्थिरता, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन प्रणालियों को सुदृढ़ करना और गोबरधन तथा मल अपशिष्ट प्रबंधन जैसे नवाचारी मॉडलों का विस्तार करने पर रहा। इसमें अगले चरण की प्राथमिकताओं की रूपरेखा पर भी चर्चा हुई। इसमें प्रणाली सुदृढ़ीकरण, डिजिटल नवाचार और जलवायु प्रतिस्कंदन संबंधी लक्ष्यों के साथ तालमेल पर विशेष बल दिया गया। बैठक में विभिन्न राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के मंत्रीगण और अधिकारीगण शामिल हुए।

वही अगले दिन 2 सितंबर को मंत्री, पेयजल एवं स्वच्छता सह उत्पाद एवं मद्द निषेध विभाग योगेंद्र प्रसाद ने नई दिल्ली में मंत्री, जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार सी.आर. पाटिल से मुलाकात की। इस अवसर पर राज्य में चल रही नल-जल योजना की प्रगति और उससे जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत चर्चा हुई। मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने राज्य में इस महत्वाकांक्षी योजना के सफल एवं समयबद्ध क्रियान्वयन हेतु केंद्रांश की लंबित राशि को अविलंब विमुक्त करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि समय पर राशि उपलब्ध होने से योजनाओं के कार्यान्वयन में तेजी आएगी और राज्य के ग्रामीण एवं शहरी दोनों क्षेत्रों के आमजन को इसका प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। मंत्री जी ने यह भी रेखांकित किया कि स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है और इस दिशा में केंद्र सरकार का सहयोग आवश्यक है। उन्होंने कहा कि समयबद्ध सहयोग से पेयजल आपूर्ति व्यवस्था में सुधार होने के साथ साथ जन-स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के क्षेत्र में भी सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेगा। केंद्रीय मंत्री श्री सी.आर. पाटिल ने राज्य के हित में शीघ्र राशि विमुक्त करने एवं झारखंड को हर संभव सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया। इस दौरान मंत्री के साथ जल जीवन मिशन के अभियान निदेशक, झारखंड श्री रमेश घोलप, एसबीएम के मिशन निदेशक, इंजीनियर इन चीफ, चीफ इंजीनियर समेत कई विभागीय अधिकारियों की पूरी टीम की उपस्थिति रही। ●

मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने माल एवं सेवा कर परिषद की 56वीं बैठक में लिया भाग

● गुड्डी साव

वित्त मंत्रालय भारत सरकार द्वारा आयोजित की जा रही दो दिवसीय, माल एवं सेवा कर परिषद (Goods & Service Tax Council) की 56वीं बैठक (3 एवं 4 सितंबर 2025) में झारखंड प्रदेश के वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने भाग लिया और प्रदेश सरकार की नीतियों को साझा किया। माल एवं सेवा कर (जी एस टी) के टैक्स स्लैब को पुन: निर्धारित कर अलग अलग वस्तुओं के कर को निर्धारित करने के उद्देश्य से वित्त मंत्रालय भारत सरकार द्वारा दिल्ली में 3 सितंबर से दो दिवसीय, माल एवं सेवा कर परिषद (Goods & Service Tax Council) की बैठक कि शुरुआत हुई। 3 एवं 4 सितंबर को चलने वाली इस बैठक में देश के सभी प्रदेशों के वित्त मंत्री अथवा शीर्ष अधिकारी भाग लिए। इस बैठक की अध्यक्षता वित्त मंत्री भारत सरकार श्रीमती निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में की गई। झारखंड सरकार की तरफ से वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर इसमें भाग लेने पहुंचे। गौरतलब है कि झारखंड प्रदेश जी0 एस0 टी0 में कुछ बदलाव और राज्यों के राजस्व को और सुदृढ़ करने में इसकी सहभागिता पर जोर देता रहा है।●

1.7 किलो अवैध गादा अफीम के साथ युवक गिरफ्तार

● गुड्डी साव

7 सितंबर को समय करीब 11:00 बजे गुप्त सूचना मिली कि तुपुदाना ओ०पी० अंतर्गत डुंडीगढ़ा में एक व्यक्ति गादा अफीम का अवैध रूप से खरीद-बिकी करने वाला है। इसकी सूचना प्रमोद कुमार मिश्रा, पुलिस उपाधीक्षक, हटिया को दिया गया। पुलिस उपाधीक्षक, हटिया के नेतृत्व में पु०अ०नि० दुलाल कुमार महतो, ओ०पी० प्रभारी तुपुदाना ओ०पी०, सशस्त्र बल के जवान के साथ सरकारी वाहन से हुंडीगढ़ा के लिए प्रस्थान किये। डुंडीगढ़ा बाजार के पास एक व्यक्ति गुलाबी रंग का फूल छाप झोला लेकर आया, जिसे सशस्त्र बल के सहायता से पकड़ा गया। पकड़ाये व्यक्ति से पुछताछ करने पर अपना नाम सुरज केरकेट्टा, उम्र 27 वर्ष, पिता मुचीराय केरकेट्टा, सा० कुरकुटिया, थाना जिला खूँटी बताया। पुलिस उपाधीक्षक हटिया के द्वारा तलाशी लेने पर उसके पास से गुलाबी रंग का फूल छाप झोला में प्लास्टिक में बंधा 1.7 किलोग्राम अवैध गादा अफीम मिला, जिसे विधिवत जप्ती सूची बनाकर जप्त किया गया तथा सुरज केरकेट्टा, उम्र 27 वर्ष, पिता मुचीराय केरकेट्टा, सा० कुरकुटिया, थाना+जिला खूँटी को विधिवत गिरफ्तार किया गया।

❖ **जप्त सामान का विवरण :-**

☞ 1.7 किलोग्राम अवैध गांजा अफीम

❖ **गिरफ्तार अभियुक्त की विवरणी :-**

☞ सुरज केरकेट्टा, उम्र-27 वर्ष, पिता मुचीराय केरकेट्टा, सा० कुरकुटिया, थाना जिला खूँटी।

❖ **छापामारी दल में शामिल पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिसकर्मी का नाम :-**

☞ श्री प्रमोद कुमार मिश्रा, पुलिस उपाधीक्षक, हटिया, राँची।

☞ पु०अ०नि० दुलाल कुमार महतो, ओ०पी० प्रभारी, तुपुदाना ओ०पी०, राँची।

☞ पु०अ०नि० राकेश कुमार, तुपुदाना ओ०पी०, राँची।

☞ आ0/2327 जामिन सिंह मुण्डा, तुपुदाना ओ०पी०, राँची।

☞ आ0/2052 जॉन कन्डुलना, तुपुदाना ओ०पी०, राँची।

☞ आ0/3874 साकेत शास्वत, तुपुदाना ओ०पी०, राँची।

☞ ल०चा०आ०/1097 मनकु यादव, तुपुदाना ओ०पी०, राँची।●

झारखण्ड की बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था

जमीनी हकीकत और सरकारी दावों की पोल

● भारती मिश्रा

इस राज्य के जनता का क्या होगा जहां के नेता मंत्रियों को ही नहीं है वहां के स्वास्थ्य व्यवस्था पर विश्वास। अभी हालिया घटनाओं की बात करे तो हमारे झारखंड के जितने भी नेता मंत्री बीमार पड़ रहे हैं उन्हें बेहतर इलाज के लिए बाहर के राज्यों की ओर रुख करना पड़ रहा है, खास कर राजधानी दिल्ली की तरफ। अब राज्य के नेता - मंत्री और पूंजीपति तो सक्षम है कि वह निजी अस्पतालों में या अन्य राज्यों में जाकर इलाज करवा सकते हैं, पर आम जनता के दिल पर क्या गुजरती होगी जो यही इलाज करवाने पर मजबूर है?? वो लोग करें क्या वह ऐसे ही किस्मत के भरोसे अपनी जिंदगी की जंग हारते रहे, अपने परिजनों के खोने का दुख सहते रहे।

एक लंबी लड़ाई लड़ने के बाद झारखंड को अलग राज्य का दर्जा मिला। झारखंड जो एक ओर खनिज संसाधनों और प्राकृतिक सौंदर्य से समृद्ध है, तो वहीं झारखंड 15 नवंबर 2000 को बिरसा मुंडा की जयंती के दिन बिहार से अलग होकर भारत का 28 व राज्य बना लेकिन पिछले 24 वर्षों में भी विकास के नाम पर अभी उतना विकास नही कर पाया, खास कर स्वास्थ्य के क्षेत्र में, स्वास्थ्य के क्षेत्र में अभी भी कोई विशेष परिवर्तन नहीं हुआ है। आज भी हमारे स्वास्थ्य मंत्री सदन में खड़े होकर मानते हैं कि अभी हमारे पास व्यवस्थाओं में कमी है। आज भी झारखंड स्वास्थ्य व्यवस्था की दृष्टि से एक गंभीर संकट का सामना कर रहा है। सरकारी अस्पतालों में डॉक्टरों की भारी कमी है, नर्सिंग स्टाफ नदारद है, और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (PHC) व सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) कागजों में तो मौजूद हैं, लेकिन जमीन पर इलाज के लिए लोग दर-दर भटकते हैं। शहरी क्षेत्रों में कुछ सुविधाएं भले मौजूद हों जैसे रांची का सदर अस्पताल, रिम्स आदि, लेकिन ग्रामीण इलाकों में स्थिति भयावह है। एक तरफ तो रिम्स पार्ट 2 (राजेन्द्र इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस, रांची) बनाने की बातें हो रही है, और रिम्स पार्टी 2 की नितांत आवश्यकता भी है, क्योंकि झारखंड ही नहीं झारखंड के सीमावर्ती राज्यों से भी लोग इलाज करवाने यहां आते हैं, जिसके कारण वहां संसाधनों से अधिक भीड़ है। लोगो को बेड उपलब्ध नही हो पाता है सर्दी,गर्मी बरसात में लोग बरामदे में जमीन में लेट कर इलाज करवाने पर मजबूर है। और इसी भीड़ की दुहाई दे कर झारखंड के पूर्व और वर्तमान स्वास्थ्य मंत्री अपना पीछा छुड़ाते आए है। लेकिन क्या? यह कह देने से रिम्स (राजेंद्र इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस, रांची) के रख रखाव में जो भारी कमियां है। डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ की कमी है वह दूर हो जाएगी?? क्या मात्र यह क्या देने से कि हमारे यहां भीड़ अधिक है उसे चिकित्सा व्यवस्था में और रख रखाव में जो कमियां हैं वो दूर हो जाएगी??झारखंड में पूरी स्वास्थ्य व्यवस्था ही वेंटिलेटर पर है।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र या CHC की छोड़िए, सभी सदर अस्पतालों, एवं MGM व SNMMC सरीखे मेडिकल कॉलेजों में ना तो जांच की सुविधा है, ना दवाईयां...। उनका एकमात्र कार्य सिर्फ मरीजों को रेफर करना है। अगर इन अस्पतालों को ठीक किया जाए तो रिम्स समेत रांची के अस्पतालों पर दबाव स्वत: कम हो जायेगा। यह झारखंड का दुर्भाग्य है कि संथाल परगना में खाट पर ले जाए जा रहे मरीजों

के वीडियो आए दिन वायरल होते रहते हैं, दवाइयों और स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी पर अखबारों में रोज खबरें छपती हैं, लेकिन हालात जस के तस रहते हैं। और बातें इतनी बड़ी-बड़ी होती हैं, कि...। निजी अस्पतालों की बात करे तो स्थिति और ही भयावह है वहा मरीज बस पैसा उगाही का साधन मात्र है। अभी हाल ही में रांची (लिटिल हार्ट अस्पताल, अरगोड़ा) के एक निजी अस्पताल में मानवता को शर्मसार कर देने वाली मामला सामने आया है, जहां एक नवजात शिशु की मृत्यु के बाद भी उसे चार दिनों तक वेंटिलेटर पर रखकर परिजनों से लगातार पैसे वसूले गए। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में यह पुष्टि हो चुकी है कि बच्चे की मौत पहले ही हो चुकी थी, बावजूद इसके अस्पताल प्रबंधन और डॉक्टरों ने परिजनों को अंधेरे में रखकर इलाज के नाम पर मोटी रकम की उगाही की। इस अमानवीय हरकत ने न केवल चिकित्सा पेशे की गरिमा को कलंकित किया है, बल्कि एक दु:खी परिवार की भावनाओं के साथ भी क्रूर मजाक किया है। जानकारी के अनुसार, डॉक्टरों ने झूठ बोलकर बच्चे को वेंटिलेटर पर जिंदा बताया और मृत शरीर के लिए लाखों रुपये का बिल थमा दिया। इस संबंध में रांची के अरगोड़ा थाना में बच्चों के पिता के द्वारा एफआईआर दर्ज की गई है।

स्वास्थ्य सेवाओं की आंकड़ों की हकीकत :- WHO के मानक के अनुसार प्रति 1000 व्यक्ति पर एक डाक्टर होना चाहिए लेकिन झारखंड के अधिकांश जिलों में लगभग प्रति 3000 व्यक्ति पर 1 डॉक्टर भी उपलब्ध नहीं है, नर्सिंग पद खाली हैं। राज्य के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में नियमित डॉक्टर उपलब्ध नहीं हैं। एम्बुलेंस सेवा अक्सर ठप रहती है, जिससे कई बार मरीज रास्ते में ही दम तोड़ देते हैं। अभी हाल ही की घटना है, एक वृद्ध व्यक्ति के घायल होने जाने पर समय से एंबुलेंस उपलब्ध न होने के कारण स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी वृद्ध व्यक्ति को ऑटो पर अस्पताल भेजते नजर आए, जिसकी भाजपा नेताओं ने जमकर आलोचना की और सवाल उठाए कि मिनटों में एंबुलेंस उपलब्ध कराने की दावा करने वाली सरकार की सच्चाई यह है कि मरीज को ऑटो में अस्पताल भेजना पड़ रहा है। यह घटना गोविंदपुर थाना क्षेत्र की है। आम आदमी के लिए एम्बुलेंस तक नही तो वही कोई नेता मंत्री बीमार पड़ जाए तो मिनटों में इयर एंबुलेंस का इंतजाम हो जाता है। ग्रामीण इलाकों की त्रासदी तो और ज्यादा है,गांवों में स्वास्थ्य केंद्र तो बनाए गए हैं, लेकिन उनमें न डॉक्टर हैं, न दवाइयां, न उपकरण। कई केंद्रों पर केवल एक कंपाउंडर या आशा वर्कर के भरोसे पूरा इलाका चल रहा है। आपातकालीन स्थिति में एम्बुलेंस तो दूर, लोगों को मरीजों को चारपाई या बैलगाड़ी पर लादकर कई किलोमीटर दूर अस्पताल ले जाना पड़ता है। वैसे झारखंड के वर्तमान स्वास्थ्य मंत्री के अनुसार ये आम बात है।

पिछले 5 वर्षों में बजट में साल दर साल वृद्धि तो हुई, लेकिन यह केवल कागजों पर सीमित रही। जमीनी स्तर पर न तो अस्पतालों की संख्या बढ़ी और न ही इलाज की गुणवत्ता में कोई खास सुधार आया। अधिकतर पैसा नया निर्माण, घोषणाओं और अधूरी परियोजनाओं में ही अटक गया।

☞ **जनता की पीड़ा : कड़वी सच्चाई :-** कही गर्भवती महिला ने समय पर इलाज न मिलने से दम तोड़ दिया। तो कही मलेरिया से सैकड़ों मौतें, सिर्फ इस वजह से कि गांवों में दवाइयाँ और मच्छरदानी नहीं पहुंचाई गई। कही किसी को सांप ने काट लिया, लेकिन समय पर एंटीवेनम नहीं मिलने से उसकी जान चली गई। कहीं समय पर एंबुलेंस नहीं पहुंचने से जान चली गई। सरकारी दावे और जमीनी सच्चाई में फर्क सरकार हर साल हेल्थ मिशन, वेलनेस सेंटर, मोबाइल क्लीनिक जैसी योजनाओं की घोषणा करती है, लेकिन इन योजनाओं का कार्यावयन बेहद धीमा और भ्रष्टाचार-ग्रस्त है। अधिकांश टेंडर अधूरे रह जाते हैं और दवाइयों की आपूर्ति पर बड़े सवाल उठते हैं। नेताओं और पूंजीपतियों की दोहरी नीति। राज्य के नेता और बड़े अफसर खुद और अपने परिवार का इलाज दिल्ली, मुंबई या विदेश में कराते हैं। जबकि आम जनता को स्थानीय अस्पतालों में बुनियादी इलाज भी नसीब नहीं। यह वर्ग-आधारित स्वास्थ्य असमानता एक गंभीर सामाजिक अन्याय को दर्शाती है।

झारखंड की स्वास्थ्य व्यवस्था का यह संकट केवल आंकड़ों का खेल नहीं, बल्कि जीवन और मृत्यु का सवाल बन गया है। जब तक सरकार और समाज मिलकर इसे अपनी प्राथमिकता नहीं बनाएंगे, तब तक झारखंड के गांवों में लोग किस्मत के भरोसे दम तोड़ते रहेंगे। झारखंड अलग राज्य बने हुए इतने साल हो गए लेकिन अभी भी सिर्फ पिछले सरकार कि कमियों पर बात होती है, लेकिन जिस दिन अपनी उपलब्धि पर बात हो तो शायद स्थिति बदल जाए। अब जरूरत है एक ठोस नीति, ईमानदार नीयत और जन-जागरूकता की। स्वास्थ्य कोई सुविधा नहीं, बल्कि मौलिक अधिकार है और इसे सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है। डॉक्टरों और नर्सों की नियमित नियुक्ति और ग्रामीण क्षेत्रों में तैनाती सुनिश्चित की जाए। हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर का आधुनिकीकरण हो, खासकर जिला और ब्लॉक स्तर पर।एम्बुलेंस और दवा आपूर्ति की निगरानी के लिए ग्राम स्तर पर समिति बने। स्वास्थ्य बजट का पारदर्शी उपयोग और सामाजिक ऑडिट की व्यवस्था लागू हो। जनता को स्वास्थ्य के अधिकार के तहत न्याय दिलाया जाए।●

विस्थापन एवं पुनर्वास आयोग का गठन

आशा की किरण या आंख में धूल झोंकने का काम

● भारती मिश्रा

झारखंड सरकार की विस्थापन एवं पुनर्वास आयोग का गठन का फैसला विस्थापन का त्रासदी झेल रहे लोगो में आशा की किरण काम करेगा। यह – वहा भटक रहे लोगों को अस्थायित्व मिलेगी। झारखंड मुक्ति मोर्चा शुरू से ही जल जंगल जमीन की लड़ाई लड़ रहा है। झारखंड जहां खनिज संपदा एवं प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण राज्य है तो वही इसका खामियाजा समय-समय पर यहां के मूल वासियों को खासकर आदिवासियों को झेलना पड़ा है। खनन, उद्योग, सिंचाई ,सड़क रेलवे जैसी परियोजनाएं, ने जहाँ एक ओर विकास को रफ्तार दी है, वहीं दूसरी ओर हजारों परिवारों को बेवक्त बेघर भी कर दिया और उन्हें विस्थापन त्रासदी झेलना पड़ा है। इन्हीं विस्थापितों के अधिकारों की रक्षा के लिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए 'विस्थापन एवं पुनर्वास आयोग' के गठन की घोषणा की है।

❖ **आयोग गठन की पृष्ठभूमि :-** झारखंड में दशकों से विकास परियोजनाओं के नाम पर लोगो से जबरन उनकी भूमि का अधिग्रहण किया गया है और बिना पुनर्वास के के उन्हे उनके हाल में छोड़ दिया गया। सरकार के सामने विस्थापन की शिकायतें निरंतर आती रही हैं। खनन कंपनियों और सरकारी योजनाओं के चलते आदिवासी और ग्रामीण समुदायों की जमीन छिनी गई, लेकिन बदले में न मुआवजा मिला, न रोजगार। इन्हीं सामाजिक और आर्थिक अन्यायों के समाधान के लिए हेमंत सोरेन सरकार ने 2023 में "झारखंड राज्य विस्थापन एवं पुनर्वास आयोग" के गठन की प्रक्रिया शुरू की, जो अब जाकर 2025 में मूर्त रूप लेने जा रही है।

❖ **आयोग का उद्देश्य :-**

☞ विकास परियोजनाओं से प्रभावित लोगों की समुचित पहचान करना।

☞ उन्हें उचित मुआवजा, रोजगार, और आवास देना।

☞ विस्थापन की प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही लाना।

☞ सरकार को नीतिगत सुधारों के लिए सुझाव देना।

❖ **प्रमुख कार्य :-**

☞ विस्थापित परिवारों की पहचान और सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण।

☞ पुनर्वास और मुआवजे की व्यवस्था की निगरानी।

☞ शिकायतों की सुनवाई और समाधान की अनुशंसा।

☞ विकास परियोजनाओं में पुनर्वास नीति के पालन की समीक्षा।

☞ वार्षिक रिपोर्ट तैयार कर सरकार और जनता को प्रस्तुत करना।

❖ **मुख्य अधिकार :-**

☞ सभी विभागों से दस्तावेज और जानकारी प्राप्त करने की शक्ति।

☞ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा और जन संवाद करने की क्षमता।

☞ स्वत: संज्ञान लेकर मामलों की जांच करने का अधिकार।

☞ आयोग की सिफारिशों को सरकार के समक्ष बाध्यकारी रूप से रखने की व्यवस्था।

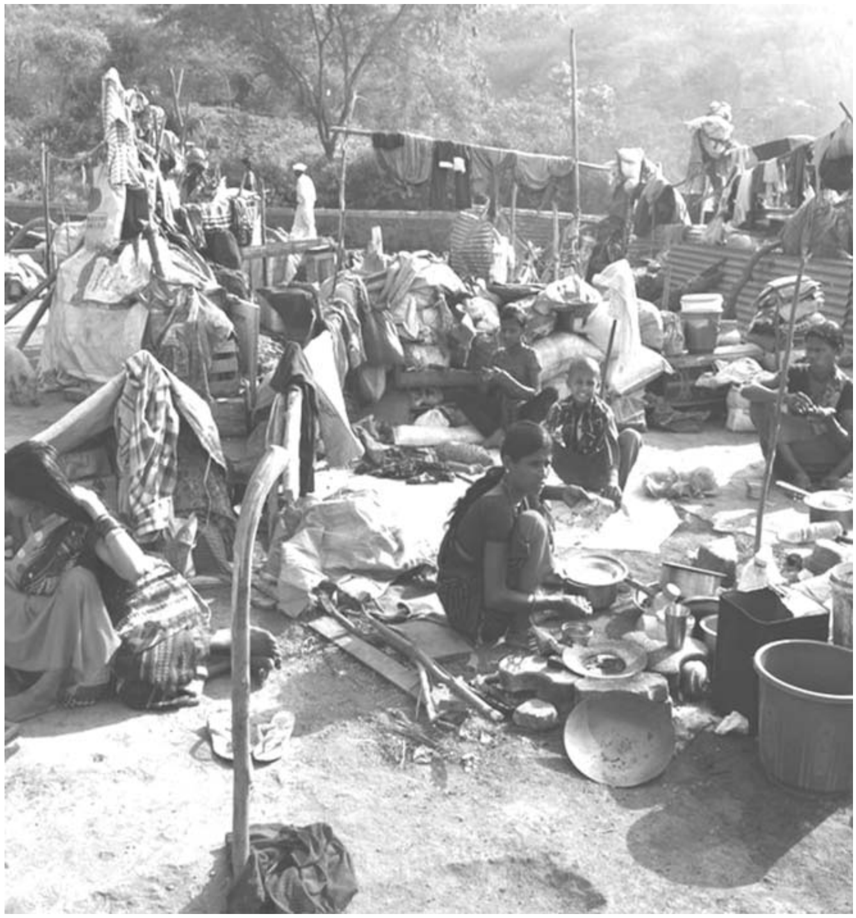

❖ **आयोग के गठन के समय हेमंत सोरेन ने कहा था :-** ष्झारखंड में विकास जरूरी है, लेकिन वह विकास तभी स्वीकार्य होगा जब उसमें यहां के लोगों की भागीदारी और न्याय भी सुनिश्चित हो। विस्थापन की पीड़ा को खत्म करना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। उनकी यह पहल राज्य में जनकेंद्रित विकास नीति की एक अहम मिसाल मानी जा रही है। लेकिन झारखंड सरकार की विस्थापन एवं पुनर्वास आयोग गठन पर पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने कई अहम सवाल खड़े कर दिए हैं, आदिवासी और मूलवासी के हित में हमेशा खड़े रहने वाले चंपई सोरेन ने कहा कि स्थापन एवं पुनर्वास आयोग का गठन कर झारखंड सरकार अपनी पीठ थपथपाने का प्रयास स्वयं कर रही है, झारखंड सरकार से कोई पूछे, कि बिना किसी अधिकार, शक्ति अथवा संसाधन वाला यह आयोग, विस्थापितों का भला किस प्रकार करेगा? जब आयोग के पास विस्थापितों को राहत देने के लिए एक डिसमिल जमीन अथवा एक रुपया भी देने तक का अधिकार नहीं है, तो फिर इस आयोग के गठन से विस्थापितों के जीवन में क्या बदलाव आयेगा? और कैसे? जब राज्य सरकार के पास विभिन्न परियोजनाओं के विस्थापितों की सूची पहले से है, और उनकी दुर्दशा जगजाहिर है, तो फिर यह आयोग ऐसा क्या नया आंकड़ा खोज निकालेगा? जब एक परामर्शदातृ समिति की तरह बनने जा रहे इस आयोग द्वारा दिए गये सुझावों को मानने के लिए सरकार बाध्य नहीं है, तो फिर इसके होने अथवा ना होने से क्या बदल जायेगा?

सीधी बात यह है कि झारखंड के विस्थापितों की आँखों में धूल झोंकने के लिए राज्य सरकार ने एक और आयोग बना दिया है। विभिन्न परियोजनाओं में अपनी जमीन गंवा चुके उन लोगों को दौड़ने के लिए एक और कार्यालय मिल जायेगा, जहाँ उनकी स्थिति का आकलन, सामाजिक- आर्थिक सर्वेक्षण, सूचनाओं का संग्रहण एवं विश्लेषण तो होगा, लेकिन उनके सुझाव को मानना अथवा ना मानना, सरकार की मर्जी पर निर्भर करेगा।

यह विडंबना है कि जिन विस्थापितों के लिए यह आयोग बनने जा रहा है, उनके हित में किसी भी प्रकार का निर्णय लेने का अधिकार आयोग के पास नहीं होगा। कुल मिला कर, राज्य सरकार ने विस्थापन का दंश झेल रहे इस राज्य के विस्थापित परिवारों की भावनाओं से खिलवाड़ करने, तथा उस पर राजनैतिक रोटियां सेंकने की कोशिश की है। विस्थापन के मुद्दे पर अगर राज्य सरकार वाकई गंभीर है, तो आपके विभागों में विस्थापित परिवारों की सूची पड़ी हुई है, कई जनप्रतिनिधि भी आपको उनकी समस्याएं बताते रहते हैं, विस्थापित स्वयं भी कार्यालयों में दौड़ते रहते हैं, आज से उन परिवारों की मदद शुरू कीजिए। लेकिन, विस्थापन जैसे गंभीर मुद्दे पर, आयोग के बहाने, तीन साल तक पूरी प्रक्रिया को टालना बिल्कुल गलत है।

❖ **निष्कर्ष :-** कमी बेसी हर जगह होती है और जरूरत के अनुसार सुधार भी होता रहा है झारखंड सरकार की विस्थापन एवं पुनर्वास आयोग का गठन विस्थापितों के अधिकार उन्हें देगी या फिर अपने हक अधिकार के लड़ाई के लिए महज एक कार्यालय मात्र बन कर रह जायेगी ये आने वाला समय बताएगा।●

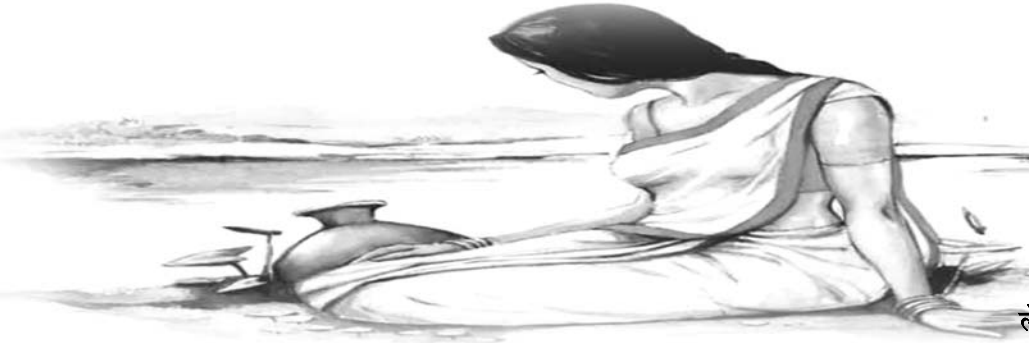

प्रांशा राज
लेखिका एवं शिक्षिका

मन की बातें

इच्छाओं का घर कहाँ है?
क्या है मेरा?
मन या मस्तिक या फिर मेरी सुप्त चेतना?
इच्छाएं है?
भरपूर जोरदार और कुछ मजबूर,
पर किसने दी हैं ये इच्छाएं?
क्या पिछले जन्मों से चल कर आयी या शायद फिर प्रभु ने ही हैं मन में समाई?
पर क्या है और क्यों है ये इच्छाएं?
क्या मार डालूं?
या फिर उनपर काबू पा लूं...
और यदि हाँ तो क्यों?
जब प्रभु की कृपा से है मन मे समाई
तो फिर क्यों हैं उनमें बुराई??

बदल रहा है जमाना

● अंजु प्रभा, वरिष्ठ कवियत्री

बदल रहा है जमाना,
छूट गया अब ढंग पुराना,
सूनी पड़ी है गांव की गलियां,
दिखती नहीं अब सखी सहेलियां,
गुम हो गई पनघट की कहानी,
घर घर पहुंचा डिब्बे का पानी,
भूल गए हम गिल्ली डंडा,
भूल गए कबड्डी,
याद रहती बस मोबाइल की घंटी,
हाय हाय के चक्कर में,
खो गई अब हंसी - तिठोली,
भाग रहे हैं सब पैसों के पीछे,
गुम हो गई फुर्सत भी अब तो,
काम ही काम है सबके पास,
उजड़ गए हैं खेत बगीचे,
दिखाते अब महले दो महले,
चिट्ठी पत्री अब हुआ पुराना,
इंटरनेट का आ गया जमाना,
परंपरा को हम छोड़ हैं बैठे ,
हिंदी हुआ पुराना,
अंग्रेजी के फैशन में फंसकर ,
अंग्रेज बना जमाना,
नहीं है फिक्र किसी को कल की ,
बदल रहा है जमाना।
बदल रहा है जमाना।

आपका राशिफल

पंडित तरुण झा
ज्योतिषचार्य
(ज्योतिष, वास्तु एवं रत्न विशेषज्ञ)
ब्रज किशोर ज्योतिष संस्थान
प्रताप चौक, सहरसा-852201,
(बिहार)
मो० :- 9470480168

मेष राशि :- ये माह जातकों के लिए यह पहले से ज्यादा अच्छा रहेगा, व्यापार अच्छा रहेगा, नौकरी में साथियों से सहयोग प्राप्त होगा, परंतु कृषि क्षेत्र में परेशानी आएगी,माता को स्वास्थ्य संबंधी चिंता रहेगी, मामा पक्ष से सहयोग प्राप्त होगा। संतान सुख प्राप्त होगा!

वृषभ राशि :- इस राशि वाले जातकों के लिए यह माह आर्थिक परेशानी वाला रहेगा,पिता के स्वास्थ्य में सुधार होगा, किसी महिला वर्ग से परेशानी आ सकती है, ध्यान देना होगा, व्यापार ठीक-ठीक रहेगा,नौकरी में परेशानी आएगी और पश्चिम दिशा में लाभ मिल सकता है,वैसे सभी तरह से ये माह अच्छा रहने वाला है!

मिथुन राशि :- इस राशि के जातकों के लिए यह माह पारिवारिक सुख वाला रहेगा,व्यापार ठीक-ठीक रहेगा,कृषि क्षेत्र में सफलता मिलेगी,नौकरी में अधिकारी वर्ग से सहयोग प्राप्त होगा, अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें,तकलीफ आ सकती हैं,बाहरी समस्या को घर में साझा करने से बचें!

कर्क राशि :- कर्क राशि वाले जातकों के लिए यह माह राजनीतिक क्षेत्र में सफलता वाला रहेगा, व्यापार में परेशानी आएगी, नौकरी में साथियों से सहयोग प्राप्त होगा, परंतु स्वयं के कार्य से अधिकारी नाराज रहेंगे,कृषि क्षेत्र ठीक-ठीक रहेगा, अविवाहित के विवाह योग बनेंगे,परिवार में मांगलिक कार्य होंगे,शांति पूर्ण वातावरण रहेगा!

सिंह राशि :- इस माह इस राशि के जातकों के लिए कोर्ट-कचहरी की विजय वाला रहेगा। व्यापार में परेशानी वाला रहेगा,कृषि क्षेत्र में सफलता हासिल होगी,नौकरी में डर बना रहेगा,माह के अंत में राहत मिलेगी, पिता को स्वास्थ्य संबंधी चिंता रहेगी,ससुराल पक्ष से मानसिक तनाव रहेगा, बहुत सारी बाधाये खत्म होगी!

कन्या राशि :- इस माह जीवनसाथी की स्वास्थ्य सम्बंधित परेशानी वाली रहेगी नौकरी अच्छी रहेगी, कृषि में उन्नति होगी, व्यापार ने भागीदारी सुनिश्चित करना होगा, माता से मानसिक व आर्थिक सहायता प्राप्त होगी,किसी भी निवेश के पहले पूर्ण विचार करें, अन्यथा परेशान हो सकते हो।

तुला राशि :- इस राशि वाले जातकों के लिए यह माह पदोन्नति वाला रहेगा, व्यापार ठीक-ठीक रहेगा,कृषि मध्यम रहेगी, नौकरी में उन्नति होगी, जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद रहेंगे, किसी अनजान व्यक्ति से संपर्क करना दुखदायी रहेगा, स्वयं के स्वास्थ्य का ध्यान रखें,पुराने मित्र से अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग प्राप्त होगा!

वृश्चिक राशि :- इस राशि वाले जातकों के लिए यह माह पहले से ज्यादा परेशानी वाला रहेगा, व्यापार सामान्य रहेगा, कृषि क्षेत्र में उन्नति होते-होते ब्रेक लग सकता है,नौकरी में साथियों से परेशानी आएगी,बहन को आर्थिक सहायता प्राप्त होगी, किसी भी साथी को लेकर मानसिक रूप से परेशानी आ सकती है!

धनु राशि :- धनु राशि वाले जातकों के लिए यह माह संतान सुख वाला रहेगा, व्यापार ठीक-ठीक रहेगा,कृषि क्षेत्र में साधारण लाभ मिलेगा,नौकरी में किसी नए व्यक्ति से परेशानी आएगी, स्वयं के स्वास्थ्य को लेकर परेशान रह सकते हैं!

मकर राशि :- मकर राशि वाले जातकों के लिए यह माह स्थान परिवर्तन वाला रहेगा,नौकरी में उन्नति के योग हैं, कृषि क्षेत्र में मध्यम रहेगा, व्यापार अच्छा रहेगा, जीवनसाथी को यह माह कुछ विशेष लाभ मिलेगा,घर में मांगलिक कार्य होने के योग हैं, किसी मिलने वाले से भूमि लाभ मिलेगा!

कुंभ राशि :- कुंभ राशि वाले जातकों के लिए यह माह भूमि-भवन के लाभ वाला रहेगा। व्यापार सामान्य रहेगा। कृषि क्षेत्र में बहुत अधिक परिश्रम करना पड़ेगा जिसका अच्छा लाभ मिलेगा। नौकरी में साथियों से सहयोग प्राप्त होगा। पिता के स्वास्थ्य में सुधार होगा।

मीन राशि :-मीन राशि वाले जातकों के लिए यह माह सामाजिक प्रतिष्ठा वाला रहेगा। व्यापार में सफलता हासिल होते -होते रुक सकती है, ध्यान देना होगा। कृषि क्षेत्र में सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थान परिवर्तन के योग हैं। माता के स्वास्थ्य में सुधार होगा। पत्नी को नए क्षेत्र में सफलता मिलेगी।

✯ पोक्सो कानून क्या है ? यह कब और क्यों लागू हुआ?

पोक्सो का पूरा नाम 'प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफेंस' है जिस का हिंदी में अर्थ लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण है। वर्तमान युग में मासूम एवं नाबालिग बच्चों के साथ रेप की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं लोग जगह-जगह प्रदर्शन कर रहे हैं, बच्चों के साथ आए दिन यौन अपराधों की खबरें समाज को शर्मसार करती हैं , इस तरह के मामलों की बढ़ती संख्या को देखकर सरकार ने वर्ष 2012 में यह विशेष कानून बनाया था जो बच्चों को छेड़खानी बलात्कार और कुकर्म जैसे मामलों से सुरक्षा प्रदान करता है। इस कानून से पहले भारत में यौन अपराधों के लिए कोई अलग से कानून नहीं था इस कानून की खास बात यह है कि भारतीय दंड हिता अधिनियम 1860 के अंतर्गत केवल पुरुष ही बलात्कार का दोषी माना जाता था लेकिन पोक्सो एक्ट में लड़का और लड़की का अपराध समान माना गया है और दोनों के लिए सुरक्षा प्रदान की गई है। अत: बालकों के उचित विकास के लिए यह आवश्यक है कि प्रत्येक व्यक्ति द्वारा नाबालिग बच्चों कि गोपनीयता के अधिकार का सम्मान किया जाए एवं सुरक्षा प्रदान की जाए जिससे बालक का शारीरिक स्वास्थ्य, भावनात्मक और बौद्धिक क्षमता का विकास हो सके।

✯ पॉक्सो कानून के अपराधों की सुनवाई किस प्रकार से की जाती है?

पोक्सो कानून के तहत सभी अपराधों की सुनवाई एक विशेष न्यायालय द्वारा बंद कमरे में कैमरे के सामने बच्चे के माता-पिता या जिन लोगों पर बच्चा भरोसा करता है उनकी उपस्थिति में होती है और इस दौरान बच्चे की पहचान गुप्त रखी जाती है । यदि पीड़ित बच्चा विकलांग है या मानसिक रूप से या शारीरिक रूप से बीमार है तो विशेष अदालत को उसकी गवाही को रिकॉर्ड करने या किसी अन्य उद्देश्य के लिए अनुवादक या विशेष शिक्षक की सहायता लेनी होती है।

✯ पोक्सो कानून में कौन से अपराध शामिल हैं और इन अपराधों के लिए कितनी सजा का प्रावधान है?

18 साल से कम उम्र के नाबालिग बच्चों के साथ किया गया किसी भी तरह का यौन व्यवहार इस कानून के अंतर्गत आता है जिसके तरह नाबालिग बच्चे के साथ सेक्सुअल असॉल्ट, सेक्सुअल हैरेसमेंट और पोर्नोग्राफी जैसे अपराध शामिल हैं। इन अपराधों से सुरक्षा के लिए इस कानून के तहत अलग-अलग अपराध के लिए अलग-अलग सजा और जुर्माना तय किया गया है।

✯ पोक्सो कानून की मुख्य धाराएं कौन-कौन सी हैं?

पोक्सो कानून के अंतर्गत किए गए अपराध सजा एवं जुर्माने का प्रावधान धारा 3 एवं 4 में किया गया है धारा 3 के तहत प्रवेशन लैंगिक हमला को परिभाषित किया गया है जिसके तहत अगर कोई व्यक्ति किसी बच्चे के शरीर के किसी भी पार्ट में प्राइवेट पार्ट डालता है या बच्चे के प्राइवेट पार्ट में कोई चीज डालता है या बच्चे को ऐसा करने के लिए कहता है तथा बच्चे के साथ दुष्कर्म किया गया है तो यह धारा 3 के तहत अपराध होगा, धारा 4 के अनुसार 7 साल से लेकर उम्र कैद की सजा तथा जुर्माने का प्रावधान है धारा 6 के तहत उन मामलों को शामिल किया जाता है जिसमें बच्चों को दुष्कर्म या कुकर्म के बाद गंभीर चोट पहुंचाई गई हो या जिनमें बच्चों के साथ लैंगिक हमला किया गया हो धारा 6 के अनुसार 10 साल से लेकर उम्र कैद तक की सजा और जुर्माना भी लगाया जाता है धारा 7 के तहत उन मामलों को शामिल किया जाता है जिसमें बच्चों के गुप्तांग के साथ छेड़छाड़ की गई हो, धारा 8 के अनुसार इसमें दोष सिद्ध होने पर 3 से 5 साल तक की सजा और जुर्माना भी हो सकती है धारा 11 के तहत उन सेक्सुअल हरासमेंट को परिभाषित किया गया है जिसके तहत अगर कोई व्यक्ति बच्चों को गलत नियत से छूता है या सेक्सुअल हरकतें करता है, अश्लील प्रयोजनों के लिए एक बच्चे को लुभाता है या उसे पोर्नोग्राफी दिखाता है, धारा 12 के अनुसार दोष सिद्ध होने पर 3 साल तक की सजा और जुर्माना भी हो सकता है।

शिवानंद गिरि

(अधिवक्ता)

Ph.- 9308454485
7004408851

E-mail :-shivanandgiri5@gmail.com

✯ पोक्सो मे नए संशोधन के बाद क्या बदलाव हुए हैं?

अप्रैल 2018 में पोक्सो एक्ट में संशोधन के लिए कैबिनेट की मंजूरी के बाद इन मामलों में सजा के प्रावधान को और भी सख्त कर दिए गए हैं जिसमें 12 साल से छोटी बच्ची के साथ रेप पर फांसी की सजा का प्रावधान किया गया है। 2018 में किए गए संशोधन में 16 साल से कम उम्र की बच्चियों से रेप के मामले में सजा 10 साल से बढ़ाकर 20 साल तक कर दी गई है। नए संशोधन के अनुसार पोक्सो के मामले में अब किसी व्यक्ति को अग्रिम जमानत भी नहीं मिलेगी आरोपी को सरेंडर करके जेल जाना होगा तथा भारतीय दंड संहिता की धारा 376 के अनुसार रेप मामले में बेल पर सुनवाई से पहले कोर्ट को पब्लिक प्रॉसिक्यूटर और पीड़िता पक्ष को 15 दिन का नोटिस देना होगा।

✯ पोक्सो के नए कानून में जांच या सुनवाई की समय सीमा कितनी निर्धारित की गई है।

पोक्सो के नए कानून में जांच एवं सुनवाई की समय सीमा तय कर दी गई है जिसके तहत रेप के हर मामले की जांच किसी भी हाल में 2 महीने के अंदर पूरी कर ली जाएगी, रेप मामलों की सुनवाई भी 2 महीने के अंदर पूरी कर ली जाएगी तथा रेप मामलों में अपील और अन्य सुनवाई के लिए अधिकतम 6 महीने का समय सीमा निर्धारित की गई है।

✯ पोक्सो कानून में हुए संशोधन के बाद यौन अपराधों पर कितनी रोक लगी है?

पोक्सो के अंतर्गत बच्चों के खिलाफ यौन अपराध के बहुत से मामले 2012 से 2016 के बीच दर्ज किए गए हैं इसमें कुछ मामले अभी भी कोर्ट में लंबित पड़े हुए हैं जबकि अपराधों की सजा मिलने की दर बहुत कम है जो कि अपराधों को रोकने के लिए सक्षम नहीं है हालांकि सरकार के 2018 के संशोधन से किए गए बदलाव एवं फांसी की सजा के प्रावधान से इन अपराधों पर कुछ हद तक अंकुश लगे हैं लेकिन सरकार को इस एक्ट में और जरूरी सुधार करने चाहिए ताकि पीड़ित को जल्द से जल्द न्याय मिल सके। लंबित मुकदमे और सजा की दर बताती है कि सिर्फ कानून बनाने से रेप के मामले रुकने वाले नहीं हैं इसके लिए प्रशासनिक जवाबदेही भी तय करनी चाहिए ज्यादातर मामलों में देखने में यह आया है कि बच्चों का शोषण जान पहचान के लोग ज्यादा करते हैं और घर के लोग उन पर शक भी नहीं करते हैं और बच्चे के डर के कारण यह बातें किसी से भी बता नहीं पाते और वे शोषण का शिकार हो जाते हैं इसलिए माता-पिता का यह दायित्व बनता है कि वह बच्चों को जागरूक करें और इन सब अपराधों की जानकारी दें और जिन लोगों के साथ बच्चे खेल रहे हैं उन पर पूरी नजर रखें।

नगर परिषद सम्पतचक प्रगति के पथ पर

नगर परिषद् सम्पतचक द्वारा वर्ष 2025 के दौरान आम नागरिकों को जन सुविधा उपलब्ध कराने हेतु अनेक नवोमेषी कार्य किये जा रहे हैं। सभी वार्डों में प्रकाश की व्यवस्था हेतु निविदा किया गया है, जिसका शीघ्र ही निष्पादन हो जाएगा, इसके तहत :-

1. पूरे नगर परिषद् में 5000 LED लाइटों को लगाया जाएगा।
2. नगर परिषद् में चार स्थानों (बैरिया तालाब, सम्पकचक बाजार, शेखपुरा एवं ब्रह्मपुर पुल) पर सेल्फी प्वाइंट बनाए गये हैं।
3. जन सूचना के प्रसारण हेतु सम्पतचक बाजार में एक LED स्क्रीन लगाया गया है।
4. सभी 31 वार्डों में कुल मिलाकर 200 साइनेज बोर्ड लगाया जाने का कार्य प्रक्रियाधीन है।
5. नगर परिषद् सम्पतचक के मुख्य प्रवेश मार्गों पर वेलकम गेट एवं यूनिपोल लगाने का कार्य प्रक्रियाधीन है।
6. वार्ड सं.-24 बैरिया तालाब के बगल में नगर परिषद् सम्पतचक का सम्राट अशोक भवन निर्माणाधीन है।
7. इलाहीबाग छठ घाट तालाब का जीर्णोद्धार कार्य 75% पूर्ण हो चुका है।

8. जल-जीवन-हरियाली मिशन योजना अंतर्गत वार्ड सं.-25 एवं 30 में छठ घाट तालाब का जीर्णोद्धार कार्य का निविदा सफलतापूर्वक निष्पादित हो चुका है।
9. पूरे नगर परिषद् सम्पतचक क्षेत्रान्तर्गत पथ एवं नालियों के निर्माण से संबंधित लगभग 200 (दो सौ) योजनाओं का क्रियान्वयन हुआ है।
10. कुल 21 कुओं का जीर्णोद्धार कराया जा रहा है।
11. दुर्गा पूजा के अवसर पर सभी पूजा पंडालों की साफ सफाई की विशेष व्यवस्था की गई है। प्रत्येक पूजा पंडाल के साथ एक सफाईकर्मी को सम्बद्ध किया गया है। साथ ही वहां चूना, ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव, फॉगिंग, नाला स्प्रे की व्यवस्था की गई है।
12. मुख्य सड़क की सफाई हेतु स्वीपिंग मशीन को प्रतिनियुक्त किया गया है।

सामाजिक एवं बौद्धिक क्षेत्र में रोजगार का सुनहरा अवसर

केवल सच सामाजिक संस्थान और श्रुति कम्युनिकेशन ट्रस्ट अपने भविष्य के आगामी योजनाओं में सामाजिक एवं बौद्धिक सुधार के क्षेत्र में पुर्नजागरण के शंखनाद हेतु बिहार और झारखण्ड राज्य के मेधावी/सक्षम/योग्य/दक्ष एवं कर्मठ नवयुवकों को अपने टीम में वैतनिक/अवैतनिक रूप से जुड़ने के लिए अवसर प्रदान करना चाहती है। उक्त स्वयंसेवी संस्थान मुख्य रूप से 'अपना घर' (वृद्धाश्रम आवास योजना), परिवार परामर्श केन्द्र, शिक्षा का संक्षिप्त पाठ्यक्रम (मूल रूप से निर्धन/बेसहारा लड़कियों हेतु) और विभिन्न मुद्दों पर जागरूकता कार्यक्रम पर ध्यान केन्द्रीत करना चाहती है। इन कार्यक्रमों से जुड़कर नवयुवक सामाजिक क्षेत्र में अपनी हिस्सेदारी सुनिश्चित कर सकते हैं। उक्त संगठन इसके लिए टीम वर्क के तहत कार्य करना चाहती है, जिसके अंतर्गत राष्ट्रीय समन्वयक के अधीन वार्ड/ पंचायत/ प्रखण्ड/ अनुमण्डल/जिला समन्वयकों की नियुक्ति भी करना चाहती है। इस संस्थान से जुड़कर इच्छुक नवयुवक उक्त पदों पर अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर सकते हैं।

संस्थान

श्रुति कम्युनिकेशन ट्रस्ट

भारतीय ट्रस्ट अधिनियम 1882 के तहत संचालित

निबंधन संख्या : 22333/2008, आयकर निबंधित : 12 ए ए/2012-13/2549-52 | 80 जी (5)/तक०/2013-14/1073

केवल सच सामाजिक संस्थान

KEWAL SACH SAMAJIK SANSTHAN

भारतीय सोसायटी एक्ट 21, 1860 के तहत निबंधित

www.shruticommunicationtrust.org

निबंधन संख्या : 1141 (2009-10), आयकर निबंधित : 12 ए ए/2012-13/2505-8 | 80 जी (5)/तक०/2013-14/1060-63

www.ks3.org.in

Regd. Office:- East Ashok Nagar, House No.-28/14, Road No.-14, kankarbagh, Patna- 8000 20 (Bihar)
Jharkhand State Office:- **Riya Plaza, Flat No.-303, Kokar Chowk, Ranchi**
Mob.- 9431073769

दुर्गा पूजा की हार्दिक शुभकामनायें

BASUDEB CHATTERJEE SMRITI FOUNDATION
Estd. 2020

राजीव चटर्जी
अध्यक्ष

स्वर्गीय बासुदेब चटर्जी के श्वाश्वत स्मृति में उनके सुपुत्र राजीव चटर्जी द्वारा साल 2020 में स्थापित संस्था

बासुदेब चटर्जी स्मृति फाउन्डेशन

विगत पांच वर्षों से आम जन मानस के लिये हर स्तर पर अपना यथासंभव योगदान करते आ रही है. यह संस्था समाज के प्रति अपने उत्तरदायित्त

WESTERLIN DRUGS PVT. LTD.
(Serving nation since 1990)

WESTOCITRON
WESTOCLAV
WESTOFERON
WESTOPLEX
QNEMIC

AOJ
AZIWEST
DAULER
MUCULENT
AOJ-D
BESTARYL-M
GAS-40
MUCULENT-D

SEVIPROT
WESTOMOL
WESTO ENZYME
ZEBRIL

WESTERLIN DRUGS PVT. LTD.
Industrial area, Fatuha-803201
E-mail- westerlindrugsprivatelimited@gmail.com
Phone No.:0162-3500233/2950008

WESTERLIN DRUGS PVT. LTD. WD Dispersing Happiness